●वर्ष : 16 ●अंक : 179 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08 RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

चंडीगढ़ में हुई एनडीए चीफ मिनिस्ट्रर काउंसिल की बैठक

पीएम मोदी ने की अध्यक्षता, इन मुद्दों पर हुई बात

नूना न्यूज एजेंसी

महाराष्ट्र। और झारखंड में विधानसभा चुनावों से पहले और हरियाणा और जम्मू-कश्मीर चुनावों के ठीक बाद, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के मुख्यमंत्रियों की परिषद की बैठक आज चंडीगढ़ में संपन्न हुई। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों ने विकास के मुद्दों, संविधान के 'अमृत महोत्सव' और लोकतंत्र की "हत्या के प्रयास" की 50वीं वर्षगांठ वर्ष, जो 1975 में लगाए गए आपातकाल का संदर्भ है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा, जो भाजपा अध्यक्ष भी हैं, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, दो उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस और अजीत बैठक में पवार, गुजरात के सीएम भूपेन्द्र पटेल, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ और गोवा के सीएम प्रमोद सावंत शामिल हुए। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के शपथ ग्रहण समारोह के बाद यह सम्मेलन शुरू हुआ। सैनी ने दूसरी बार हरियाणा की कमान संभाली है। भाजपा ने बुधवार को एक बयान में कहा कि 13 मुख्यमंत्री और 16 उप मुख्यमंत्री उसके हैं और महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, बिहार, सिक्किम, नगालैंड तथा मेघालय के मुख्यमंत्री उसके सहयोगी दलों के हैं। यह पिछले कुछ साल में राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों का इस तरह का पहला सम्मेलन है। भाजपा और उसके सहयोगी दल अगले महीने महाराष्ट्र और झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनावों में विपक्षी गठबंधन से मुकाबला करने के लिए तैयारी में लगे हैं। सम्मेलन में सैनी के अलावा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, नगालैंड के मुख्यमंत्री नीफियू रियो, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी तथा अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू शामिल हुए। बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा, मणिपुर के मुख्यमंत्री ए बीरेन सिंह, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग तथा त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा भी

सम्मेलन में शिरकत की। बयान के अनुसार, इस बैठक में विचार-विमर्श का एक निश्चित एजेंडा होगा जिसमें राष्ट्रीय विकास के मुद्दे शामिल होंगे। इसमें संविधान का अमृत महोत्सव मनाने और लोकतंत्र की हत्या के प्रयास की 50वीं वर्षगांठ जैसे विषयों पर भी चर्चा होगी। बयान में कहा गया है कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नायडू और नगालैंड के मुख्यमंत्री रियो चर्चा की शुरूआत करेंगे।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

उत्तर प्रदेश के उप-चुनाव में भी भाजपा हिंदुत्व एवं राष्ट्रवाद के सहारे

इंडिया गठबंधन ने लोकसभा चुनाव में भले ही संविधान,आरक्षण और जातीय समीकरण साध कर बीजेपी की हिन्दुत्व की राह में रोड़े बिछा दिये थे, लेकिन कहते हैं कि काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती है और हाल ही में सम्पन्न हरियाणा और जम्मू कश्मीर के विधान सभा चुनाव में बीजेपी के हिन्दुत्व ने एक बार फिर हुंकार भरी और कांग्रेस के हरियाणा में सरकार बनाने के सपने चूर-चूर हो गये। इसी से उत्साहित बीजेपी अब यूपी के उप चुनाव में भी हिन्दुत्व की पिच पर बैटिंग करने का मन बना चुकी है। जातीय समीकरण को साधने के लिए भाजपा फिर हिंदुत्व के एजेंडे का इस्तेमाल करेगी। कहा जा रहा है कि हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव का फायदा भाजपा यूपी के उपचुनाव में भी उठाना चाहती है। पार्टी का भी मानना है कि हिंदुत्व के फार्मूले से जातीय समीकरण साधने में उसे मदद मिलेगी। भाजपा का केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व यूपी की नौ विधानसभा सीटों के लिए नवंबर में होने वाले उपचुनाव में हिंदुत्व के साथ राष्ट्रवाद के फार्मूले का परीक्षण करेगी। लोकसभा चुनाव में यूपी में मनमाफिक नतीजे नहीं आने से दुखी बीजेपी को अगर हिंदुत्व के सहारे उप चुनाव में सफलता मिलती है तो 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए इसी आधार पर पार्टी का आलाकमान रणनीति बनाई जावेगा। दरअसल, हरियाणा में लगातार तीसरी बार और 2014 व 2019 के मुकाबले ज्यादा सीटों के साथ सरकार बनाकर भाजपा ने सारे कयासों को झुठला दिया है। वहीं, जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने का करिश्मा भाजपा भले ही नहीं कर पाई हो, लेकिन वहां मिले सबसे ज्यादा वोटों ने पार्टी में नई उम्मीद जगाई है। लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी में आए नतीजों को कांग्रेस ने भाजपा की राष्ट्रीय राजनीति से विदाई के तौर पर प्रचारित किया। अब हरियाणा और जम्मू-कश्मीर ने इसे एक तरह से खारिज कर दिया है। साफ है कि अब भाजपा यूपी के उपचुनाव में हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के एजेंडे को धार देगी। इसका असर प्रदेश में दिखने भी लगा है। हालांकि, भाजपा के एजेंडे की काट को लेकर कांग्रेस और सपा ने भी तैयारी शुरू कर दी है। बता दें हरियाण की तरह जम्मू-कश्मीर में भी ज्यादातर हिंदू भाजपा के पक्ष में गोलबंद दिखे।

SYED ZAKI HAIDER
(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

2 महीने में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दे केंद्र सरकार

सुप्रीम कोर्ट पहुंची याचिका

नूना न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 17 अक्टूबर को कहा कि वह जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा "समयबद्ध" बहाल करने की मांग वाली याचिका को सूचीबद्ध करने पर विचार करेगा। आवेदकों की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की अगुवाई वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ से आग्रह किया कि याचिका पर तत्काल सुनवाई की जरूरत है। वरिष्ठ वकील ने कहा कि राज्य का दर्जा प्रदान करने के लिए

एक एमए (विविध आवेदन) है। यह नोट किया गया था (पिछले साल के फैसले में) कि इसे समयबद्ध किया जाना चाहिए। सीजेआई ने कहा कि मैं इससे निपटूंगा। ताजा आवेदन जम्मू-कश्मीर में एक शिक्षाविद् जहूर अहमद भट और एक सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता खुर्शीद अहमद मलिक द्वारा दायर किया गया था। 11 दिसंबर, 2023 को, एक ऐतिहासिक फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने सर्वसम्मति से संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द करने को बरकरार रखा था। 2019 में तत्कालीन राज्य जम्मू और कश्मीर को विशेष दर्जा देता था और आदेश दिया था कि वहां विधानसभा चुनाव कराए जाएं। सितंबर 2024 तक। अदालत ने यह भी कहा था कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल किया जाना चाहिए।

मेरे परिवार को न्याय चाहिए! बाबा सिद्दीकी की हत्या पर बेटे जीशान ने की मांग

नूना न्यूज एजेंसी

मुंबई। विधायक जीशान सिद्दीकी ने अपने पिता बाबा सिद्दीकी की हत्या के लिए न्याय की मांग की है, उनका कहना है कि मेरे पिता ने गरीब निर्दोष लोगों के जीवन और घरों की रक्षा करते हुए अपनी जान गंवा दी। आज, मेरा परिवार टूट गया है लेकिन उनकी मौत का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए और निश्चित रूप से मुझे न्याय चाहिए, मेरे परिवार को न्याय चाहिए! एनसीपी अजित पवार गुट के नेता बाबा सिद्दकी की 12 अक्टूबर की रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया है कि उन्हें निर्देश

मिले थे कि बाबा सिद्दीकी ही नहीं उनके बेटे जिशान भी उनके निशाने पर थे। खबर के अनुसार शूटर्स को निर्देश मिले हुए थे कि जो भी मिले उसे मार डालो। पूछताछ में आरोपियों ने अपने प्लान के बारे में भी बताया है। खबरों के अनुसार आरोपियों ने पहले बाबा सिद्दीकी और फिर उनके बेटे की आंखों पर काली मिर्च वाला स्प्रे मारना चाहते थे उनका सोचना था कि ऐसे सिद्दीकी परिवार के लोगों को दिखना बंद हो जाएगा। लेकिन ये प्लान पूरा नहीं हो पाया क्योंकि इस केस के आरोपी शिव कुमार गौतम ने सारे प्लान छोड़ते हुए फायर प्लान खोल दिया। जिससे अन्य आरोपियों को भी पहले ही फायर करना पड़ा। बाबा सिद्दीकी के साथ एक और व्यक्ति को गोली लगी थी। जिस समय गोली जीशान सिद्दीकीचली वो मौका-ए-वारदात से गुजर रहा था। उसी समय व्यक्ति को गोली लग गई। उसे उपचार के लिए भाभा अस्पताल भर्ती कराया गया।

ब्रीफ न्यूज

14 मंजिला इमारत में आग, 3 लोगों की मौत

मुंबई, मुंबई के अंधेरी में एक 14 मंजिला इमारत में बुधवार सुबह आग लग गई। आग बिल्डिंग के 10वें फ्लोर पर सुबह करीब 8 बजे लगी लगी। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। 1 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। आग से 3 लोग घायल हुए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हों मृत घोषित कर दिया। आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने कहा कि जांच के बाद ही जानकारी दी जाएगी।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भतीजी का निधन

कोलकाता, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भतीजी रोमा रे (95) का बुधवार को कोलकाता स्थित उनके घर में निधन हो गया। उनके परिवार में एक बेटा, दो बेटियां और पांच पोते-पोतियां हैं। वे प्रख्यात बैरिस्टर और स्वतंत्रता सेनानी शरत चंद्र बोस की बेटी थीं। वह नेताजी की पत्नी एमिली शेंकल के भी बहुत करीब थीं, क्योंकि वह 1950 के दशक में वियना में रहती थीं, जहां शेंकल भी रहती थीं। रे को 1996 में जर्मनी में शेंकल के अंतिम संस्कार में बोलने के लिए आमंत्रित किया गया था। रोमा का विवाह डॉ. साचिस रे से हुआ था।

भारत-न्यूजीलैंड टेस्ट का पहला दिन धुला

बेंगलुरु, भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले टेस्ट के पहले दिन का खेल रद्द कर दिया गया है। बेंगलुरु में बुधवार सुबह से रुक-रुककर बारिश होती रही। ऐसे में अंपायर्स ने ग्राउंड स्टॉफ से बात करने के बाद दिन का खेल रद्द करने का फैसला किया। मौसम की वेबसाइट एक्यूवेदर के अनुसार बेंगलुरु में अगले 4 दिन तक इसी तरह के मौसम का अनुमान है। इससे पहले कानपुर टेस्ट के शुरुआती 3 दिन बारिश से प्रभावित रहे थे।

हरियाणा के सैनी होंगे सीएम, अमित शाह की मौजूदगी में नाम हुआ तय

सरकार बनाने का दावा पेश किया, शपथ आज, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी ऑब्जर्वर के तौर पर रहे मौजूद

● चंडीगढ़

शपथ समारोह में पीएम के साथ 19 राज्यों के सीएम होंगे शामिल

हरियाणा में नायब सिंह सैनी ही मुख्यमंत्री बने रहेंगे। बुधवार 16 अक्टूबर को पंचकूला में भाजपा विधायक दल की मीटिंग में उन्हें नेता चुना गया।

मीटिंग में विधायक कृष्ण बेदी ने नायब सैनी के नाम का प्रस्ताव रखा। जिसका अनिल विज और आरती राव ने समर्थन किया। फिर सभी विधायकों ने नायब सैनी के नाम पर सहमति दे दी। इसके बाद गृह मंत्री अमित शाह ने नायब सैनी के सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुने जाने की घोषणा की। शाह ने कहा- हरियाणा की स्थापना से लेकर अब तक कोई भी मुख्यमंत्री लगातार तीसरी बार सफल नहीं हुआ। युवा नायब सैनी के नेतृत्व में हम तीसरी बार चुनाव जीत पाए हैं। शाह के साथ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी ऑब्जर्वर के तौर पर मौजूद रहे।

पंचकुला में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शिरकत करेंगे। पीएम मोदी मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने के साथ-साथ राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों के साथ एक बैठक भी करेंगे। जानकारी के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्रियों और 18 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के मुख्यमंत्रियों को सीएम नायब सिंह सैनी के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, ओडिशा, पुडुचेरी (यूटी), राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री आएंगे।

बीईएमएल बनाएगी स्वदेशी बुलेट ट्रेन

नई दिल्ली, सरकारी स्वामित्व वाली बीईएमएल (भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड) को दो हाई-स्पीड ट्रेनों की डिजाइनिंग, निर्माण और संचालन के लिए 867 करोड़ रुपये का ठेका मिला है।

पहली बार देश में ऐसी स्वदेशी बुलेन ट्रेन का निर्माण होना है। इनकी अधिकतम गति 250 से 280 किलोमीटर प्रति घंटे होगी।

867 करोड़ में ठेका, दो वर्षों में होगी तैयार

बीईएमएल को हाई स्पीड ट्रेन बनाने का ठेका चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) की ओर से दिया गया है।

बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार रेल मंत्रालय ने आईसीएफ से दो ऐसी रेलगाड़ियां बनाने को कहा है जो 250 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से चल सकें। अब आईसीएफ ने इन रेलगाड़ियों के लिए टेंडर जारी कर काम बीईएमएल को सौंप दिया है।

उमर अब्दुल्ला ने ली सीएम की शपथ, सुरेंदर डिप्टी बने

कांग्रेस पार्टी नहीं हुई सरकार में शामिल शपथ समारोह में मौजूद रहे राहुल गांधी

● श्रीनगर

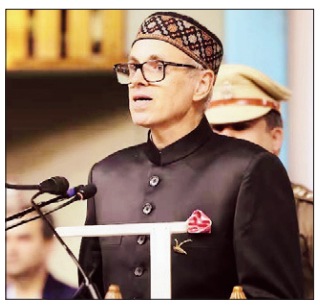

भाजपा बोली- उम्मीद है शांति स्थापित करेंगे

नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही वे इस केंद्र शासित राज्य के पहले सीएम बन गए।

कार्यक्रम श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर (एसकेआईसीसी) में हुआ। नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं हुई है। हालांकि उमर के शपथ समारोह में राहुल और प्रियंका गांधी मौजूद रहे। कांग्रेस ने सरकार को बाहर से समर्थन दिया है। पार्टी का कहना है कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिलने तक उसकी लड़ाई जारी रहेगी।

जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने कहा- मैं उमर अब्दुल्ला को बधाई देता हूं, जिन्होंने जम्मू-कश्मीर के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। उनके मंत्रिपरिषद को भी बधाई देता हूं। मुझे उम्मीद है कि वे जम्मू-कश्मीर में शांति स्थापित करने और जनता के सामने आने वाले मुद्दों को हल करने के लिए काम करेंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त के हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

पिथौरागढ़, मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के हेलिकॉप्टर की उत्तराखंड के मुनस्यारी के रालम में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। इसकी वजह खराब मौसम बताई गई है। हेलिकॉप्टर मिलम की तरफ जा रहा था। सीईसी के साथ राज्य के उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार जोगदंडे भी थे। सीईसी का मिलम से नंदा देवी बेस कैम्प ट्रैकिंग के लिए जाने का प्लान था, लेकिन इसी बीच दोपहर 1 बजे मौसम खराब हो गया। पायलट ने खतरा महसूस होते ही सूझबूझ का परिचय देते हुए हेलिकॉप्टर की पास में ही एक खेत में सेफ लैडिंग करा दी।

मौसम खराब होने पर खेत में उतारा

डीएम ने सीईसी से बात की, वे सुरक्षित हैं। लैंडिंग के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त और उनके साथ मौजूद अन्य अधिकारियों को पास के गेस्ट हाउस ले जाया गया।

केस खारिज कर्नाटक हाईकोर्ट बोला- मस्जिद पब्लिक प्लेस, इससे धार्मिक भावनाएं आहत नहीं

मस्जिद के अंदर जय श्री राम के नारे लगाना अपराध नहीं

● नई दिल्ली

कर्नाटक हाईकोर्ट ने मस्जिद के अंदर जय श्री राम के नारे लगाने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इससे किसी भी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंची है। आपको बता दें कि कोर्ट का यह यह आदेश पिछले महीने पारित किया गया था। मंगलवार को वेबसाइट पर अपलोड किया गया। शिकायत के अनुसार, दक्षिण कन्नड़ जिले के दो लोग पिछले साल सितंबर में एक रात एक स्थानीय मस्जिद में घुस गए और जय श्री राम के नारे लगाए।

इसके बाद स्थानीय पुलिस ने उन पर भारतीय दंड संहिता की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। दोनों के खिलाफ धारा 295 ए (धार्मिक विश्वासों को ठेस पहुंचाना), 447 (आपराधिक अतिक्रमण) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया गया था। आरोपियों ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को खारिज करने के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उनके वकील ने तर्क दिया कि मस्जिद एक सार्वजनिक स्थान है और इसलिए इसमें अपराध का कोई मामला नहीं बनता है। वकील ने यह भी तर्क दिया कि जय श्री राम का नारा लगाना आईपीसी की धारा 295 ए के तहत परिभाषित अपराध की आवश्यकता को पूरा नहीं करता है।

बार एंड बेंच का इस मामले में तर्क

बार एंड बेंच ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा, कोर्ट ने कहा कि यह समझ में आता है कि अगर कोई जय श्रीराम का नारा लगाता है तो इससे किसी वर्ग की धार्मिक भावना को ठेस पहुंचेगी। जब शिकायतकर्ता खुद कहता है कि इलाके में हिंदू-मुस्लिम सौहार्द के साथ रह रहे हैं तो इस घटना का किसी भी तरह से कोई नतीजा नहीं निकल सकता। कर्नाटक सरकार ने याचिकाकर्ताओं की याचिका का विरोध किया और उनकी हिरासत की मांग करते हुए कहा कि मामले में आगे की जांच की जरूरत है। हालांकि अदालत ने माना कि अपराध का सार्वजनिक व्यवस्था पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा। कोर्ट ने कहा, सर्वोच्च न्यायालय का मानना है कि कोई भी कार्य आईपीसी की धारा 295 ए के तहत तब तक अपराध नहीं माना जाएगा, जब तक कि उससे शांति स्थापित करने या सार्वजनिक व्यवस्था को नष्ट करने पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। ऐसा नहीं होता है तो उन्हें आईपीसी की धारा 295 ए के तहत अपराध नहीं माना जाएगा।

बम की धमकी के बाद चार फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

3 दिन में 14 फ्लाइट्स को धमकियां, विमानों में अब दोगुने एयर मार्शल की होगी तैनाती

● नई दिल्ली

इंडियन एयरलाइंस की चार और फ्लाइट्स में बुधवार को बम होने की धमकी मिली। इंडिगो की मुंबई-दिल्ली (6ई651) फ्लाइट को टेकऑफ के बाद वापस दिल्ली बुलाना पड़ा, वहीं अकासा एयरलाइंस की दिल्ली-बेंगलुरु फ्लाइट (क्यूपी1335) को अहमदाबाद डायवर्ट किया गया। इसके अलावा स्पाइसजेट की 2 फ्लाइट्स को भी बम की धमकी मिली, जिसके बाद सभी पैसेंजर को सुरक्षित उतार लिया गया।

अभी तक इतनी ही जानकारी सामने आई है। पिछले 3 दिन में 14 विमानों को बम की धमकी मिल चुकी है। 15 अक्टूबर को 7 फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिली थी।

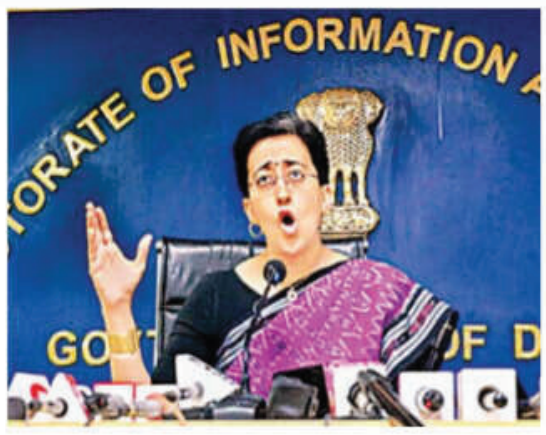

दिल्ली की सीएम आतिशी बुधवार को दिल्ली सचिवालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तथा दिल्ली की सीएम आतिशी बुधवार को नई दिल्ली में पार्टी कार्यालय में जनसंपर्क अभियान कार्यक्रम के शुभारंभ के दौरान आप संयोजक अरविंद केजरीवाल, गोपाल रेल और अन्य के साथ।

आज के इस डिजीटल युग में स्पाइनल स्टेनोसिस के मामलों में खतरनाक बढ़ौतरी देखने को मिल रही : डा. राजन

नई दिल्ली, अक्तूबर : वर्ल्ड स्पाइन डे के मौके पर सभी उम्र के लोगों के बीच स्पाइनल हैल्थ यानी रीढ़ की हड्डी की सेहत के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आर्टेमिस हॉस्पिटल्स ने कार्यक्रम का आयोजन किया। ह्यसपोर्ट योर स्पाइनह्व की थीम के साथ इस साल स्पाइनल मोबिलिटी को बढ़ावा देने और दुनियाभर में लाखों लोगों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाली स्पाइनल डिसऑर्डर्स को कम करने पर फोकस किया गया है। हॉस्पिटल्स के चीफ न्यूरो स्पाइन सर्जरी डा. एस.के. राजन ने विशेष रूप से शहरी आबादी के बीच स्पाइनल डिसऑर्डर्स के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए कहा, आज के इस डिजीटल युग में सर्वाइकल स्पॉन्डिलोसिस, हर्निएटेड डिस्क्स और स्पाइनल स्टेनोसिस के मामलों में खतरनाक बढ़ौतरी देखने को मिल रही है। विगत वर्षों में उम्र से संबंधित नर्व की समस्याओं, सर्वाइकल में दबाव और झुकी हुई रीढ़ की हड्डी (गर्दन और कमर) के मरीजों की संख्या में काफी बढ़ोतरी देखने को मिली है। साथ ही ऐसे मरीजों की संख्या भी बढ़ी है, जो बड़ी उम्र में हड्डियों के फ्रैक्चर का सामना रह रहे हैं। लंबे समय तक बैठकर डेस्क पर काम करना, शारीरिक गतिविधियां कम करना और गलत तरह से बैठना इसके महत्वपूर्ण कारण हैं।

भारतीय बाजार में अमेरीकन पेकन्स आधुनिक आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा बन रहे हैं, देश में बढ़ी मांग

नई दिल्ली, अक्तूबर : अमरीकन पेकन्स ने त्यौहारों के मौके पर ह्यात ग्रुप ऑफ रैस्टोरैंट्स के साथ एक विशेष साझेदारी की घोषणा की है। 15 अक्तूबर से 15 नवंबर तक द इंडलजेंट अमरीकन पेकन फैस्टिवल आयोजित किया जाएगा। इस एक्सक्लुजिव फैस्टिव मेन्यू को जानी-मानी पोषण विशेषज्ञ कविता देवगण ने क्यूरेट किया है, जो अमेरिकन पेकन्स के स्वास्थ्य लाभों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। मेन्यू में स्वादिष्ट स्टार्टर से लेकर अद्वितीय डेजर्ट तक कई खास व्यंजन होंगे, जो पेकन्स के रिच फ्लेवर और पोषण से भरपूर होंगे। अमरीकन पेकन्स के मार्कीट प्रतिनिधि सुमित सरन ने कहा कि पेकन्स आधुनिक आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं और भारतीय उपभोक्ताओं में इनकी मांग तेजी से बढ़ रही है। यह साझेदारी ह्यात ग्रुप के साथ की गई है, जो अपनी उच्च गुणवत्ता वाली सेवाओं के लिए प्रसिद्ध हैं। इस फैस्टिव सीजन में अमरीकन पेकन्स भारतीय उपभोक्ताओं को स्वादिष्ट और सेहतमंद व्यंजनों का एक अनूठा अनुभव प्रदान करेंगे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री देवेन्द्र यादव दिल्ली विधानसभा चुनावों का बिगुल बजाते हुए सभी सात संसदीय क्षेत्रों में दिल्लीवालों आओ, दिल्ली चलाओ अभियान के तहत जनता की सलाह लेने के लिए जनता की खाली कुर्सी के साथ सात वेन रवाना की।

नई दिल्ली। 17 अक्टूबर, 2024 - दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री देवेन्द्र यादव ने विधानसभा चुनावों का चुनावी बिगुल बजाते हुए आज भारी संख्या में मौजूद कांग्रेस कार्यकताओं और नेताओं की मौजूदगी में दिल्लीवालों आओ, दिल्ली चलाओ अभियान के साथ सभी सात संसदीय क्षेत्रों में सात वेन हरी झंडी दिखाकर रवाना की। प्रत्येक वेन में एक खाली कुर्सी रखी गई है जिस पर कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली की जनता को बैठाकर उनसे दिल्ली कैसे चलानी है और दिल्ली में कांग्रेस क्या बेहतर कर सकती है, यह पूछेंगे। कांग्रेस पार्टी दिल्ली के विधानसभा चुनाव में जाने से पहले दिल्ली की जनता से उनके विचार, सलाह लेकर कांग्रेस घोषणा पत्र न्याय संकल्प में सम्मिलित करेगी। ज्ञातव्य है कि कांग्रेस पार्टी ने कनॉट प्लेस में मेनिफेस्टो कमेटी की घोषणा की, जिसमें जनता के बीच एक खाली कुर्सी रखकर घोषणा की थी कि जिस प्रकार दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने अपने बराबर में अरविन्द केजरीवाल के लिए एक खाली कुर्सी रखकर दिल्ली की सरकार चला रही है। दिल्ली कांग्रेस उसी तर्ज पर दिल्ली की जनता को खाली कुर्सी पर बैठाकर उनके विचार लेगी कि बदहाल हो चुकी दिल्ली की बेहतरी कैसे होगी। क्योंकि मुख्यमंत्री को कुर्सी पर जनता बैठाती है, इसलिए हमने दिल्ली की जनता के लिए सभी संसदीय क्षेत्रों में जनता के विचार लेने के लिए खाली कुर्सी रखकर वेन भेजी है। दिल्लीवालों के भी कुछ सपने है, भविष्य की सोच है। वेनों पर दिल्लीवालों आओ, दिल्ली चलाओ और हाथ बदलेगा हालात जैसे नारे लिखे हुए है। श्री देवेन्द्र यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी के कुशासन और भाजपा की तानाशाही को कैसे खत्म कर सकते है, अब सब कुछ दिल्ली की जनता बताऐगी। उन्होंने कहा कि इनके मुख्यमंत्री, मंत्री जेल में रहे, विधायकों का जेल आना जाना लगा रहता है। अगर देखें तो दिल्ली सरकार की निष्क्रियता और भ्रष्टाचार के कारण दिल्ली पूरी तरह रुक गई है।

श्री मल्लिकार्जुन खरगे ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा- वाल्मीकि जयंती के निमित्त मैं यहां पर भगवान वाल्मीकि के दर्शन के लिए आया हूं, उनका दर्शन लिया।

नई दिल्ली। मैं सभी वाल्मीकि समाज को शुभकामनाएँ देता हूं और सारे देश में वाल्मीकि समाज आर्थिक और शिक्षा की दृष्टि से बहुत कमजोर है। इस समाज को अगर ऊपर आना है, हम सब लोगों को उनकी शिक्षा की तरफ ध्यान देना जरूरी है। जब हम लोग शिक्षा की तरफ ध्यान देंगे, समाज में सामाजिक न्याय भी मिलेगा और सभी लोग आगे बढ़ेंगे, खासकर नौजवानों को शिक्षा की जरूरत है और वह शिक्षा प्राप्त करने के लिए वह पूरी कोशिश करें, हम उसी दृष्टि से आज यहां पर आए हैं और एक बार उनको नमन करके मैं आपसे विदा लेता हूं। एक प्रश्न के उत्तर में श्री मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मैंने बोला दलित समाज को शिक्षा की दृष्टि से आगे आना चाहिए और आर्थिक बल उनमें होना चाहिए और तीसरा जो है आर्थिक बल के साथ, कि वो यूनिटी के साथ रहना चाहिए। यानी मनुष्य बल, मानसिक बल और आर्थिक बल, अगर ये तीन बल उनके साथ रहें, तो मैं समझूंगा कि यह समाज आगे आया है और इसी दृष्टि से सभी लोग काम करें और सभी लोग चलें कि हम बगैर शिक्षा, बगैर मजबूती, बगैर आर्थिक बल के दूसरे जो हमारे ऊपर दबाव आता है, जो अन्याय होता है, जो हम लोगों को हर जगह दबाया जाता है, उसका हम मुकाबला नहीं कर सकते। इसलिए इन तीन चीजों की जरूरत है, सारे देश में दलित लोग एक होना चाहिए, चाहे वह किसी भी समाज के हो। जब तक वह एक होकर लड़ेंगे नहीं, उनके हक की सुरक्षा नहीं होगी। इसीलिए तो हमने संविधान बचाओ का आंदोलन चलाया है, उसी तरह लोकतंत्र बचाने का आंदोलन चलाया। लोकतंत्र और संविधान अगर बचा तो देश में मजबूती आएगी।

विद्युत मंत्रालय ने लंबित मामलों के निपटान और कार्यालय स्वच्छता के लिए विशेष अभियान 4.0 में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की

विभिन्न कार्यालयों एवं इकाइयों में लंबित मामलों के निपटान में तेजी लाना है

नई दिल्ली, अक्तूबर : प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा निर्धारित उद्देश्यों के तहत विद्युत मंत्रालय सक्रिय रूप से विशेष अभियान 4.0 को कार्यान्वित कर रहा है।

इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छता को बढ़ावा देना तथा विभिन्न कार्यालयों एवं इकाइयों में लंबित मामलों के निपटान में तेजी लाना है। इस अभियान का शुभारंभ 16 सितंबर से हुआ और फिर 30 सितंबर तक संचालित प्रारंभिक चरण में सभी मापदंडों के लक्ष्य निर्धारित किए गए। मापदंडों में सांसदों, प्रधानमंत्री कार्यालय, लोक शिकायत और राज्य सरकारों से लंबित संदर्भों के उत्तर, चयनित स्थलों पर स्वच्छता अभियान, रिकॉर्ड प्रबंधन, स्थलों को खाली करना और राजस्व अर्जन आदि शामिल है।

इस अभियान के दूसरे चरण का कार्यान्वयन 2 अक्तूबर 2024 को शुरू हुआ और यह 31 अक्तूबर 2024 तक जारी रहेगा। विद्युत मंत्रालय ने अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सराहनीय प्रगति की है। 15 अक्तूबर 2024 तक, मंत्रालय ने सांसदों (58 प्रतिशत) के 42 संदर्भों, राज्य सरकारों (27 प्रतिशत) के 16 संदर्भों और तीन अंतर-मंत्रालयी समिति (आईएमसी) संदर्भों (50 प्रतिशत) का निपटारा कर दिया है। जन शिकायतों के संदर्भ में, मंत्रालय ने 19 जन शिकायत अपीलों (50 प्रतिशत) के साथ 177 शिकायतों (78 प्रतिशत) का निपटारा किया है। भौतिक और ई-फाइलों की समीक्षा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, लक्षित 19,839 और 4,937 में से क्रमशः 13,377 भौतिक फाइलों और 1,589 ई-फाइलों की समीक्षा की गई है और 9490 भौतिक फाइलों को हटा दिया गया है तथा 1581 ई-फाइलें बंद कर दी गई हैं।

आसान ऑनलाइन आवेदन के साथ गोल्ड लोन सुविधा उपलब्ध

(नई दिल्ली) अक्तूबर : आईआईएफएल फाइनैंस, जोकि भारत की प्रमुख नॉन-बैंकिंग फाईनेंशल कंपनियों (एनबीएफसी) में से एक है, अपने गोल्ड लोन मेला में 19 अक्तूबर तक जीरो प्रोसैसिंग शुल्क के साथ 0.99 फिसदी प्रतिमाह की ब्याज दर पर गोल्ड लोन पेश कर रही है। इस गोल्ड लोन मेला द्वारा आईआईएफएल फाईनेंस का उद्देश्य तत्काल वित्तीय सहयोग के जरूरतमंदों को कम लागत पर गोल्ड लोन के माध्यम से किफायती क्रेडिट प्रदान करना है। आईआईएफएल फाईनेंस भारत में अपनी शाखाओं और सुगम ऑनलाईन प्लेटफॉर्म के माध्यम से लोन निवेदनों की प्रभावी प्रोसैसिंग के लिए तैयार है, ताकि ग्राहकों को इस सीमित अवधि के ऑफर का ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके। कंपनी में जोनल हेड, गोल्ड लोन, मनीष मयंक ने कहा, हमें मालूम है कि पैसे की जरूरत अचानक से सामने आती है, और हम जरूरत के समय पर अपने ग्राहकों को सहयोग प्रदान करने के लिए समर्पित हैं।

उद्घाटन भाषण के दौरान, डॉ. हरिंदर सिंह ओबेरॉय ने सभी प्रतिनिधियों और अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि एफएओ द्वारा गढ़ा गया बेहतर जीवन और बेहतर भविष्य के लिए खाद्य पदार्थों का अधिकार विषय इस दिन के लिए बहुत उपयुक्त है क्योंकि यह विषय खाद्य विज्ञान के सभी पहलुओं का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण, खाद्य सुदृढ़ीकरण और खाद्य सुरक्षा सभी खाद्य प्रणाली का अपरिहार्य हिस्सा हैं। उन्होंने आगे बताया कि भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 में 11 कंपनियों और 5 शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इन रणनीतिक सहयोगों का उद्देश्य भारतीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में अनुसंधान को आगे बढ़ाना, नवाचार को बढ़ावा देना और कौशल विकास को बढ़ाना है। (सईद अहमद)

उज्जवल हैं भविष्य Febi.ai का

प्री-सीरीज ए फंडिंग राउंड में जुटाए 2 मिलियन यूएसडी

ए यू आसिफ

नई दिल्ली। 17 अक्टूबर, Febi.ai के सीइओ अवमत जिंदल ने अवसर पर कहा की यह चार्टर्ड अंकाउटेंट समुदाय द्वारा बनाया गया है और यह उधमियों और सीए समुदाय को लेखांकन और कर अनुपालन कायों को प्रबंधित करने के वास्तविक समय की अंतर्दटि और प्रभावी तरीको से सशक्त बनाएगा। ल्यूमिस पार्टनर्स के पार्टनर संदीप सिन्हा ने कहा, स्टार्टअप और एमएसएमई भारतीय अर्थव्यवस्था का दिल हैं। प्रतिस्पर्धी उघोगों में व्यवसाय संचालन को संभालते समय, वित्त की देखभाल करना और कर अनुपालन बनाए रखना उनके लिए बहुत कुछ हो सकता है। मेरा मानना है वक Febi.ai इसे बदल सकता है क्योकि यह उनके कंधो से बोझ हटा देता है ताकि वे प्राथमिकता वाले काम पर ध्यान केद्रित कर सकें। इडियन एंेजेल नेर्ट्कि की सह-सोंस्थापक पजा रूपारेल ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, “Febi.ai एक अवभनि सॉफ्टियर है और इसमें अपने क्षेत्र में उद्योग का अग्रणी बनने की पूरी क्षमता है। एक ऐसे व्यद्धक्त के रूप में जो भारतीय उद्यमशीलता पारस्थितिकी तोंत्र के साथ इतनी वनकर्ता से जुडा हुआ है, यह उन व्यिसायों के वलए एक बेहतरीन मोंच है जो अपने कर अनुपालन और वित्तीय प्रबोंधन में शीषि पर बने रहने की कोशिश कर रहे हैं। लेंसकार्ट् के सह-सोंस्थापक अवमत चौधरी ने कहा, जब उघमी अपना व्यिसाय बना रहे होते हैं, तो लेखांकन और वित्त करने में समय लगाना आद्धखरी चीज होती है जो

चाहते हैं। Febi.ai उनें शारीरिक काम कम करने और अपने समय का बेहतर उपयोग करने में मदद करता है।

डोमेन विशेषज्ञता ेले लोगोों द्वारा वनवमित Febi.ai ने अपनी प्री-सीरीज ए फोंवडोंग को लुवमस पार्ननिसि,वीरेंद्र राणा (जेपी मॉगिन, पर्ी-प्रबोंध वनदेशक-भुगतान), अवमत चौधरी (सह-सोंस्थापक-लेंसकारि), पजा रूपारेल तथा (सह-सोंस्थापक-आईएएन), रोहन भार्गि (सह-सोंस्थापक-कैशकरो), रजत जैन (अध्यक्ष वफनो पेमेंस बैंक) और अन्य उल्लेखनीय वनिेशकोों से 2 वमवलयन अमेररकी डॉलर की फोंवडोंग हावसल की है।

2022 में स्थावपत, Febi.ai को चार्टर्ड अकाउटेंट और प्रौद्योवगकी विशेषज्ञोों की ीम के द्वारा बनाया गया है। अपनी एआई क्षमताओों के माध्यम से, यह मैन्युअल डेर्ा प्रविवि और लेखाोंकन करते समय मैन्युअल त्रुवयोों को समाप्त करता है, और चालान का सत्यापन करता है, दस्तािेजीकरण प्रबोंधन को स्वचावलत करता है, कर अनुपालन को स्वचावलत करता है और सोंस्थापकोों और उद्यवमयोों को उ?? आत्मविश्वास के साथ अच्ची तरह से सूवचत वनणिय लेने के वलए वास्तविक समय की व्यािसावयक अोंतर्दिवि प्रदान करता है।

Febi.ai का मतलब फाउोंडसि एोंर्रप्रेन्योर बुक्स इनोिेशन (FEBI) है। यह नाम कोंपनी के वित्त उद्योग में निाचार की मजबूत नीोंि और उसकी उद्यमशीलता की भािना को दशाता है। लेखाकन और कर अनुपालन प्लेफामों को स्वचावलत करने, ग्राहक अवधग्रहण में तेजी लाने और अपने कायिबल का विस्तार करने के वलए अपनी कृवत्रम बुद्धिमत्ता क्षमताओों को और आगे बढाने के वलए नई पूोंजी का उपयोग करने की योजना बना रहे हैं। Febi.ai की स्थापना सीए अवमत वजोंदल, सीए सौरभ जैन, आशु गोयल और सीए राहुल बोंसल ने की थी। अर्न्स्ट् एोंड योंग के पर्ी सीए अवमत वजोंदल और सीए सौरभ जैन ने 350+ सदसोों की एक प्रवसि वित्तीय सलाहकार परामशि फमि फेवलक्स एडिइजरी का सफलतापूर्वक वनमाणि और नेतृत्व वकया है।

दिल्ली में एक महिला गोली लगने से घायल, चार आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली। के सीलमपुर इलाके में एक महिला को उसके घर में रिश्तेदारों के बीच हुए विवाद के दौरान गोली मार दी गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बुधवार रात हुई इस घटना के सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मामला तब प्रकाश में आया जब जीटीबी अस्पताल से सीलमपुर पुलिस थाने को सूचना मिली कि गोली लगने से घायल एक महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारी के अनुसार, सादिया (21) का अपने पति जीशान और ससुराल वालों से विवाद हुआ था। अधिकारी ने कहा, बुधवार रात को सादिया ने अपने चारों भाइयों.. मुंताहिर, तफसीर, शहजाद और गुलरेज को वेलकम इलाके में अपने घर बुलाया था। उसके भाइयों का उसके ससुराल वालों से झगड़ा हुआ और इस दौरान मुंताहिर ने गोली चला दी, जोजीशान के छोटे भाई जावेद की पत्नी सादमा को जा लगी। पुलिस ने बताया कि सादमा के पेट में गोली लगी है और उसका जीटीबी अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुंताहिर, तफसीर, शहजाद और गुलरेज को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में जांच की जा रही है।

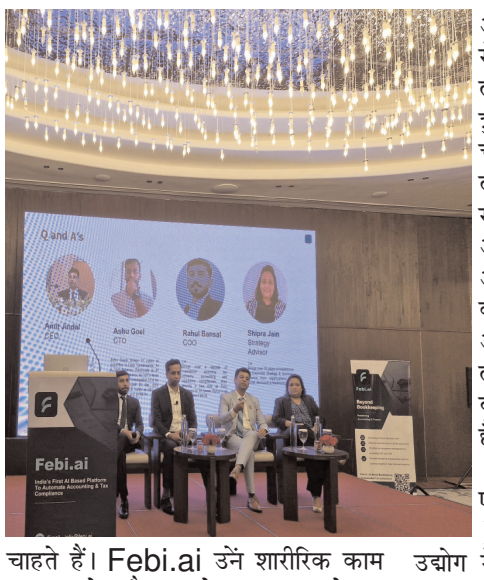

देशभर में जारी रहेगी संगत-पंगत की रथयात्रा : सिन्हा

नई दिल्ली, अक्तूबर : राष्ट्रीय संगत-पंगत के संस्थापक अध्यक्ष, पूर्व सांसद डॉ. आर के सिन्हा ने कहा कि संगत-पंगत की जनजागरण रथयात्रा देशभर में जारी रहेगी। इस यात्रा का उद्देश्य राजनीतिक न होकर समाज में एकता, समानता और धार्मिक सौहार्द देने का प्रयास मात्र है। डॉ सिन्हा यहां नार्थ एवेन्यू में देशभर से जुटे संगत-पंगत के प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम लोगों के बीच जाएंगे और जोड़ेंगे। पिछले 9 वर्षों में हमने गरीबों की शिक्षा, चिकित्सा और विवाह आदि पर 12 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किये हैं। रथयात्रा का आगाज 2 अक्टूबर को वाराणसी से हो चुका है। आगे भी यह जारी रहेगा। रथयात्रा संचालन समिति के प्रमुख पूर्व सांसद आलोक संजर ने कहा कि संगत-पंगत का उद्देश्य मैं भाव से इतर हम भाव से जुड़ाव है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला: असम के लाखों लोगों को राहत, नागरिकता कानून की धारा 6 ए की संवैधानिकता बरकरार

- जमीअत उलमा-ए-हिंद के लंबे संवैधानिक संघर्ष की बड़ी सफलता, जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी और जमीअत उलमा असम के अध्यक्ष ने फैसले का स्वागत किया और कहा कि पीड़ितों के लिए हमारा संघर्ष आखिरकार रंग लाया

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक ऐतिहासिक फैसले में नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 6 ए को संवैधानिक बताया है। चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली 5 न्यायाधीशों की बेंच ने 4-1 के बहुमत से यह निर्णय सुनाया। इससे असम के लाखों लोगों को राहत मिलेगी, जिनके ऊपर दशकों से नागरिकता की तलवार लटकी हुई थी। जमीअत उलमा-ए-हिंद की रिट याचिका संख्या 274/2009 पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह अधिनियम असम समझौते के अनुरूप है, जिसके अनुसार जो भी 25 मार्च 1971 से पहले असम में रह रहै थे, वह सभी लोग और उनके सभी परिजन और संतान भारतीय नागरिक माने जाएंगे। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति सुंदरेश और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा ने 6ए की संवैधानिकता के पक्ष में फैसला सुनाया। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने अपने फैसले में कहा कि असम समझौता अवैध शरणार्थियों की समस्या का एक राजनीतिक समाधान था और अनुच्छेद 6ए एक कानूनी समाधान है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस अधिनियम को अन्य क्षेत्रों में भी लागू कर सकती थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया क्योंकि यह विशेष रूप से असम के लिए था। अदालत ने माना कि धारा 6ए के तहत 25 मार्च, 1971 की समय सीमा उचित थी। आजादी के बाद, पूर्वी पाकिस्तान से असम की ओर पलायन भारत के अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक था। जमीअत उलमा-ए-हिंद और उसकी राज्य इकाई जमीअत उलमा असम, जमीअत उलमा-ए-हिंद मौलाना महमूद असद मदनी के नेतृत्व में गत पंद्रह वर्षों से सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा लड़ रही थी, कई बड़े-बड़े वकीलों ने असम के लाखों पीड़ितों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पैरवी की। इस केस के पहले वकील श्री शकील अहमद कोविड के समय इस दुनिया से चले गए, लेकिन जमीअत उलमा-ए-हिंद की इस यात्रा को आखिरकार सफलता मिली। इस फैसले के बाद पूरे असम में जश्न का माहौल है। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी, असम के अध्यक्ष मौलाना बदरुद्दीन अजमल, महासचिव हाफिज बशीर अहमद कासमी, सचिव मौलाना फजलुल करीम, मौलाना महबूब हसन और मौलाना अब्दुल कादिर समेत कई प्रमुख पदाधिकारियों ने फैसले का स्वागत किया है। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने कहा कि जमीअत उलमा-ए-हिंद पिछले 70 वर्षों से असम के गरीब और पीड़ित लोगों के लिए हर मोर्चे पर संघर्ष कर रही है, यह फैसला जमीअत उलमा-ए-हिंद लोगों के संघर्ष में एक मील का पत्थर साबित होगा और उन लोगों को राहत मिलेगी जो नागरिकता की उम्मीद खो चुके थे। मौलाना मदनी ने कहा कि असम एनआरसी को लेकर हम सुप्रीम कोर्ट में नौ केस लड़ रहे हैं। इससे पूर्व एक बड़ी सफलता तब मिली थी जब 48 लाख महिलाओं के लिए पंचायत लिंक सर्टिफिकेट को मान्यता दी गई थी। उस समय भी जमीअत उलमा-ए-हिंद सभी पीड़ित बहनों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में खड़ी थी, उसमें मुस्लिम और गैर-मुस्लिम सभी महिलाएं शामिल थीं। मौलाना मदनी ने यह संकल्प दोहराया कि जमीअत उलमा-ए-हिंद आगे भी असम के उत्पीड़ित लोगों के लिए संघर्ष जारी रखेगी। मौलाना अजमल ने कहा कि हम उन सभी संगठनों और व्यक्तियों को भी धन्यवाद देते हैं जो किसी भी प्रकार से इस लड़ाई में शामिल रहे हैं और असम के मुसलमानों की नागरिकता की रक्षा के प्रयास किए हैं।

टाटा पावर ने आरईसी पावर डेवलपमेंट से विशेष इकाई की हासिल

दिल्ली। टाटा पावर ने आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड से एक विशेष इकाई (एसपीवी) ईआरईएस-क पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड हासिल कर ली है। टाटा पावर ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, उसे ईआरईएस-क पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए आरईसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड से आशय पत्र (एलओआई) मिला है। इसका वार्षिक पारेषण शुल्क 289.729 करोड़ रुपये है। कंपनी सूचना के अनुसार, परियोजना एसपीवी ईआरईएस-क को निर्माण-स्वामित्व-संचालन-हस्तांतरण के आधार पर विकसित किया जाएगा। यह वाणिज्यिक संचालन की निर्धारित तारीख 31 दिसंबर 2027 से 35 वर्षों के लिए पारेषण सेवा प्रदान करेगा।

CMYK

स्वास्थ्य विभाग ने साईं जीवनदान नर्सिंग होम पर मारा छापा, बेसमेंट किया सील

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग का चाबुक एक बार फिर निजी अस्पतालों पर चला, जिसके कारण विभिन्न प्राइवेट एवं झोलाछाप चिकित्सकों में हड़कंप मच गया और अधिकांश झोलाछाप डॉक्टर अपने क्लीनिक बंद करके फरार हो गए जिसमें अस्पतालों की चेकिंग की गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई, एकमात्र मुख्यमंत्री पोर्टल पर मिली शिकायत के आधार पर नगर के स्वास्थ्य विभाग ने गैर मानक चल रहे अस्पतालों पर छापामार कार्रवाई की जहां स्वास्थ्य विभाग द्वारा नगर के सांई जीवन दान अस्पताल के बेसमेंट में सील लगा दी। वहीं प्रथम तल पर मेहरबानियां दिखाते हुए खुला छोड़ गया है। हालांकि इसके अलावा अन्य कई अस्पताल एवं क्लिनिकों पर छापेमारी की गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई है। लगता है स्वास्थ्य विभाग को वहां कोई कमी नजर नहीं आई,गुरुवार को नगर के रहरा रोड बायपास मार्ग स्थित हाते के नजदीक स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी शरद चौधरी एवं एसीएमओ विशाल त्रिवेदी, चिकित्सा अधीक्षक डॉ धुर्वेन्द्र सिंह टीम समेत पहुंच गए। जहां उन्होंने शिकायत का हवाला देते हुए सांई जीवन दान अस्पताल की वेस्टमेंट में रुमों पर सील लगा दी। लेकिन प्रथम तल को मेहरबानियां दिखाते हुए खुला छोड़ दिया। जहां

मामले में शरद चौधरी ने बताया कि अस्पताल की ओटी पहले से ही सील थी और डॉक्टर प्रिया के गैर हाजिर मिलने पर बेसमेंट के कमरों पर सील लगाई गई है। उधर टीम द्वारा रहरा रोड पर अन्य क्लीनिकों एवं अस्पतालों पर भी छापेमारी के दौरान कोई कार्रवाई नहीं की है। वहीं बताया जा रहा है कि नगर के पूठ रोड स्थित गजरौला अड्डा तथा अन्य स्थानों पर भी छापेमारी के दौरान कार्रवाई नहीं की है। वहीं नगर में चल रही करीब 50 से अधिक लैब तथा 50 से अधिक अस्पतालों एवं 100 से अधिक क्लिनिको पर स्वास्थ्य विभाग की मेहरबानियां साफ दिखाई दे रही हैं। जहां बगैर शिकायत के चिकित्सकों द्वारा मानक के विपरीत अस्पताल तथा क्लिनिको को चलाया जा रहा है। लेकिन उसके बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। सूत्रों की माने तो दिल्ली, कानपुर, मेरठ समेत दूरदराज के चिकित्सक अपने स्थान पर बैठे रहते हैं। लेकिन उनके दस्तावेजों के आधार पर क्षेत्र में अनट्रेंड चिकित्सकों द्वारा मानकों को ताख पर रखकर रजिस्ट्रेशन अप्लाई कर रजिस्ट्रेशन करा भी लिए जाते हैं। साथ ही अनट्रेंड चिकित्सकों द्वारा गैर मानक अस्पतालों तथा क्लिनिको को धड़ले से चलाया जा रहा है। लेकिन स्वास्थ्य विभाग की मेहरबानियां उन पर इस कदर बनी हुई है की टीम के पहुंचने से पहले ही चिकित्सकों को टीम आने की भनक लग जाती है। और वह अपने अस्पतालों तथा क्लिनिक को बंद कर फरार हो जाते हैं। इसके बाद टीम मौके पर पहुंचकर मामले में पल्ला झाड़ते हुए बगैर कार्रवाई के इतिश्री कर लेती है। अब देखना यह है कि इस मामले में क्या कार्रवाई अमल में लाई जाएगी या फिर जांच के नाम पर ऐसे ही इतिश्री कर ली जाएगी। वही नोडल अधिकारी शरद कुमार ने बताया कि पूर्व में की गई कार्रवाई के अंतर्गत लगभग 20 एफ आई आर पूरे जिले में की गई है, जिसमें से 8 से अधिक हसनपुर की है उन्होंने बताया की सभी के खिलाफ कागजी कार्यवाही पूरी हो गई है और जल्द ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल द्वारा वाल्मीकि जयंती पर वाल्मीकि समाज के लोगों को किया गया सम्मानित

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। गुरुवार को भगवान महर्षि वाल्मीकि जयंती के शुभ अवसर पर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने वाल्मीकि बस्ती में भगवान महर्षि वाल्मीकि जी के मंदिर में पूजा अर्चना की एवं वाल्मीकि समाज के लोगों को पटका पहनकर स्वागत किया, वहीं वाल्मीकि समाज के लोगों द्वारा भी विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष मोहित अग्रवाल आदि का फूलमाला पहनकर स्वागत किया गया, बताते चलें कि विश्व हिंदू परिषद हसनपुर द्वारा महर्षि वाल्मीकि जयंती के शुभ अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष मोहित अग्रवाल के नेतृत्व में वाल्मीकि मंदिर हसनपुर में महर्षि वाल्मीकि जी की पूजा अर्चना कर वाल्मीकि समाज के लोगों का पट्का पहनाया, इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष मोहित अग्रवाल ने कहा कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए सर्व हिंदू समाज का आपस में तालमेल जरूरी है, वह सनातन धर्म की रक्षा के लिए वाल्मीकि समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, इस मौके पर बजरंग दल के नगर संयोजक राहुल हिंदुस्तानी ने कहा कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए बजरंग दल हमेशा तत्पर रहता है तथा सर्व समाज के तालमेल से ही सनातन धर्म की रक्षा संभव है, स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से विश्व हिंदू परिषद हसनपुर के प्रखंड अध्यक्ष मोहित अग्रवाल, बजरंग दल नगर संयोजक राहुल हिंदुस्तानी,विहिप नगर मंत्री अमित शर्मा,उपाध्यक्ष अनुराग शर्मा, बजरंग दल सुरक्षा प्रमुख वरुण अग्रवाल,खंड अध्यक्ष विजय पारछा,खंड मंत्री पप्पू वाल्मीकि, रोहित अग्रवाल आदि मौजूद रहे लाल।

महर्षि वाल्मीकि शोभा यात्रा का विधायक व पालिका अध्यक्ष ने किया फीता काट कर शुभारंभ

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। गुरुवार को नगर में भगवान महर्षि वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष में भगवान वाल्मीकि जी की भव्य एवं विशाल शोभायात्रा नगर के बाल्मीकि बस्ती स्थित भगवान वाल्मीकि मंदिर से प्रारंभ हुई जिसका शुभारंभ भाजपा विधायक महेंद्र सिंह खड्गवंशी एवं नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने फीता काटकर एवं भगवान महर्षि वाल्मीकि जी की आरती उतार कर किया, शोभा यात्रा बाल्मीकि बस्ती से प्रारंभ होकर मोहल्ला मनापुर, अंबेडकर पार्क, नवयुवक मार्केट, इंदिरा चौक, जनकपुरी, रहरा रोड, शिव मंदिर से वापस होती हुई पुराना अस्पताल रोड से निकलकर बाल्मीकि बस्ती में वाल्मीकि मंदिर पर जाकर संपन्न हुई, शोभा यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर एवं जलपान कराकर स्वागत किया गया, शोभायात्रा में भगवान महर्षि वाल्मीकि जी का रथ आकर्षण का केंद्र रहा एवं विभिन्न झांकियां लोगों का मन मोह रही थी, उधर नगर पालिका द्वारा विशेष सफाई व्यवस्था कराई गई वह चूने का छिड़काव कराया गया, वहीं सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस क्षेत्राधिकारी दीप कुमार पंत एवं प्रभारी निरीक्षक रविंद्र प्रताप सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे, इस मौके पर मुख्य रूप से विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी, पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी, व्यापारी नेता अंकुर अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, विजय पारछा, अजय पाल, संजय सहदेव, चंकी सहदेव, आशीष टॉक, नवीन, सुंदर वाल्मीकि, सुभाष वाल्मीकि, प्रदीप कुमार, पप्पू मेंबर, विक्रम महंत, शिवसेना नेता अतुल अग्रवाल, विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष मोहित अग्रवाल, राहुल हिंदुस्तानी आदि सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

राज्यपाल की मौजूदगी में ऑनलाइन समीक्षा बैठक संपन्न हुई

लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आज राजभवन में 24 राज्य विश्वविद्यालयों में समर्थ ई0आर0पी0 के क्रियान्वयन की प्रगति एवं प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पी0एम0 ऊषा) योजना के अंतर्गत एवं जी0एस0यू0 परियोजना के तहत 14 विश्वविद्यालयों को स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष विश्वविद्यालयों द्वारा प्रस्तावित कार्यों की ऑनलाइन समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान राज्यपाल जी ने सभी राज्य विश्वविद्यालयों को निर्देशित किया कि समर्थ ई0आर0पी0 का 100 प्रतिशत क्रियान्वयन जल्द से जल्द सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय समर्थ ई0आर0पी0 के माध्यम से अधिक से अधिक विद्यार्थियों को लाभ पहुंचाने का प्रयास करें। उन्होंने राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतिगणों को नियमित रूप से समर्थ स्टीयरिंग समिति की बैठकों में शामिल होने तथा राज्य विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समर्थ ई0आर0पी0 के क्रियान्वयन में व्यक्तिगत रूचि लेने का निर्देश देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय समर्थ ई0आर0पी0 के सभी 41 मॉड्यूल्स पर प्रभावी ढंग से कार्य करें तभी उसका समयबद्ध क्रियान्वयन सम्भव हो सकेगा। उन्होंने विश्वविद्यालयों को प्राइवेट ई0आर0पी0 का उपयोग ना करने तथा निर्धारित प्रारूप में विद्यार्थियों का लीगेसी डाटा उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। पीएम उषा योजना के अंतर्गत 14 विश्वविद्यालयों को स्वीकृत धनराशि के संदर्भ में राज्यपाल जी ने सुझाव दिया कि सभी विश्वविद्यालय एक कार्यदायी संस्था और समिति बनाकर इस योजना की मॉनिटरिंग करें। उन्होंने इस योजना के तहत प्राप्त धनराशि से हो रहे निर्माण कार्यों में निर्माण सामग्री की गुणवत्ता बनाए रखने का भी विशेष निर्देश दिया। राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालयों को निर्देश दिया कि वे केवल सेमिनार तक सीमित न रहें, बल्कि ऐसे कार्य करें, जिससे विद्यार्थियों को नए ज्ञान की प्राप्ति हो। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा आयोजित इंटरनेशनल सेमिनार्स का विजन विद्यार्थियों के सामने रखा जाना चाहिए, ताकि वे आधुनिक तकनीक से परिचित हो सकें। इसके लिए वर्कशॉप आयोजित कर विद्यार्थियों को व्यावहारिक शिक्षा दी जानी चाहिए, जिससे वे नौकरी ढूंढने के बजाय रोजगार देने वाले बन सकें। साथ ही विश्वविद्यालय केंद्र सरकार द्वारा प्राप्त बजट का प्रयोग विद्यार्थियों के हित में करें, जिसका अधिक से अधिक लाभ विद्यार्थियों को प्राप्त हो सके। उन्होंने सभी विश्वविद्यालयों को निर्देश दिया कि समर्थ ई0आर0पी0 पर ही विश्वविद्यालय के सभी कार्य करें और पीएम उषा योजना के तहत प्राप्त धनराशि का उपयोग विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए करें। उन्होंने कहा कि यह बैठक शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे प्रदेश के विश्वविद्यालयों को मजबूती मिलेगी और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त होगा। उल्लेखनीय है कि समर्थ ई0आर0पी0 के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। राज्यपाल जी ने इसको गर्व का विषय बताते इस उपलब्धि के लिए सभी अधिकारियों एवं विश्वविद्यालयों की सराहना की तथा कहा कि भविष्य में भी इसी तरह समर्पण और अनुशासन के साथ कार्य करते रहें। इस अवसर पर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय बैठक से वर्चुअली जुड़े तथा राजभवन से अपर मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ0 सुधीर महादेव बोबडे, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एम0पी0 अग्रवाल, विशेष सचिव उच्च शिक्षा शीबू गिरी, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा डॉ0 पंकज एल0 जानी, समर्थ ई0आर0पी0 के अधिकारी एवं राजभवन के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।

नगर निगम द्वारा सरकारी भूमि हुई कब्जा मुक्त

लखनऊ। शासन के आदेशों के क्रम में नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह के निदेशानुसार नगर में अवैध कब्जेदारों पर कार्यवाही एवं सरकारी भूमियों/संपत्तियों को कब्जा मुक्त करवाये जाने के क्रम में आज अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के निर्देशन में नगर निगम लखनऊ में निहित सरकारी भूमियों को अतिक्रमण मुक्त करवाने के अभियान के तहत ग्राम-चन्दियामऊ की गाटा संख्या में:- 153 खलिहान खाने की भूमि है, जिस पर गांव के ही सुरेन्द्र का अवैध कब्जा था। उक्त अस्थाई कब्जे को जेसीबी मशीन के सहयोग से ईटीएफ टीम की उपस्थिति में जनविरोध के बीच शांतिपूर्ण ढंग से हटवा दिया गया है। उपरोक्त अतिक्रमण स्थानीय निवासी सुरेन्द्र व अन्य द्वारा किया गया था। कब्जा मुक्त करायी गयी भूमि का क्षेत्रफल - 1800 वर्ग फिट है, जिसका बाजारी मूल्य 36 लाख रु. आंकलित किया गया। कब्जा हटाने के दौरान अतिक्रमणकर्ता सुरेन्द्र का सरकारी जमीन पर किये गए कुछ अन्य कब्जों की शिकायत भी प्राप्त हुई। अतिक्रमणकर्ता सुरेन्द्र के विरुद्ध थाना- बीबीडी में अवैध कब्जे के विरुद्ध तहरीर भी दे दी गयी है।

उत्तर भारत की पहली फॉरेस्ट्री यूनिवर्सिटी खोलने की कवायद तेज

गोरखपुर, 17 अक्टूबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप गोरखपुर वन प्रभाग के हिस्से एक और बड़ी उपलब्धि दर्ज होने वाली है। दुनिया का पहला राजगिद्ध (जटायु) संरक्षण केंद्र खोलने वाले इस वन प्रभाग के अंतर्गत ही उत्तर भारत का पहला और पूरे देश का दूसरा वानिकी विश्वविद्यालय (फॉरेस्ट्री यूनिवर्सिटी) खुलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करीब एक माह पूर्व ही इसकी घोषणा कर चुके हैं। विश्वविद्यालय स्थापना के लिए कवायद तेज करते हुए गोरखपुर वन प्रभाग ने जटायु संरक्षण केंद्र के समीप ही 50 हेक्टेयर भूमि भी चिह्नित कर ली है। विलुप्त हो रहे राजगिद्धों (रेड हेडेड वल्चर) के संरक्षण और संवर्धन के लिए दुनिया का पहला जटायु संरक्षण व संवर्धन केंद्र गोरखपुर वन प्रभाग के कैम्पियरगंज (भारीवैसी) में बनाया गया है। 6 सितंबर को इसके लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर वन प्रभाग में फॉरेस्ट्री कॉलेज (वानिकी महाविद्यालय) बनाने की घोषणा की थी। बाद में इसे लेकर अधिकारियों के साथ बैठक में उन्होंने फॉरेस्ट्री कॉलेज की बजाय फॉरेस्ट्री यूनिवर्सिटी सिटी बनाने की मंशा जाहिर की। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप अधिकारी तैयारियों में जुट गए हैं। फॉरेस्ट्री यूनिवर्सिटी में चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमों को डिजाइन करने के साथ ही यूनिवर्सिटी बनाने के लिए जमीन की तलाश शुरू कर दी गई। कुछ जमीनों को देखने के बाद गोरखपुर वन प्रभाग ने जटायु संरक्षण केंद्र के समीप 50 हेक्टेयर भूमि को फॉरेस्ट्री यूनिवर्सिटी बनाने के लिए प्रथम दृष्टया उपयुक्त पाया है। चूंकि भौगोलिक रूप से यह जमीन महराजगंज जिले में है इसलिए इसे फॉरेस्ट्री यूनिवर्सिटी के नाम आवंटन हेतु गोरखपुर वन प्रभाग ने शासन से पत्राचार किया है।

>> सामाजिक और कृषि वानिकी की भी होगी पढ़ाई

गोरखपुर के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) विकास यादव का कहना है कि फॉरेस्ट्री यूनिवर्सिटी की स्थापना के लिए जरूरी प्रक्रियाओं को पूरा करने के साथ ही यहां चलने वाले पाठ्यक्रमों का ड्राफ्ट भी तैयार कराया जा रहा है। इसके लिए टेक्निकल एक्सपर्ट की कमेटी बनाई गई है। डीएफओ बताते हैं कि फॉरेस्ट्री यूनिवर्सिटी में वानिकी के अलावा कृषि वानिकी और सामाजिक वानिकी के भी डिग्री और डिप्लोमा कोर्स संचालित कराने की योजना है ताकि बड़ी संख्या में युवाओं के सामने नौकरी और रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध हो सकें।

गोरखपुर वन प्रभाग में स्थापित होने वाला वानिकी विश्वविद्यालय न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि समूचे उत्तर भारत का अपने तरह का पहला विश्वविद्यालय होगा। यही नहीं, यह देश का दूसरा और पूरी दुनिया का चौथा वानिकी विश्वविद्यालय होगा। देश की पहली और दुनिया की तीसरी फॉरेस्ट्री यूनिवर्सिटी तेलंगाना में है जहां वानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान को अपग्रेड कर विश्वविद्यालय बनाया गया है। देहरादून में 1906 में स्थापित फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट डीम्ड यूनिवर्सिटी के रूप में है।

हरियाणा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए सीएम योगी

लखनऊ, 17 अक्टूबर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को पंचकूला में हुए हरियाणा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी समेत मंत्रिमंडल में शामिल सभी सदस्यों को भी बधाई दी।

>> प्रधानमंत्री, गृह मंत्री व रक्षा मंत्री का किया अभिवादन

शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिलकर अभिवादन किया। योगी आदित्यनाथ ने अन्य प्रदेशों के मुख्यमंत्री समेत गणमान्य लोगों से भी मुलाकात की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आमजन का भी हाथ हिलाकर अभिवादन किया।

>> साकार होगी 'विकसित हरियाणा, विकसित भारत' की संकल्पना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट कर शुभकामनाएं दीं। सीएम योगी ने लिखा - नायब सिंह सैनी जी को हरियाणा राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं!

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा कि पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन तथा आपके (नायब सिंह सैनी) यशस्वी नेतृत्व में 'विकसित हरियाणा-विकसित भारत' की संकल्पना साकार होगी।

>> योगी ने आरती, केके बेदी, श्याम सिंह राणा को भी दी बधाई

नायब सिंह सैनी मंत्रिमंडल में अटेली से जीत दर्ज करने वालीं आरती सिंह राव, नरवाना से कृष्ण कुमार बेदी, रादौर से श्याम सिंह राणा भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 22 सितंबर को कृष्ण कुमार बेदी तथा 28 सितंबर को आरती सिंह राव व श्याम सिंह राणा के लिए चुनाव प्रचार किया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को शुभकामनाएं दीं।

एयर रूट से महाकुंभ आने वाले पर्यटकों को कुंभ नगरी में दिखेगी आधुनिकता के साथ पौराणिकता की झलक

प्रयागराज, 17 अक्टूबर। प्रयागराज में आयोजित होने जा रहे महाकुंभ को भव्य और दिव्य स्वरूप प्रदान करने के लिए प्रदेश की योगी सरकार संकल्पित है। महाकुंभ को दिव्य स्वरूप देने के लिए कुंभ नगरी के कोने-कोने में धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतीकों की स्थापना की जा रही है। शहर की सड़क, चौराहे और शहर की प्रमुख दीवारें सज संवर रही हैं । प्रयागराज का सिविल एयरपोर्ट भी इससे अछूता नहीं है। यहां दीप्तिमान 84 स्तंभों की स्थापना इसी का हिस्सा है।

>> 21 करोड़ के बजट से हो रहा है 84 आलोकित स्तंभों का निर्माण

सृष्टि जीवन का क्रमिक विकास है । पौराणिक मान्यता के अनुसार यह 84 लाख योनियों से होकर गुजरता । प्रयागराज के सिविल एयरपोर्ट में सृष्टि के इसी विकास क्रम को 84 आलोकित स्तंभों के माध्यम से दशार्या जा रहा है। जल निगम की कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन डिवीजन इसकी कार्यदाई संस्था है। सीएनडीएस के प्रोजेक्ट मैनेजर रोहित कुमार राना का कहना है कि एयरपोर्ट के बाहर सड़क के दोनो तरफ इन स्तंभों की स्थापना की जा रही है। 21 करोड़ 30 लाख के बजट से ये विशेष आलोकित स्तंभ तैयार हो रहे हैं। इसके लिए 10 करोड़ की पहली किश्त जारी की जा चुकी है। नवंबर तक इसका निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। देश विदेश से आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं को ये स्तंभ आकर्षित करेंगे।

>> स्तंभों में होगी आधुनिकता और पौराणिकता की झलक

एयरपोर्ट टर्मिनल के सामने से जाने वाली सड़क में ये 84 स्तंभ स्थापित किए जाएंगे। हर स्तंभ की लंबाई 6 मीटर होगी और यह खास स्टोन से बनाया जा रहा है । प्रोजेक्ट मैनेजर के मुताबिक लगभग 525 मीटर की लंबाई में सीधी रेखा में स्थापित होने वाले इन 84 स्तंभों में जीव 84 लाख योनियों का संकेत होगा, जिससे सृष्टि का सार होगा । एक स्तंभ से दूसरे स्तंभ की दूरी 12 मीटर रखी गई है। हर स्तंभ में भगवान शिव के सहस्त्र नाम भी लिखे जाएंगे। रात के समय इन स्तंभों में स्पेशल लाइटिंग का इंतजाम किया है ताकि अंधेरे में भी ये उतनी ही चमक के साथ आलोकित होते रहें । स्तंभ के पास फूलदार सजावटी पौधे भी रोपित किए जाएंगे। नजदीक बैठने के लिए विशिष्ट बेंच का भी निर्माण किया जायेगा।

रामशरन सुशीला आनंद विद्यालय में महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई

लोकतंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा।

हसनपुर गुरुवार को नगर के प्रगतिशील विद्यालय रामशरण सुशील आनंद हाई स्कूल में भगवान महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर विद्यालय के स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं द्वारा भगवान महर्षि के चित्र के सम्मुख पुष्प अर्पित किए गए इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक सुशील चंद्र सक्सेना ने बोलते हुए कहा कि महर्षि बाल्मिकी संस्कृत के आदि आचार्य थे उनके द्वारा ही रामायण की रचना की गई थी वही विद्यालय के अध्यक्ष एडवोकेट पंडित रविशंकर शर्मा ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी हिंदू धर्म ग्रंथ रामायण के रचयिता थे एक घटना ने उनके जीवन को ऐसा बदल दिया कि उन्होंने प्रभु श्री राम के जीवन पर आधारित रामायण ही रच डाली, इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य निशांत त्यागी, सोमवती कश्यप, सोहनलाल, राजीव शर्मा, राहुल शर्मा, अंशु त्यागी, अनुराधा चौधरी, भावना, सीमा वर्मा, चरण सिंह आदि शाहिद विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

दीपोत्सव पर ऑनलाइन करें दीपदान, घर पहुंचेगा प्रसाद

अयोध्या, 17 अक्टूबर। विकास प्राधिकरण द्वारा दीपोत्सव-2024 के अवसर पर एक दीया प्रभु श्री राम के नाम कार्यक्रम का शुभारंभ किया जा रहा है। कई वर्षों से छोटी दीपावली के अवसर पर अयोध्या में सरयू के तट पर दीपोत्सव का भव्य आयोजन किया जाता है जिसमें समय-समय पर विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व अन्य गणमान्य प्रतिभाग करते हैं। इस वर्ष भी 30 अक्टूबर को दीपोत्सव का अयोजन किया जा रहा है। देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु इस महोत्सव में सम्मलित होने की अभिलाषा रखते हैं। बहुत से श्रद्धालु हैं जो इस महापर्व पर नहीं आ सकते, लेकिन ऑनलाइन माध्यम से दीये का दान कर के दीपों के इस महापर्व में अपना सहयोग प्रदान करना चाहते हैं।

श्रद्धालुओं के ऐसे भक्ति-भाव को ध्यान में रखते हए इस वर्ष भी दीपोत्सव महापर्व के अवसर पर एक दीया राम के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। वहीं, गुरुवार को डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय प्रशासन ने कुलपति के निर्देशन में दीपोत्सव के भव्य आयोजन को लेकर 22 समितियां गठित की। साथ ही, राम की पैड़ी समेत घाटों पर मार्किंग के कार्य को भी तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन करेगा प्रसाद का निर्माण

अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्वनी कुमार पांडेय ने बताया कि इस कार्यक्रम के द्वारा देश-विदेश में बैठे श्रद्धालु ऑनलाइन माध्यम से अपने स्वेच्छानुसार राशि दान स्वरुप दे सकेंगे।

लखनऊ नगर निगम द्वारा समाधान दिवस का आयोजन

लखनऊ। सीमान्तर्गत जी.आई.एस. सर्वे द्वारा भवनो के कर निर्धारण के विरुद्ध प्रस्तुत आपत्तियों का नियमानुसार एवं समयबद्ध निराकरण किये जाने के क्रम में समाधान दिवस के तहत,पूर्व की भाँति जी.आई.एस. समाधान दिवस नगर निगम मुख्यालय स्थित त्रिलोकनाथ सभागार, लालबाग में शुक्रवार दिनांक 18.10.2024 को प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 01:00 बजे तक आयोजित किया जायेगा। जी.आई.एस. समाधान दिवस में वरिष्ठ अधिकारीगण एवं सम्बन्धित जोनल अधिकारी तथा जी.आई.एस. सर्वे कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। लखनऊ नगर के भवन स्वामियों को सूचित किया जाता है कि जी.आई.एस. में पुनरीक्षित गृहकर निर्धारण के विरुद्ध यदि कोई आपत्ति हो, तो उक्त दिवस में समय से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित आपत्ति दर्ज कराते हुए निराकरण कराया जा सकता है।

महराजगंज घटना के दो मुख्य आरोपियों से पुलिस की मुठभेड़, पैर में लगी गोली

बहराइच/लखनऊ, 17 अक्टूबर: बहराइच के महराजगंज में एक युवक की हत्या के मामले में पुलिस की दो नामजद आरोपियों से मुठभेड़ हो गयी। इसमें दोनों आरोपी घायल हो गये। उनके पैरों में गोली लगी है जबकि पुलिस ने तीन अन्य आरोपियों को अरेस्ट किया है। पुलिस अब तक युवक की हत्या के मामले में चार नामजद आरोपियों को अरेस्ट कर चुकी है। इसमें एक की पहले अरेस्टिंग हो चुकी है। वहीं पुलिस ने बुधवार देर रात हत्या के मामले में तीन नामजद और दो अन्य आरोपियों कुल पांच आरोपियों को अरेस्ट किया है। वहीं महराजगंज मामले में अब तक 57 आरोपियों को अरेस्ट किया जा चुका है जबकि वर्तमान में 10 हिरासत में हैं। इन सभी से पूछताछ की जा रही है। बता दें कि मामले में अब तक अलग-अलग 13 एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। साथ ही लापरवाह सीओ को बुधवार को सस्पेंड कर दिया गया।

>> पुलिस असलहा बरामद कराने गयी तो कर दी फायरिंग, जवाबी फायरिंग में घायल

एडीजी लॉ एंड आर्डर अभिताभ यश ने बताया कि बहराइच पुलिस रामगोपाल मिश्र के हत्यारों की तलाश में लगातार दबिश दे रही थी। इस दौरान बुधवार देर रात बहराइच पुलिस को अलग-अलग स्थानों पर आरोपियों के छिपे होने की सूचना मिली। इस पर पुलिस ने दबिश दी। इस दौरान रामगोपाल की हत्या में नामजद आरोपी मोहम्मद सरफराज उर्फ रिंकू और मोहम्मद फहीम को दबोचा गया। इनकी निशानदेही पर नामजद अब्दुल हमीद को दबोचा गया। वहीं सर्च ऑपरेशन के दौरान दो अन्य मोहम्मद अफजल और मोहम्मद तालिब उर्फ बब्लू को अरेस्ट किया गया। एसपी बहराइच वृंदा शुक्ला ने बताया कि हत्याकांड में शामिल सरफराज और तालिब को हत्या में प्रयुक्त असलहे की बरामदगी के लिए नानपारा में ले गये। यहां पर दोनों आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। इस पर पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलायी, जिससे दोनों आरोपी घायल हो गये। दोनों आरोपियों के पैरों में गोली लगी। इसके बाद उन्हे अस्पताल भेजा गया। जहां डॉक्टर की टीम द्वारा उपचार किया जा रहा है।

>> आरोपियों संग अफवाह फैलाने और आरोपियों को शरण देने वाले सभी के खिलाफ होगी रासुका की कार्रवाई

एसपी वृंदा शुक्ला ने बताया कि बहराइच के महराजगंज मामले में अभी और लोगों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीम दबिश दे रही है। इस मामले में, हिंसक घटना में शामिल लोगों के साथ अफवाह फैलाने वाले, साजिश रचने वाले और आरोपियों को शरण देने वाले सभी के लिए खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। ऐसे में पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है। सभी के खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई की जाएगी।

अंबाला

झाड़ूमाजरा में वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में निकाली गई शोभायात्रा

साहा, अक्टूबर : खण्ड साहा क्षेत्र के गांव झाड़ूमाजर में श्री वाल्मीकि महाराज की जयंती के उपलक्ष में भव्य शोभायात्रा निकाली गई । जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।आपको बता दे वाल्मीकि जयंती हर साल आश्विन मास की पूर्णिमा तिथि को मनाई जाती है। इस साल वाल्मीकि जयंती 17 अक्टूबर के दिन मनाई जाएगी। ऋषि वाल्मीकि ने रामायण महाकाव्य की रचना की थी।वाल्मीकि जयंती के शुभ अवसर पर जगह- जगह झांकी व शोभायात्रा निकाली गई। ऋषि वाल्मीकि जी ने रामायण महाकाव्य की रचना की थी।वाल्मीकि जयंती के शुभ अवसर पर जगह- जगह झांकी निकाली जाती है। और झाड़ूमाजरा में भी भव्य शोभायात्रा निकाली गई। ऋषि वाल्मीकि जी ने ब्रह्मा जी को प्रसन्न करने के लिए और अपने पापों की क्षमा याचना करने के लिए कठोर तप किया। वाल्मीकि अपने तक में इतने लीन थे। उन्हें इस बात का भी बोध नहीं हुआ कि उनके शरीर पर दीमक की मोटी परत जम चुकी है। जिसे देखकर ब्रह्मा जी ने रत्नाकर का नाम वाल्मीकि रख दिया। इस मौके पर भगवान वाल्मीकि शिक्षा प्रचार समिति हरियाणा के कोषाध्यक्ष सलिंद्र झाड़ूमजरा, बलिंदर सिंह, राम सिंह, रवि कुमार, मांगा राम सहित अन्य श्रदालु मौजूद रहे।

सियारा टेक्वीशन ने देव समाज कॉलेज फॉर गर्ल्स में जागरूकता कार्यक्रम

कार्यशाला के दौरान छात्रों को जागरूक करते सदस्य।

अंबाला शहर, अक्टूबर : देव समाज कॉलेज फॉर गर्ल्स अंबाला शहर में आज सियारा टेक्वीशन संस्था के मैनेजिंग डायरैक्टर दीपेंद्र ने व जसप्रीत ने डिजिटल मार्केटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं साइबर क्राइम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का संयोजन कंप्यूटर विभाग की प्रभारी प्रो. कीर्ति गुप्ता और करियर एन्ड गाइडेंस विभाग की प्रभारी प्रो नीतिका बजाज की देखरेख में हुआ । जिसमें उन्होंने छात्राओं को डिजिटल मार्केटिंग ,कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बारे में अवगत कराया ' इसके साथ उन्होंने छात्राओं को आजकल की बढ़ती हुई समस्या साइबर क्राइम में इससे हो रही ठगी से कैसे बचा जा सकता है के उपाय बताएं । इसके साथ उन्होंने छात्राओं को यह भी बताया कि वह अपना करियर कृत्रिम बुद्धिमत्ता में कैसे सुनिश्चित कर सकती हैं इसके लिए उन्होंने छात्राओं को कुछ स्किल एनहांसमेंट कोर्सेज के बारे में भी बताया। कंप्यूटर विभाग की प्रो. कीर्ति गुप्ता ने भी छात्राओं को आजकल के बढ़ते हुए डिजिटल क्राइम से बचने के कुछ नियम बताए जैसे हमें किसी के साथ भी ओटीपी को नहीं शेयर करना चाहिए। उन्होंने छात्राओं को यह भी कहा कि यदि कोई ठगी का शिकार हो जाए तो 1930 पर कॉल कर शिकायत दें या वेबसाइट पर संपर्क करें।

कृष्णा फाउंडेशन ट्रस्ट का भव्य आगाज हुआ

करनाल सुखविंदर सोही

करनाल। कृष्ण गुप्ता जी करनाल में एक महान समाजसेविका की भूमिका में कई सालों से समाज के हर विषय को लेकर निरंतर कार्यरत रहती हैं।और इतना ही नहीं बहुत सारी संस्थाओं के साथ मिलकर इन्होंने कई वर्षों से समाज की कुर्तियां को दूर करने के लिए अपना अहम योगदान दिया है। कृष्णा फाउंडेशन ट्रस्ट समाज के विभिन्न उद्देश्यों के साथ जैसे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, ,गरीब कन्याओं की शादी करवाने, पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए पेड़ पौधे लगाने गरीब बच्चों की पढ़ाई से संबंधित सहायता करने व समाज के विभिन्न विषयों को लेकर इस फाउंडेशन ने अपने उद्देश्य निर्धारित किए हैं और इन्हीं उद्देश्यों कोलेकर कृष्ण जी पिछले कई वर्षों से कार्य कर रही हैं। कृष्णा फाउंडेशन ट्रस्ट की ओपनिंग सेरेमनी पर कल करनाल के विभिन्न समाजसेवियों ने इस शुभ काम को करने में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई और विशिष्ट अतिथि के रूप में अरक नमना अहलावत ने क्राइम ब्रांच ,जो कि हमेशा पुलिस के साथ-साथ एक समाज सेविका की भूमिका में रहती हैं उन्होंने भी आकर अपना आशीर्वाद दिया। इस पावन समय पर समाजसेवी का अनीता शर्मा जी, चाहत स्टूडियो से विनोद वर्मा जी हरप्रीत जी अनेक समाजसेवियों अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और सभी ने कृष्णा फाउंडेशन ट्रस्ट को हमेशा साथ लेकर चलने और अपना सहयोग करने का विश्वास दिलाया।

आनलाइन टास्क या इन्वेस्टमेंट फ्राड से बचाव के लिए पुलिस की साइबर एडवाइजरी

पार्ट टाइम जाब में पैसे कमाने के नाम पर यदि आपसे कोई इन्वेस्टमेंट करने की बात कहे तो हो जाएं सावधान, पुलिस अधीक्षक करनाल

करनाल, राजेश जिंदल

करनाल। पुलिस अधीक्षक करनाल श्री मोहित हाण्डा की तरफ से टास्क या इन्वेस्टमैंट के नाम पर हाने वाली साइबर ठगी के बारे में नागरिकों को जागरूक करने के लिए साइबर एडवाइजरी जारी की गई है। जिसमें इस प्रकार की साइबर ठगी से बचने के उपायों के बारे में जानकारी प्रदान की जा रही है। एस.पी. साहब ने साइबर फ्राड की प्रक्रिया के बारे में बताया कि साइबर अपराधी किस प्रकार आपको साइबर ठगी का शिकार बनाते हैं। सबसे पहले आपके नंबर पर विदेशी या स्वदेशी नंबर से मैसेज आता है जोकि आपको पार्ट टाइम जाब देने के नाम पर होता है, उसमें आपको कुछ बड़े-बड़े यूटयूब चैनल दिये जाते हैं जिन्हें आपको सब्सक्राइब करके उसका स्क्रीन शाट उन्हें भेजना होता है। जिसके बदले में वो आपको एक सब्सक्राइब करने का 50 रुपए देते हैं, शुरूआत में आपको लगभग 03 सब्सक्राइब का टास्क दिया जाता है और जब आप उन्हें टास्क पूरा करके व्हाटसएप पर स्क्रीनशाट भेज देते हैं तो ये आपको बोलते हैं कि यदि आपको पेमेंट लेना है तो वो आपको एक टैलीग्राम की आई.डी. देते है और बोलते हैं कि इस आई.डी. पर मैसेज करो जैसे ही आप टैलीग्राम पर मैसेज करते हो तो वो आपकी बैंक डिटेल मांगते हैं व उसके बाद आपके खाते में कुछ रुपए आ जाते हैं। इसके बाद ये आपको टैलीग्राम पर एक ग्रुप का लिंक भेजते हैं कि आप इस ग्रप एड हो जाओ हम आपको इस ग्रुप में हर आधे घंटे में इसी प्रकार का लिंक देगें आपको इसे सब्सक्राइब करके उसका स्क्रीनशाट वापिस उसी ग्रुप में भेजना है। उसके बाद आपको कुछ पैसे प्राप्त होगें, फिर आपके पास उसी ग्रुप के एडमिन द्वारा मैसेज आता है कि।

हरियाणा उदय सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम के अंतर्गत महिला शिक्षकों व छात्राओं को किया जागरूक

कार्यक्रम में महिला आत्मरक्षा, महिला विरुद्ध अपराधों की रोकथाम

कार्यक्रम में उपस्थित छात्राएं।

साइबर अपराध से बचाव व यातायात के नियमों के बारे में भी किया गया जागरूक

छात्राओं को जानकारी देते महिला पुलिस थाना अधिकारी।

अंबाला शहर, अक्तूबर : अंबाला शहर के प्रेम नगर स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में अंबाला जिला पुलिस के तत्वावधान में हरियाणा उदय सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम के अंतर्गत पुलिस की पाठशाला आयोजित की गई। जिसमें स्कूली बच्चों को कई अहम जानकारियां उपलब्ध करवाई गई। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं व शिक्षकों को महिला सुरक्षा, महिला विरुद्ध अपराधों की रोकथाम, आत्म सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव व यातायात के नियमों की पालना बारे जागरूक किया गया। इस मौके पर महिला पुलिस थाना अंबाला शहर की टीम ने विशेष तौर पर महिला सुरक्षा, साइबर अपराध व डायल 112 एप्प के बारे विस्तार पूर्वक जानकारी दी, वहीं छात्राओं व शिक्षकों को डायल 112 एप्प डाउनलोड करवाकर रजिस्ट्रेशन करवाया। इस कार्यक्रम में महिला विरूद्ध अपराधों की रोकथाम, आत्म सुरक्षा, साइबर अपराध से बचने, अपने व दूसरों के अमूल्य जीवन की सुरक्षा के लिए यातायात के नियमों की पालना करने बारे में भी जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में स्कूल के कई महिला शिक्षकों व भारी संख्या में छात्राओं ने भाग लिया।

धोखाधड़ी के मामले में आरोपी को लिया प्रोडक्शन वारंट पर

अंबाला शहर, अक्तूबर : दिनों दिन बढ़ रहे साइबर क्राइम के मामलो को लेकर अंबाला जिला पुलिस निरंतर साइबर क्राइम के मामलों पर काबू पाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। बता दें कि अंबाला एसपी के निदेर्शानुसार अपराधों की रोकथाम व आपराधिक मामलों में वांछित आरोपियों के खिलाफ चलाए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इसी कड़ी में अंबाला साइबर क्राइम थाना में दर्ज धोखाधड़ी के एक मामले में साइबर क्राइम टीम ने कार्रवाई करते हुए गत दिवस आरोपी कपिल निवासी जाहड़ चौक अग्रोहा हिसार को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर कोर्ट के समक्ष पेश किया, जहां आरोपी को कोर्ट के आदेशों पर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। इस मामले से जुड़ी जानकारी देते हुए साइबर क्राइम थाना प्रभारी ने बताया कि बीते 18 अप्रैल को इस मामले से संबंधित एक पीड़ित महिला ने थाना साइबर क्राइम में शिकायत दर्ज करवाई थी जिसमें बताया गया था कि 26 फरवरी से 12 अप्रैल 2024 के दौरान वैल्थ एक्सचेंज ग्रुप नामक शेयर मार्केट कंपनी ने उससे एक बड़ी रकम की धोखाधड़ी करने का आपराधिक कार्य किया है। इसी शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई प्रारंभ की थी, जिसमें आरोपी कपिल को प्रोडक्शन वारंट पर लिया गया था।

घर दी रौणक

पार्थ | काया भोला | जशनप्रीत कौर

त्यौहार ही हमारी संस्कृति की झलक को दिखाते हैं: डॉ. अनुपमा

मेहंदी प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थी साथ प्राचार्या डॉ. अनुपमा आर्य।

अम्बाला छावनी, अक्टूबर : आर्य गर्ल्ज कॉलेज के प्रांगण में वूमैन सैल एवं होमसाइंस विभाग द्वारा करवा चौथ एवं दीवाली के त्यौहारों की शुरूआत रंगोली, मेहंदी एवं खट्टे मीठे नमकीन व्यंजनों द्वारा की गई। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को भारतीय तीज त्योहारों की परम्परा सीखाना एवं आत्मनिर्भर बनाना है। त्योहारों ही जीवन में रंग, खुशी और उल्लास भरते हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. अनुपमा आर्य ने कहा कि भारतवर्ष एक ऐसा देश है जिसमें पूरा वर्ष विज्ञान एवं संस्कृति को जोड़कर जीवन विधि को कैसे जिया जाए सिखाया जाता है। छात्राओं द्वारा रंगोली से प्रांगण सजाया गया तथा आगे करवा चौथ के उपलक्ष्य मे मेहंदी लगाई गई एवं विभिन्न प्रकार के व्यंजनों की स्टाल लगाई गई जिसका आनंद सभी प्राध्यापिकाओं, छात्राओं एवं अन्य कर्मियों ने उठाया। रंगोली प्रतियोगिता में साक्षी प्रथम रही, मेहंदी प्रतियोगिता में वंशिका और मुस्कान प्रथम रही। फुड कुकिंग में प्रियंका प्रथम रही। इस अवसर पर लगभग 30 छात्राओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन विभिन्न सैल इंचार्ज डॉ. अनीता गोदारा, डॉ. सरिता चौधरी एवं होम साइंस विभागाध्यक्ष सुश्री योगिता एवं जासिका, पारूल तथा सोनिका की देखरेख में हुआ। इस कार्यक्रम में कमलेश एवं सभी टीचिंग व नॉन टीचिंग स्टाफ ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

हरियाणवी संस्कृति को संरक्षित करता है नीला मीडियाटेक: आसित कुमार मोदी

करनाल सुखविन्दर सोही

करनाल। नीला मीडियाटेक के संस्थापक असित कुमार मोदी ने कहा कि चैनल को हरियाणवी संस्कृति को संरक्षित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो क्षेत्रीय मोड़ के साथ अंग्रेजी नर्सरी कविताओं के साथ पुरानी पसंदीदा प्रस्तुत करता है। नीला मीडियाटेक ने दशहरे के साथ टीएमकेओसी राइम्स हरियाणवी यूट्यूब चैनल के लॉन्च के साथ हरियाणवी डिजिटल क्षेत्र में प्रवेश किया है। इस नए चैनल का लक्ष्य हरियाणवी भाषा में पारंपरिक और लोकप्रिय क्लासिक नर्सरी गीतों का सबसे बड़ा संग्रह प्रस्तुत करना है, जो युवा दर्शकों को सांस्कृतिक विरासत और परिचित धुनों का एक अनूठा मिश्रण प्रदान करता है। कहानीकारों के रूप में, हमने हमेशा प्रत्येक भाषा की अनूठी अपील को अपनाया है और टीएमकेओसी राइम्स उस दृष्टि का एक हिस्सा है। भोजपुरी सामग्री के प्रति हमारे प्यार को देखते हुए, हमने हरियाणवी नर्सरी राइम्स में एक अंतर देखा - एक भाषा जो भारत के दिल के करीब है और एक समृद्ध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के साथ है। इसने हमें हरियाणवी में टीएमकेओसी राइम्स लॉन्च करने के लिए प्रेरित किया, जिससे बच्चों के लिए जीवंत 3 डी एनिमेशन और उनके पसंदीदा तारक मेहता का उल्टा चश्मा पात्रों के साथ आकर्षक धुनें आईं। हमारा लक्ष्य पारंपरिक पसंदीदा और लोकप्रिय अंग्रेजी गानों के साथ हरियाणवी ट्विस्ट के साथ हरियाणवी संस्कृति को मजेदार और आकर्षक तरीके से मनाना है।

दीपावली और छठ त्यौहारों को देखते रेलवे चलाएगा 38 विशेष ट्रेनें

अम्बाला छावनी, अक्टूबर : दीपावली और छठ पर्व सहित अन्य त्योहारों को देखते हुए रेलवे ने 8 विशेष ट्रेनों के संचालन का फैसला किया है, वहीं 30 विशेष ट्रेनों की समय अवधि में भी बढ़ोतरी कर दी है, जिससे कि यात्रियों को कंफर्म टिकट के सहारे इन विशेष ट्रेनों में सफर करने का मौका मिल सके। रेलवे ने आगामी त्योहारों के मद्देनजर भीड़भाड़ वाले रेल मार्गो को पहले ही चिह्नित कर लिया था। इसमें नई दिल्ली से कटरा, वाराणसी, फिराजेपुर, पटना, कोलकाता, बरौनी, सहरसा, गोरखपुर, छपरा, धनबाद, कटिहार, मुंबई सहित मध्यप्रदेश के डॉ आंबेडकर नगर तक ट्रेनों के संचालन की अनुमति प्रदान की गई है।रेलवे ने किसी भी विषम परिस्थिति से निपटने के लिए इस बार त्योहारों के दौरान चाक-चौबंद व्यवस्थाएं बनाने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत अंबाला मंडल के अधिकारियों की जिम्मेदारी लगाई गई है जोकि स्टेशन पर निगरानी करेंगे। इसके अलावा जीआरपी व आरपीएफ को भी पूरी तरह सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं ताकि कोई भी अप्रिय घटना न हो।

जिला स्तरीय बाल महोत्सव प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

अंबाला शहर, अक्तूबर : बाल महोत्सव के अतंर्गत पचांयत भवन, अम्बाला शहर में जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कलासिक सोलो डांस की प्रतियोगिता 6वीं, 8वीं वर्ग, 9वीं, 10वीं वर्ग मे व 11वीं, 12वीं कक्षा वर्ग डिक्लेमेशन कॉन्टेस्ट प्रतियोगिता में 9वीं, 10वीं वर्ग मे व 11वीं, 12वी कक्षा वर्ग में हैन्डराईटिंग हिन्दी, अंग्रेजी प्रतियोगिता में 5वीं कक्षा वर्ग तथा 6वीं से 8वीं कक्षा वर्ग, की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें आज भिन्न-भिन्न स्कूलों से लगभग 450 बच्चों ने अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस आयोजन के दौरान जिला नगराधीश पूजा कुमारी बाल महोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें तथा जिला बाल कल्याण अधिकारी विश्वास मलिक ने मुख्य अतिथि का हार्दिक स्वागत किया गया। नगराधीश ने द्वारा बच्चों के साथ कार्यक्रम में काफी समय बिताया और मंच के माध्यम से बच्चों का हौंसला व उत्साह भी बढ़ाया और बच्चो को जीवन मे आगे बढने. की प्रेरणा भी दी।

इस दौरान उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं का निरीक्षण किया व बच्चों के साथ प्रतियोगिता के दौरान उनकी प्रतिभा की सराहना की गई। इस मौके पर बाल कल्याण समिति अम्बाला की सदस्य रेखा शर्मा व विशेष अतिथि टीपी सिंह, आशीष गुप्ता और बाल भवन, अम्बाला के आजीवन सदस्यता के गणमान्य व्यक्ति राकेश मक्कड़, कुमारी स्नेहा खन्ना व वडेरा व पत्रकार सुमन भटनागर, राजेश कुमार व दीपक गांधी उपस्थित रहें। इस आयोजन में कार्यालय जिला बाल कल्याण परिषद् अम्बाला से राजेश कुमार, अशोक कुमार सहायक, मनजीत सिंह सहायक, हरविन्दर सिंह लिपिक व यश जांगड़ा, जगनदीप सिंह, रूपिन्दर सिंह, राधा रानी, गीता रानी, हुस्ना, दविन्दर कुमार, प्रवीण कुमार, विजय कुमार, राजिन्दर कुमार द्वारा कार्यक्रम का सफल आयोजन करवाया गया। प्रतियोगिताओं के दौरान बच्चों को दोपहर का भोजन भी वितरित किया गया ।

जिला बाल कल्याण अधिकारी विश्वास मलिक ने बताया कि बाल महोत्सव के अंतर्गत पचांयत भवन, अम्बाला शहर में 14 अक्तूबर से 21 अक्तूबर तक विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन हर्शाल्लास से किया जायेगा। विजेता बच्चो को उपायुक्त द्वारा 14 नवम्बर को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी ने गांव शेरपुर में कम्यूनिटी सैंटर के भूमि पूजन और महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह के उपलक्ष्य में कार्यक्रम में शिरकत की

समाज के सभी लोग महर्षि वाल्मीकि जयंती को आपस में मिलकर भाईचारे के साथ मनाएं : डॉ. पवन सैनी

गांव शेरपुर में कम्यूनिटी सैंटर का भूमि पूजन करते हुए पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी।

नारायणगढ, अक्तूबर : पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी बुधवार को गांव शेरपुर में कम्यूनिटी सैंटर के भूमि पूजन और महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामवासियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि जयंती की शुभकामनाएं देते हुए उनके दिखाएं मार्ग व शिक्षाओं पर चलने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि रामायण के रचियता महर्षि वाल्मीकि जी को प्राचीन वैदिक काल के महान ऋषियों कि श्रेणी में प्रमुख स्थान प्राप्त है। वह संस्कृत भाषा के आदि कवि और महाकाव्य रामायण रचियता के रूप में प्रसिद्ध है। उन्होंने मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समरोह का निमंत्रण देते हुए कहा कि इस गौरवशाली पल के साक्षी बनने के लिए हलके के सभी लोग आमंत्रित है। उन्होने कहा कि समारोह में आम जन के साथ-साथ भाजपा कार्यकर्ताओं, ड्रोन दीदी, सफाई कर्मचारी, प्रगतिशील किसान, उद्योगपतियों, खिलाड़ियों, सरकारी स्कीमों के लाभाथीर्यों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। पूर्व विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं मार्ग दर्शन में एक बार फिर से डबल इंजन की सरकार देश और हरियाणा प्रदेश को विकसित राज्य बनाने की दिशा में तथा सेवा, सुशासन, समानता और गरीब कल्याण के लिए समर्पित होकर काम करेगी।

महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह में पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी को पगड़ी पहना कर तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

राशिफल 17-10-2024 (वीरवार)

मेष
आर्थिक-व्यवसायिक पक्ष में परिश्रम के अनुरूप सफलता, विरोधियों का वर्चस्व कम, भौतिक सुख-सुविधा के निमित्त अधिक व्यय, संत समागम का योग, यात्रा लाभप्रद रहेगी।

वृषभ
कार्यों में प्रगति की दिशा में प्रयास, मांगलिक आयोजन संपादित, प्रभावशाली हस्तियों से संपर्क का लाभ, नवसमाचार से प्रसन्नता, आकस्मिक लाभ का सुयोग, धनागम का योग।

मिथुन
विचाराधीन योजना पर काम की शुरुआत, किसी आयोजन में सम्मिलित होने का सुअवसर प्राप्त, आय के नवीन स्त्रोत उपस्थित, शुभ भावनाओं का उदय, यात्रा सुखद होने की ओर।

कर्क
दिनचर्या अस्त-व्यस्त, व्यापारिक पहलू को लेकर चिंतित, दूसरों की गलतफहमी के शिकार, राजकीय पक्ष से असंतोष, मन में वैचारिक स्थिरता का अभाव, विचारित कार्य पर देरी से हानि।

सिंह
कठिनाइयों का निवारण, व्यक्तित्व का विकास, व्यवसायिक विस्तार, स्थान-परिवर्तन की दिशा में कार्यक्रम, आपसी सलाह से कामयाबी, वाहन से सुख, नौकरी में तरक्की का योग।

कन्या
परिस्थितियां विपरीत, जल्दबाजी में लिया गया निर्णय अहितकर, कर्ज की अधिकता से परेशानी, मित्रों से मनमुटाव, पठन-पाठन में अरूचि, पारिवारिक जनों से मतभेद हो सकता है।

तुला
पराक्रम से कार्य सिद्धि, वाद-विवाद की निवृत्ति, धन संचय की ओर रूझान, परोपकार की भावना जागृत, सहयोगियों की गतिविधि से मन प्रसन्न, बिगड़े काम बनने की ओर।

वृश्चिक
सामाजिक कार्यों में असफलता, विशेष प्रयास भी निष्फल, आर्थिक पक्ष में नवीन जोखिम हानिकारक, मन-मुटाव हित में नहीं, पारिवारिक संबंधों में वैमनस्यता, मन अशांत रहेगा।

धनु
कार्य-व्यवसाय अर्थ पक्ष में उन्नति का सुअवसर, बकाए धन की प्राप्ति, पठन-पाठन में अभिरुचि, लाभ का सिलसिला, दर्शनीय स्थलों की यात्रा का सुपरिणाम प्राप्त।

मकर
पारिवारिक उत्तरदायित्व की पूर्ति,विनियोजित धन का प्रतिफल आशानुकूल प्राप्त, दूसरों के आश्वासन से मानसिक राहत, आमोद-प्रमोद के साधन सुलभ होंगे।

कुंभ
स्वास्थ्य सुधार पर, नवीन योजना के प्रति रूचि जागृत, राजनीतिक पक्ष से सहयोग, वैवाहिक जीवन में सुख शांति का वातावरण, चित्त प्रफुल्लित, समाजसेवी कार्यों में रूचि।

मीन
आर्थिक व्यवसायिक सफलता, जटिल समस्या का संतोषजनक समाधान संभव, यश-मान प्रतिष्ठा में वृद्धि, शिक्षा-प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता का योग, यात्रा का कार्यक्रम।

सुडोकू

		9	4			7		
7					2		8	9
3				6				
	3	6			9	5		
				5				
		7	8			9	4	
				7				4
5	9		2					3
	7				3	1		

सुडोकू- कल का उत्तर

5	7	4	3	6	9	1	2	8
8	3	2	5	1	7	9	4	6
9	1	6	8	4	2	3	7	5
1	6	3	2	9	5	7	8	4
4	9	7	6	3	8	5	1	2
2	8	5	4	7	1	6	3	9
6	5	1	7	2	4	8	9	3
3	2	9	1	8	6	4	5	7
7	4	8	9	5	3	2	6	1

आड़े, खड़े व 3x3 के वर्ग में 1 से 9 तक के अंक इस प्रकार भरें कि किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो। पहेली के एक से अधिक हल हो सकते हैं।

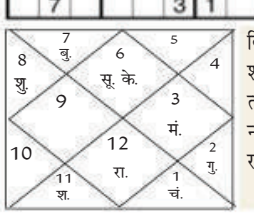

विक्रमी संवत 2081, शके 1946, सूर्य दक्षिणायण, शरद ऋतु, अश्विन मास शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तत्पश्चात प्रतिपदा, रेवती नक्षत्र तत्पश्चात अश्विनी नक्षत्र, हर्षण योग तत्पश्चात वज्र योग, चन्द्रमा मीन राशि में तत्पश्चात मेष में।

राहुकाल: दोपहर 01:32 से 02:58 बजे तक।

गोविंदानंद आश्रम में श्रीमद् भागवत कथा आज से

पिहोवा, अक्तूबर : श्री गोविंदानंद आश्रम शिव पुरी मार्ग में संत महामंडल की संरक्षक महामंडलेश्वर स्वामी विद्यागिरि महाराज एवं षडदर्शन साधुसमाज के संरक्षक महंत बंशी पुरी महाराज की अध्यक्षता में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ 17 अक्तूबर से आश्रम की महंत एवं कथा वाचिका सर्वेश्वरी गिरि महाराज द्वारा प्रारंभ हो रही है जो 15 नवंबर तक चलेगी। आश्रम के सह संरक्षक वैद्य पण्डित प्रमोद कौशिक ने बताया कि कथा का समय दोपहर 3.30 से सांय 5.30 तक रहेगा और कथा के मुख्य यजमान सुरेश गोयल इस्माईलाबाद रहेंगे।

विद्यार्थियों को उद्यम मंत्रालय की योजनाओं से अवगत कराया

इंटर्नशीप जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी।

पानीपत, अक्तूबर : महर्षि कश्यप राजकीय बहुतकनीकी संस्थान जाटल में आयोजित इंटर्नशीप जागरूकता कार्यक्रम में बलबीर सिंह असिस्टेंट निर्देशक ने एम.एस.एम.ई.करनाल द्वारा चलाई गई योजनाओं के बारे में अंतिम वर्ष के विधार्थियों को अवगत करवाया। अग्रणी बैंक प्रबंधक आरएन शर्मा ने उद्योग को शुरू करने के लिए वित्तीय ऋण व अनुदान संबंधित जानकारी प्रदान की। एम.एस.एम.ई. पानीपत राकेश कुमार द्वारा पी.एम.विश्वकर्मा योजना से सम्बंधित जानकारी प्रदान की। डी.सी.एक्सपर्ट के संस्थापक साहिल ने अपने अनुभवो को सांझा किया। इस अवसर पर इस संस्थान के प्रधानाचार्य राजीव नरवाल, टी.पी.ओ अधिकारी जसबीर सिंह, ए.टी.पी.ओ विवेक कुमार सिंह, हरदीप, वसीम, संदीप कुमार मौर्या, वीरेंद्र यादव, सुनीता व अजय विश्नोई उपस्थित रहे।

सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और नॉन स्टॉप हरियाणा का होगा शपथ ग्रहण : असीम गोयल

पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल

अंबाला शहर, अक्तूबर : हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में नायब सैनी दोबारा राज्य की कमान संभालेंगे और आज मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। पंचकूला में आयोजित भाजपा विधायक दल की बैठक में उन्हें सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया। इस बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद रहे। नायब सैनी को विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल ने सीएम सहित सभी प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल ने कहा कि हरियाणा के नायाब युग का आगाज हो चुका है। अब नॉन स्टॉप हरियाणा के विकास को और गति मिलेगी। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि नायब सिंह सैनी मुख्यमंत्री पद की जब शपथ लेंगे तो पूरे प्रदेश में दीवाली मनाएं और शाम को घर घर दीप जलाकर ऐतिहासिक पल को और ऐतिहासिक बनाएं। पूर्व राज्य मंत्री ने कहा कि यह शपथ ग्रहण नॉन स्टॉप हरियाणा का शपथ ग्रहण होगा,यह शपथ ग्रहण सभी फसलों की एमएसपी पर खरीद का शपथ ग्रहण होगा, सेवा, सुशासन,गरीब कल्याण का शपथ ग्रहण होगा,युवाओं के उज्ज्वल भविष्य का शपथ ग्रहण होगा।

शिवहर: वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ दार-उल-कजा ऐमारते शरिया शिवहर के एक वफद ने डीएम को दिया ज्ञापन

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

शिवहर। मुफ्ती मुहम्मद फखरुद्दीन कासमी काजी शरीयत दार अल-कजा एमारते शरिया मदरसा अरबिया इस्लामिया डूमरी जिला शिवहर के नेतृत्व में, प्रसिद्ध धार्मिक विद्वान मुफ्ती साजिद इकबाल कासमी सचिव जमीयत उलेमा शिवहर, मुफ्ती इजाजुल हक कासमी सचिव संगठन ऐमारत शरिया शिवहर जिला, मौलाना इनायतुल्लाह तैमी, जनरल मॉडरेटर जमाअत अहले हदीस जिला शिवहर, आफताब आलम, उपाध्यक्ष इमारतें सरिया शिवह, श्री मुहम्मद नसीम अख्तर, हाजी मुहम्मद नसीम अख्तर, अरबाब हल व अकद, मौलाना मुहम्मद साबिर, मुबशिशर आलम, हाजी मुहम्मद जमीरुद्दीन, मुहम्मद हसनैन का एक प्रतिनिधिमंडल, हजरत मौलाना अहमद वली फैसल रहमानी दमात बरका तहूम अमीर शरिया अमीर शरियत बिहार, ओडिशा और विझारखंड के निर्देशन में, शिवहर जिले के डीएम श्री विवेक रंजन मैत्रेय के सेवा में 19 पृष्ठीय अंग्रेजी भाषा का विस्तृत ज्ञापन तैयार कर प्रस्तुत किया जिसमें वक्फ बिल के नुकसान और खतरों को संविधान के आलोक में स्पष्ट रूप से समझाया गया है, प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों का प्रतिनिधित्व करते हुए शिवहर जिले के मुफ्ती मुहम्मद फखरुद्दीन कासमी शरीयत काजी ने शिवहर के जिला मजिस्ट्रेट को स्पष्ट किया कि यह बिल मुसलमानों के खिलाफ है। यह मुसलमानों के संवैधानिक और धार्मिक अधिकारों के भी खिलाफ है। यह बिल पूजा स्थलों, धार्मिक स्थलों और पूजा से जुड़ी हर चीज को असुरक्षित बना देगा। जिसे भारत के मुसलमान बिल्कुल बर्दाश्त नहीं कर सकते। उन्होंने यह भी कहा कि यह बिल मुसलमानों के खिलाफ है। पर्सनल लॉ बोर्ड बल्कि वक्फ 1995 में दिए गए विशेषाधिकारों और सुरक्षा के भी खिलाफ है और भारत के संविधान के मौलिक अनुच्छेद 14/25/26/ के भी खिलाफ है, इसलिए जेपीसी को किसी भी परिस्थिति में इस बिल को पारित नहीं करना चाहिए और भारत सरकार को इसे तुरंत वापस लेना चाहिए जमीयत उलेमा शिवहर जिला सचिव, प्रसिद्ध धार्मिक विद्वान मुफ्ती साजिद इकबाल कासमी ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक का उद्देश्य वक्फ व्यवस्था को कमजोर करना और धार्मिक अधिकारों को खत्म करना है। जिससे संपूर्ण मुस्लिम समाज में बड़ी बेचैनी पाई गई सामाजिक कार्यकर्ता हाजी जमीरउद्दीन ने डीएम को इस बिल से मुसलमानों को होने वाले नुकसान की जानकारी दी. श्री आफताब आलम मुखिया सुगिया कटसरी पंचायत एवं उपाध्यक्ष अमीरात शरिया संगठन, जिला शिवहर ने कहा कि मुसलमानों के प्रति सरकार की मंशा साफ नहीं है, बिल लाने से पहले सभी मुस्लिम मिल्ली संगठनों के प्रमुखों के साथ बैठक करनी चाहिए थी, इसी तरह श्री नसीम अख्तर ने कहा कि कुछ साल पहले वक्फ के अंदर एक संशोधन हुआ था, जिससे मुस्लिम वक्फ की समस्याएं काफी हद तक हल हो सकती थीं; लेकिन वह संशोधन भी अपर्याप्त था, फिर भी मौजूदा सरकार और संशोधन कर वक्फ का दर्जा खत्म करना चाहती है. जमीयत अहल हदीस शेवहार के जनरल मॉडरेटर मौलाना मुहम्मद इनायतुल्लाह तैमी ने जल्दबाजी में भारत सरकार द्वारा एक बिल लाया, जो किसी भी तरह से बेहतर नहीं है, लेकिन वक्फ के सिद्धांतों और नियमों के पूरी तरह से खिलाफ है इस अवसर पर उपस्थित सभी जन प्रतिनिधियों की बातों को शिवहर डीएम ने बहुत ही ध्यान से सुना और बैठक खुशनुमा माहौल में की और कहा कि वे इस ज्ञापन को जल्द ही बिहार सरकार को भेजेंगे और जेपीसी अध्यक्ष ने कड़े शब्दों में कहा कि यह बिल शरिया कानूनों के खिलाफ है जो विरोधाभासी है इस्लाम ने मौखिक वक्फ संरक्षक के निर्धारण, वक्फ के उद्देश्य के संबंध में जो कहा है, इस प्रकार यह बिल गैर-मुस्लिम और मुस्लिम के खिलाफ है।

जिला स्तरीय सभा का आयोजन हुआ।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

नरकटियागंज। गौनाहा ब्लॉक स्थित भितिहरवा गांधी आश्रम के प्रांगण में जनसुराज के जिला स्तरीय सभा का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि में रूप में जनसुराज के प्रथम प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती उपस्थित हुए ' चंपारण के पावन धरती पर प्रवेश करते ही जनसुराज के कार्यकताओं ने प्रदेश अध्यक्ष को जगह - जगह गांजे बाजें के साथ जोरदार स्वागत किया ' वहीं शनिचरी चौक पर जिला प्रवक्ता ई.सिकंदर चंद्रा, योगापट्टी प्रमुख सह जनसुराज के प्रखंड अध्यक्ष शंभू माली,युवा नेता किशोर कुशवाहा,शिवजी शर्मा, इस्तेयक शोला,पूर्व जिला अध्यक्ष बिकई महतो, ई.रविकेश कुशवाहा,अमित तिवारी तथा सकड़ो कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत गांजे बाजें के साथ स्वागत किए ' जिला प्रवक्ता ई सिकंदर चंद्रा ने प्रेस के माध्यम से बताए की आज के यह कार्यक्रम बिहार के आगामी चुनाव के शंखनाद है क्योंकि जनसुराज के प्रणेता प्रशांत किशोर ने पश्चिम चंपारण के इसी पावन स्थल से पदयात्रा का आगाज किए थे' वही जनसुराज के प्रथम कार्यकरी प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती का भी आगाज इसी स्थल से हो रहा है' ई.चंद्रा ने कहा कि नवंबर में होने वाली उपचुनाव के लिए जनसुराज सबसे पहले अपना एक उम्मीदवार तरारी विधान सभा के लिए घोषित करके सभी पार्टियों के नींद उड़ा चुकी है।

जनता दरबार में एसपी ने 15 लोगों की स्मासेयाओ को ध्यान पूर्वक सुना

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

शिवहर। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में समस्याओं से संबंधित जनता दरबार का आयोजन पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में किया गया जिस में जिला के विभिन्न स्थानों से आए 15 लोगों की समस्याओं को बारी बारी से सुना गया। जनता दरबार मे भूमि विवाद, आपसी विवाद, मारपीट, लड़कीं अपहरण जैसे मामले शामिल थे जिस के समाधान हेतु उनके समस्या का निपटारा किया। इस बाबत एसपी ने थाना अध्यक्ष को निर्देश देते हुए संबंधित संबंधित थाना अध्यक्षों को थाना स्तर पर आम जनता की समस्या को अधिक से अधिक सुनने व समाधान करने को कहा , महिला हेल्प डेस्क पर महिला का समस्या को सुनें, उसका तुरंत निपटारा करें । लोग छोटे छोटे मामले को लेकर एसपी के जनता दरबार में आ जाते हैं। इसे रोके ऐसे मामलों का थाना स्तर पर ही निपटारा करने की हिदायत दी।

अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी ने 48 मामलों की सुनवाई की।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बगहा। अनुमण्डलीय लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी,बगहा राजीव कुमार ने बुधवार के दिन कार्यालय में 48 मामलों की सुनवाई की। जिसमें राजस्व संबंधित 22 मामला ,थाना संबंधित 5 मामला, विद्युत विभाग से 5 मामला, नगर परिषद से 3 मामला, प्रखंड कार्यालय का 1 मामला, कार्यपालक अभियंता लघु सिंचाई प्रमंडल बगहा दो का 2 मामला, बगहा दो से संबंधित एक मामला और अन्य 9 मामला में सुनवाई की गई। जिसमें 19 मामला का निवारण किया गया एवं अंचल,थाना,नगर परिषद को अन्य लंबित मामलों को शीघ्र निष्पादित करते हुए सुनवाई की अगली तिथि को प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश पीजीआरओ ने दिया।

प्रथम महिला शासिका ताईबाई की मूर्ति लगाये जाने की मांग

जालौन-उरई । नगर के प्रवेश द्वार देवनगर चौराहे पर नगर की प्रथम महिला शासिका ताईबाई की मूर्ति लगाये जाने की मांग बौद्धिक काउंसिल ग्रुप द्वारा लगातार कई जा रही थी। ग्रुप की मांग पर प्रभारी मंत्री संजय सिंह गंगवार ने प्रमुख सचिव संस्कृति विभाग को पत्र भेजकर कार्यवाही करने के लिखा है।

जनपद के प्रभारी मंत्री संजय सिंह गंगवार के नगर आगमन पर 16 सितम्बर को बौद्धिक काउंसिल ग्रुप के पदाधिकारियों द्वारा एक प्रत्यावेदन सौंपा था। प्रत्यावेदन के माध्यम से मांग की गयी थी कि नगर की प्रथम महिला शासिका ताईबाई की मूर्ति लगाये देव नगर चौराहे पर स्थापित की जाये जिससे उनको आगे आने वाली पीढी याद रख सके तथा उनके सौर्य गाथा से युवा पीढ़ी परिचित रहे। बौद्धिक काउंसिल ग्रुप द्वारा की गयी मांग पर प्रभारी मंत्री संजय सिंह गंगवार ने प्रमुख सचिव संस्कृति विभाग को पत्र लिखकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। प्रभारी मंत्री द्वारा पत्र लिखने के बाद बौद्धिक काउंसिल ग्रुप के अध्यक्ष वाचस्पति मिश्रा व मंत्री के सी पाटकार ने खुशी व्यक्त की है। ग्रुप के पदाधिकारियों को उम्मीद जाग गयी है कि उनकी मांग अब पूरी हो जायेगी।

मंडलायुक्त ने तहसील कालपी के विभिन्न पटलों का मुआयना किया, अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए

■ उरई

मंडलायुक्त झांसी मंडल झांसी विमल कुमार दुबे ने जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के साथ तहसील कालपी में विभिन्न पटलों का मुआयना कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मंडलायुक्त महोदय ने तहसील के विभिन्न पटलो का निरीक्षण कर कर्मचारियों से सम्बंधित पटलों के बारे में जानकारी कर कार्यालय में पत्रावलियो के रखरखाव की व्यवस्थाओ का बारीकी से निरीक्षण किया गया तथा सम्बन्धित को आवश्यक निर्देश दिये गये। उन्होंने कर्मचारियों की सर्विस बुक व जीपीएस पासबुक का अवलोकन किया जिसमें कार्मिकों के नॉमिनी न होना व अन्य विसंगतियां पाई गई कमियों के निराकरण हेतु नायाब तहसीलदार को निर्देशित किया। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि आमजन मानस द्वारा दर्ज करायी जाने वाली शिकायतो का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्ता पूर्ण व समयबद्धता पूर्वक निस्तारण कराने के साथ ही तहसील न्यायालय में दर्ज वादों का भी ससमय निस्तारण किया जाए। उन्होंने न्यायालय कि पंजिका में दर्ज वादो की स्थिति का जायजा लेते हुए न्यायालय में दर्ज 3 वर्ष व 5 वर्ष पुराने वादो को ससमय निस्तारण कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

उन्होंने आर.सी.सी.एम.एस. पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों को निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रियल टाइम खतौनी पोर्टल पर दिखना चाहिए। उन्होंने सभी पटलों के अधीनस्थों को निर्देशित किया कि कोई भी कार्य लंबित न रहने पाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि कालपी तहसील के सभी पटल कंप्यूटरीकृत हो गए है, साथ ही उन्होंने कहा कि कालपी तहसील में यह कार्य शत प्रतिशत कर लिया गया है जिसका सीधा लाभ जनता को मिलेगा, कंप्यूटरीकृत होने से समस्याओ का समयबद्ध तरीके से निस्तारण होगा। उन्होंने न्यायिक प्रक्रिया तेज करने के निर्देश अधीनस्थों को दिए। उन्होंने पूर्ति निरीक्षक कार्यालय का निरीक्षण के दौरान एक कोटेदार की शिकायत मिली, जोकि निलम्बित है जिस पर मंडलायुक्त ने निर्देशित किया कि कोटेदार के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए, साथ ही शासन की मंशा के अनुरूप लोगो को खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए, इसमे किसी भी प्रकार की लापरवाही बरती जाती है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि हर वर्ग को शासन के द्वारा मिलने वाली सुविधाओं का लाभ दिया जाए।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार, उप जिलाधिकारी सुशील सिंह, उप जिलाधिकारी न्यायिक अतुल कुमार आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

पूर्ति विभाग पर जताई नाराजगी

मंडलायुक्त विमल कुमार दुबे ने तहसील के निरीक्षण के दौरान पूर्ति विभाग के कार्यों का जायजा लिया। कई स्थानों में घाटोली के मामले पर नाराजगी व्यक्त करते हुए आयुक्त ने पूर्ति निरीक्षक सुशील कुमार सिंह से जवाब मांगा है।

स्थानीय नगर के मोहल्ला इंदिरा नगर में शराब ठेके की स्थापना से नाराज महिलाओं ने अस्पताल गेट के पास मंडलायुक्त का काफिला रोक लिया। मंडलायुक्त से महिलाओं ने मांग की है कि देशी शराब ठेके को अन्यंत्र स्थापित कराया गया है।

उद्यमियों ने किया स्वागत

उत्तर प्रदेश हाथ कागज निर्माता समिति के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार तिवारी के नेतृत्व में अध्याय के द्वारा मंडल आयुक्त विमल कुमार दुबे का तहसील परिसर में स्वागत किया गया।

बम्बा पर पुलिया न होने से आवागमन में परेशानी

जालौन-उरई । बंबा किनारे घर बने होने के चलते मोहल्ले के लोगों को बंबा पार करके जाना पड़ता है। यहां पुलिया न होने से लोगों को दिक्कत होती है। मोहल्ले के लोगों ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर पुलिया बनवाने की मांग की है। नगर के मोहल्ला नया रावतान मौजा धौरा खेड़ा बाहर हद निवासी जीशुफ, दीपू, जाकिर, रसीद, मेंहदी, याकूब, देवेश, मन्नू आदि ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर बताया कि उनके घर बंबा किनारे बने हैं। उन्हें मुख्य सड़क से बंबा पार करके अपने घरों तक पहुंचना पड़ता है। वर्तमान में बंबा पार करने के लिए वह बंबा पर लकड़ी के पटिए रखे हैं। जिनसे निकलते समय पटियों के खिसकने का डर बना रहता है। इनसे ही होकर बच्चे और महिलाएं भी निकलते हैं। ऐसे में कभी भी दुर्घटना होने का डर सताता रहता है। यदि बंबा पर पुलिया बनवा दी जाती है तो लोगों को निकलने में सहूलियत होगी और किसी भी प्रकार भय भी नहीं होगा। उन्होंने एसडीएम से जनहित को देखते हुए उक्त स्थान पर पुलिया बनवाने की मांग की है।

मंडलायुक्त ने गौशाला का निरीक्षण कर गौवंशों को गुड़, चना खिलाया

■ उरई

मंडलायुक्त झांसी मण्डल झांसी विमल कुमार दुबे ने जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के साथ ग्राम छौंक स्थित गौशाला का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान पानी, भूसा व हरा चारा की पर्याप्त व्यवस्था देखा व गौवंशों को गुड़, चना खिलाया इस दौरान सभी केयरटेकर उपस्थित मिले। साथ ही गौशाला में सरंक्षित गौवंशों के लिए पर्याप्त मात्रा में भूसा, हरा चारा और अन्य खानपान की वस्तु उपलब्ध मिली, गौशाला में साफ सफाई के उचित प्रबंध होने पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समय समय पर चिकित्सक गौवंशो का स्वास्थ परीक्षण करते रहे। उन्होंने गौशाला में लगे भूसा घर पर चरही व मुख्य द्वार पर सीसीटी कैमरों को देखा, जो सभी संचालित थे। साथ ही यह भी सुनिश्चित करे कि बीमार गौवंश की सूचना पशु चिकित्सा अधिकारी को दें। उन्होंने कहा कि गौवंशों के लिए खान-पान और अन्य चीजों की पर्याप्त सुविधा है। उन्होंने गौशाला में भूसे का स्टॉक व रख रखाव देखा, परिसर में मौजूद गायों को अभिलेख से मिलान किया। गौशाला में संरक्षित गौवंश व गौवंश के छोटे-छोटे बछिया बछड़ो पर स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिये जाए और पशु चिकित्सक नियमित उपचार हेतु भ्रमणशील रहे।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार, प्रभारी जिला विकास अधिकारी महेंद्र चौबे मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी मनोज अवस्थी, जिला पंचायत राज अधिकारी राम अयोध्या प्रसाद आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता का हुआ समापन प्रतियोगी छात्र-छात्राओं को किया गया पुरस्कृत

■ कोंच

एसआरपी इंटर कालेज में चल रहे तीन दिवसीय जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का समापन बुधवार को खेल प्रतियोगिताओं के साथ हुआ। विद्यालय के प्रबंधक नीरज कुमार एवं प्रधानाचार्य आशीष पोरवाल ने दीप प्रज्जवलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ घनश्याम अनुरागी के मुख्य आतिथ्य, एमएलसी रमा निरंजन के प्रतिनिधि आरपी निरंजन, भाजपा जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित एवं एसडीएम ज्योति सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक राजकुमार पंडित आदि के विशिष्ट आतिथ्य में समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमें अतिथियों ने सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। तीन दिन चली खेल प्रतियोगिताओं में अंडर 14, अंडर 17 व अंडर 19 के छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। उनके बीच भाला फेंक, डिस्कस थ्रो, लंबी कूद, ऊंची कूद, 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर, 3000 मीटर, 5000 मीटर दौड़ व अन्य खेल प्रतियोगिताएं हुईं। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इसके पूर्व जिला विद्यालय निरीक्षक राजकुमार पंडित ने कहा, खेलकूद का काफी महत्व है, इससे स्कूल स्तर से ही छात्रों में आगे बढ़ने की प्रवृत्ति जागृत होती है। इसके अलावा खेलकूद से विद्यार्थियों का स्वास्थ्य व मस्तिष्क सुदृढ़ होता है। एमएलसी प्रतिनिधि ने कहा, शिक्षा के साथ ही छात्रों को शिक्षणेत्तर गतिविधियों में भी हिस्सा लेना चाहिए तभी उसका सर्वांगीण विकास संभव है। तीन दिन तक चलीं इन प्रतियोगिताओं में जनपद के 71 विद्यालयों ने प्रतिभाग किया। सरस्वती वंदना ऋचु, वेदिका, नैंसी, अक्षरा आदि ने प्रस्तुत की व स्वागत गीत में राखी वेदिका, संस्कृति कौरव ने प्रस्तुत किया। संचालक पूर्व प्रधानाचार्य मरगायां कौशल किशोर गुर्जर ने किया। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य पुष्पेंद्र सिंह सेंगर, सीताशरण प्रजापति, रमेशचंद वर्मा, चंद्रप्रकाश सक्सेना, शिवकुमार निरंजन, महेंद्र पटेल, साकेत शांडिल्य, अवनीश लोहिया, राजा प्रताप सिंह, कमलेश निरंजन, चंद्रपाल सिंह कुशवाहा, वेदप्रकाश, सरोज खरे, कृष्ण कुमार, स्कूल के प्रबंधक नीरज कुमार, मनीष दुवे, वीरसिंह चौहान, धीरेंद्र निरंजन सिमिरिया, विपिन निरंजन, नरेंद्र परिहार, पुरुषोत्तम कुशवाहा, राजेश चंदेल, महेंद्र नाथ, उत्तम सिंह, साबी मिश्रा, विवेक द्विवेदी, ओमप्रकाश आदि उपस्थित रहे।

अधिवक्ताओं के साथ एसडीएम ने बैठक कर समस्याएं सुनी

■ कोंच

उपजिलाधिकारी ज्योति सिंह ने अधिवक्ताओं के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनी और उनके निराकरण का भरोसा दिया। बिजली, पानी और साफ-सफाई को लेकर उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए।

वकीलों को न्यायिक कार्यों के दौरान भी तमाम तकनीकी दिक्कतें तो हैं ही, तहसील परिसर में पेयजल, साफ-सफाई और बिजली आदि को लेकर भी तमाम समस्याएं हैं। एसडीएम ज्योति सिंह ने सकारात्मक पहल करते हुए अधिवक्ताओं को बुला कर उनके साथ वार्ता की और समस्याएं जानीं। मार्ग प्रकाश व्यवस्था, शौचालय साफ-सफाई और पेयजल को लेकर उन्होंने नगरपालिका के सफाई निरीक्षक हरीशंकर निरंजन को समस्याएं दूर करने के निर्देश दिए। बार और बेंच के बीच भी परस्पर तालमेल बनाकर काम करने का उन्होंने आश्वासन दिया।

इस दौरान बारसंघ अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद निरंजन, महामंत्री दीनानाथ निरंजन, अवधेश कुमार द्विवेदी, हरी सिंह निरंजन, ओमप्रकाश कौशिक, नवलकिशोर जाटव, अवधेश नगाइच, जितेंद्र पांडे आदि मौजूद रहे।

सार संक्षेप

76 वर्ष की हुई अभिनेत्री हेमा मालिनी

मुंबई: बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री हेमा मालिनी आज 76 वर्ष की हो गयी। 16 अक्टूबर 1948 को तमिलनाडु के आमानकुंडी में जन्मीं हेमा मालिनी की मां जया चक्रवर्ती फिल्म निर्माता थीं। हेमा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा चेन्नई से पूरी की। वर्ष 1961 में हेमा मालिनी को एक लघु नाटक पांडव वनवासम में बतौर नर्तकी काम करने का अवसर मिला।व र्ष 1968 में हेमा मालिनी को सर्वप्रथम राजकपूर के साथ सपनों का सौदागर में काम करने का मौका मिला। फिल्म के प्रचार के दौरान हेमा मालिनी को ड्रीम गर्ल के रूप में प्रचारित किया गया। बदकिस्मती से फिल्म टिकट खिडकी पर असफल साबित हुई लेकिन अभिनेत्री के रूप में हेमा मालिनी को दर्शकों ने पसंद किया गया। हेमा मालिनी को पहली सफलता वर्ष 1970 में प्रदर्शित फिल्म जॉनी मेरा नाम से हासिल हुयी। इसमें उनके साथ अभिनेता देवानंद मुख्य भूमिका में थे। फिल्म में हेमा और देवानंद की जोड़ी को दर्शकों ने सिर आंखों पर लिया और फिल्म सुपरहिट रही।

युवा कांग्रेस ने शुरु किया 'नौकरी दो, नशा नहीं' अभियान

नई दिल्ली: युवा कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्तर पर अपने महत्वपूर्ण 'नौकरी दो, नशा नहीं' अभियान शुरु कर दिया है और इसे हर प्रदेश, जिला तथा गांव स्तर तक पहुंचाया जाएगा। युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदयभानु चिब ने बुधवार को यहां देश के विभिन्न हिस्सों से आये संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ इस अभियान की शुरुआत की और कहा कि उनक संगठन देश के हर युवा तक पहुंचने के लिए यह आंदोलन कर रहा है। इस अभियान का मकसद है कि देश के युवाओं को रोजगार मिले और नशे की तरफ धकेलने की नीति खत्म हो। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिब ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बढ़ती बेरोजगारी और नशे के कारोबार ने देश की युवा पीढ़ी को तबाह कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने युवाओं के भविष्य को खतरे में डाल दिया है, इसलिए उनके संगठन ने युवाओं को न्याय दिलाने के लिए 'नौकरी दो, नशा नहीं' अभियान का शंखनाद किया है।

गुणवत्ता को एक मात्र विकल्प बनाए विनिर्माता : पीयूष गोयल

नई दिल्ली: केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने देश के विनिर्माताओं को अपने उत्पादों के विनिर्माण में गुणवत्ता को मूल मंत्र बनाने की अपील करते हुए बुधवार को कहा कि गुणवत्ता आदत में बैठना चाहिए ताकि यह ग्राहकों के लिए एक मात्र विकल्प रहे। सरकार के एक लाख करोड़ रुपये के अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) के बारे में उन्होंने कहा कि इस कोष के माध्यम से सरकार उद्योग के लिए नवाचार का समर्थन करेगी, ताकि विकसित भारत के लिए गुणवत्ता के साथ-साथ इसे भी एक शर्त बनाया जा सके। गोयल ने राजधानी में भारतीय गुणवत्ता प्रबंधन प्रतिष्ठान (आईएफक्यूएम) संगोष्ठी के समापन सत्र में सभी हितधारकों से आग्रह किया कि वे गुणवत्ता को देश के उद्योग जगत का परम धेय बनायें।

टीवी को कंप्यूटर में बदल देगा 'जियो क्लाउड पीसी'

नई दिल्ली: रिलायंस जियो ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2024 में एक ऐसी टेक्नोलॉजी का प्रदर्शन किया है जिससे घरों के स्मार्ट टीवी को आसानी से कंप्यूटर में बदला जा सकेगा। जियो क्लाउड पीसी नाम की यह तकनीक टीवी को कंप्यूटर में तब्दील कर देगी। इसके लिए बस इंटरनेट कनेक्शन, स्मार्ट टी वी, टाइपिंग की-बोर्ड, माउस और जियो क्लाउड पीसी ऐप की दरकार होगी। जिनके टीवी स्मार्ट नहीं हैं उनके साधारण टीवी भी जियो फाइबर या जियो एयर फाइबर के साथ आने वाले सेट-टॉप बॉक्स के माध्यम से कंप्यूटर बन सकते हैं। दरअसल जियो क्लाउड पीसी एक ऐसी तकनीक है जिससे कोई भी टीवी इंटरनेट के माध्यम से क्लाउड कंप्यूटिंग से जुड़ सकेगा। इसका इस्तेमाल भी आसान है, उपभोक्ता को बस ऐप में लॉगइन करना होगा।

गठबंधन सरकार जम्मू-कश्मीर में लोगों के अधिकार बहाल करेगी: राहुल गांधी

● नई दिल्ली,

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा बुधवार को जम्मू-कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के नेता उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में गठित सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए और कहा कि गठबंधन सरकार वादे पूरे कर अवाम के अधिकारों को बहाल करेगी।

कांग्रेस नेताओं ने 'एक्स' पर कहा कि राज्य की इंडिया समूह सरकार हर स्तर पर जनता के हक की लड़ाई लड़ेगी और जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ न्याय करके उन्हें उनका हक देगी। गांधी ने कहा कि आज, जम्मू-कश्मीर में इंडिया समूह के वरिष्ठ नेताओं के साथ प्रदेश के नवनियुक्त मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुआ। जम्मू-कश्मीर में इंडिया समूह की सरकार, न्याय की, उम्मीदों की, बरकत की सरकार बनेगी। यह जम्मू-कश्मीर के लोगों की सरकार है जो विधानसभा से लेकर दिल्ली तक हर एक प्रदेशवासी के हक और अधिकार के लिए लड़ेगी। श्रीमती वाड्रा ने कहा कि जम्मू- कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनके मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को बहुत- बहुत बधाई। अपने वोट की ताकत से न्याय और लोकतंत्र की आवाज बुलंद करने के लिए जम्मू-कश्मीर की आवाम का शुक्रिया और भविष्य की शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार आवाम के लंबित अधिकारों को वापस दिलाने के साथ-साथ अपने सभी वादों और जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूरे समर्पण से काम करेगी।

इंडिया गठबंधन की सरकार अपने सभी वादों को पूरा करेगी: प्रियंका

बुधवार को श्रीनगर में शपथ ग्रहण समारोह के बाद कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पार्टी नेता प्रियंका गांधी जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ।

पाक आत्मनिरीक्षण करे: जयशंकर

विदेश मंत्री ने एससीओ के शिखर सम्मेलन को किया संबोधित

● इस्लामाबाद,

भारत ने शंघाई सहयोग संगठन (एसीओ) को उसके घोषणापत्र में आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद की चुनौतियों का दृढ़ता से मुकाबला करने की उसकी प्रतिबद्धता बुधवार को याद दिलायी और कहा कि विश्वास, मित्रता, सहयोग और अच्छे पड़ोसी की भावना में कमी हो तो आत्मनिरीक्षण करना चाहिए।

डॉ. जयशंकर ने बुधवार को यहां पाकिस्तान की अध्यक्षता में आयोजित एससीओ के शिखर सम्मेलन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रतिनिधि के रूप में संबोधित किया। उन्होंने अपने भाषण में जलवायु परिवर्तन, आपूर्ति श्रृंखलाओं में अनिश्चितता और वित्तीय अस्थिरता के कारण वैश्विक विकास पर पड़ रहे दुष्प्रभावों पर चिंता जताई और बढ़ती बहु-ध्रुवीयता, वैश्वीकरण और पुनर्संतुलन में क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को प्राथमिकता देने पर बल दिया। विदेश मंत्री ने सबसे पहले, इस वर्ष एससीओ शासनाध्यक्षों की परिषद की अध्यक्षता के लिए पाकिस्तान को बधाई दी और कहा कि हम विश्व मामलों में एक कठिन समय में मिल रहे हैं। दो बड़े संघर्ष चल रहे हैं, जिनमें से प्रत्येक के अपने वैश्विक प्रभाव हैं। कोविड महामारी ने विकासशील दुनिया के कई लोगों को बुरी तरह तबाह कर दिया है। विभिन्न प्रकार के व्यवधान -

चरम जलवायु घटनाओं से लेकर आपूर्ति श्रृंखला अनिश्चितताओं और वित्तीय अस्थिरता तक - वृद्धि और विकास को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऋण एक गंभीर चिंता का विषय है, भले ही दुनिया सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) को प्राप्त करने में पीछे रह गई हो। प्रौद्योगिकी बड़ी संभावनाएं रखती है, साथ ही नयी चिंताओं को भी जन्म देती है। एससीओ के सदस्यों को इन चुनौतियों पर कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए, इसका उत्तर हमारे संगठन के चार्टर में निहित हैं। डॉ. जयशंकर ने कहा कि मैं आपसे अनुच्छेद 01 पर विचार करने का आग्रह करता हूं जो एससीओ के लक्ष्यों और कार्यों को बताता है। आइए हम इसे हमारे सामूहिक विचार के लिए संक्षेप में प्रस्तुत करें। इसका उद्देश्य आपसी विश्वास, मित्रता और अच्छे पड़ोसी को मजबूत करना है। इसका उद्देश्य बहुआयामी सहयोग, विशेषकर क्षेत्रीय प्रकृति का सहयोग विकसित करना है। इसे संतुलित विकास, एकीकरण और संघर्ष की रोकथाम के मामले में एक सकारात्मक शक्ति बनना है।₹ उन्होंने कहा,₹ चार्टर समान रूप से स्पष्ट था कि प्रमुख चुनौतियां क्या थीं। और ये मुख्य रूप से तीन थे, जिनका मुकाबला करने के लिए एससीओ प्रतिबद्ध थाः एक, आतंकवाद; दो, अलगाववाद; और तीन, उग्रवाद। यदि हम चार्टर की शुरुआत से लेकर आज की स्थिति तक तेजी से आगे बढ़ते हैं, तो ये लक्ष्य और ये कार्य और भी महत्वपूर्ण हैं। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम ईमानदारी से बातचीत करें। यदि विश्वास की कमी है या सहयोग अपर्याप्त है, यदि मित्रता कम हो गई है और अच्छे पड़ोसी की भावना कहीं गायब है, तो निश्चित रूप से आत्मनिरीक्षण करने के कारण हैं और समाधान करने के कारण हैं। समान रूप से, यह तभी होता है जब हम चार्टर के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरी ईमानदारी से दोहराते हैं, तभी हम सहयोग और एकीकरण के लाभों को पूरी तरह से महसूस कर सकते हैं जिसकी इसमें परिकल्पना की गई है।₹ उन्होंने कहा, ₹यह सिर्फ हमारे अपने फायदे का प्रयास नहीं है। हम सभी महसूस करते हैं कि दुनिया बहु-ध्रुवीयता की ओर बढ़ रही है।

नीतीश कुमार से नहीं संभल रहा है बिहार : तेजस्वी

कहा - बिहार में अफसरशाही चरम पर है

● पटना,

बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने बुधवार को कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री एवं जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार का सम्मान करते हैं लेकिन अब उनसे प्रदेश चलने वाला नहीं है, थक चुके हैं, जो स्थिति बिहार में है अब उनसे नहीं संभल रहा है।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता यादव ने बुधवार को बांका में अपनी पार्टी की ओर से आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा कि बिहार में अफसरशाही चरम पर है। चुनाव होता है जनता अपना प्रतिनिधि चुनती है लेकिन बिहार में पूरी तरह से अफसरशाही है, जो भी ट्रांसफर पोस्टिंग होता है बिहार में कैसे होता है प्रदेश के सभी लोग जानते हैं। प्रतिपक्ष के नेता ने केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोला और कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के

पास कोई उपलब्धि नहीं है, जब कोई उपलब्धि ही नहीं है तो फिर ये लोग नफरत फैला रहे हैं। नफरत फैला कर वोट लेते हैं। चुनाव के पहले कहते हैं बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देंगे... चुनाव के बाद ठेंगा दिखा देते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की आरक्षण सीमा 75 प्रतिशत को नौवीं अनुसूचि में नहीं डाल पाए। केंद्र की सरकार आरक्षण विरोधी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रधानमंत्री मोदी के साथ केंद्र सरकार में हैं। अभी कुमार इतनी ताकत रखते हैं कि सरकार को गिरा सकते हैं। राजद नेता ने स्मार्ट मीटर को लेकर कहा कि देश में सबसे महंगी बिजली बिहार में मिलती है।

यूनान द्वीप : प्रवासी नाव डूबी, चार मरे

एथेंस : एजियन सागर में यूनान के द्वीप कोस के तट पर प्रवासियों और शरणार्थियों को ले जा रही एक नाव मंगलवार शाम को डूब गई, जिसके कारण चार लोगों की मौत हो गयी। यूनान के सरकारी चैनल ईआरटी के अनुसार,पीड़ितों में दो महिलाएं और दो बच्चे शामिल थे। बचाव अभियान चल रहा है। हेलेनिक कोस्ट गार्ड ने बताया है कि 26 लोगों को पहले ही बचा लिया गया है। घटना के समय नाव पर कितने लोग सवार थे, इसके बारे में पता नहीं चल पाया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2015 से यूनान शरणार्थियों और प्रवासियों के अनियमित प्रवाह के लिए यूरोपीय संघ में प्रमुख प्रवेश बिंदुओं में से एक रहा है। पिछले नौ वर्षों में दस लाख से अधिक लोग यूनान के तटों पर पहुंच चुके हैं

जापान में बर्ड फ्लू की चेतावनी

टोक्यो : जापान के पर्यावरण मंत्रालय ने उत्तरी जापान में होक्काइडो प्रान्त के दो शहरों में जंगली पक्षियों में एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) का पता लगाने के बाद राष्ट्रव्यापी बर्ड फ्लू अलर्ट को उच्चतम स्तर तक बढ़ा दिया है। मंत्रालय ने होक्काइडो में दो अलग-अलग मामलों में वायरस का पता चलने के बाद यह निर्णय लिया । गौरतलब है कि 30 सितंबर को ओटोबे टाउन में एक बाज़ के शव में वायरस पाया गया था और 08 अक्टूबर को बेत्सुकाई टाउन में जंगली बत्तखों के मल में वायरस का पता चला था। अधिकारी देश भर में जंगली पक्षियों की निगरानी बढ़ाने का आह्वान कर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि हालांकि बर्ड फ्लू आम तौर पर मनुष्यों के लिए तब तक खतरा पैदा नहीं करता है, जब तक कि संक्रमित पक्षियों के साथ अत्यधिक संपर्क न हो।

तमिलनाडु में बारिश का रेड अलर्ट बरकरार

चेन्नई : बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र पिछले छह घंटों के दौरान 15 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया है और गुरुवार सुबह चेन्नई के करीब पडुचेरी और नेल्लोर के बीच उत्तरी तमिलनाडु-दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों को पार कर जाएगा। मौसम विभाग ने बताया कि चेन्नई और उसके आसपास के जिलों में कल रात से रेड अलर्ट जारी किया गया था, लेकिन बारिश कम हो गई है। बारिश मंगलवार रात नौ बजे से कम हो गई, हालांकि शहर और उसके उपनगरों और आसपास के जिलों में मंगलवार देर रात और बुधवार सुबह हल्की से मध्यम बारिश हुई। दिन में ज्यादातर क्षेत्रों में बारिश पूरी तरह से रुक गई, लेकिन दोपहर के आसपास थोड़े समय के लिए बारिश हुई।

बुधवार को भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का गुवाहाटी हवाई अड्डे पर पहुंचने पर असम के मंत्री द्वारा स्वागत किया।

उम्मीद है उमर अपना एजेंडा पूरा करेंगे : राशिद

कहा - कांग्रेस पाखंडियों और भ्रमित लोगों की पार्टी

● श्रीनगर,

अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) के प्रमुख इंजीनियर राशिद ने बुधवार को कहा कि उम्मीद है कि जम्मू-कश्मीर के नये मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला अपना एजेंडा पूरा करेंगे और केंद्र की मोदी सरकार उन्हें पूरा सहयोग देगी।

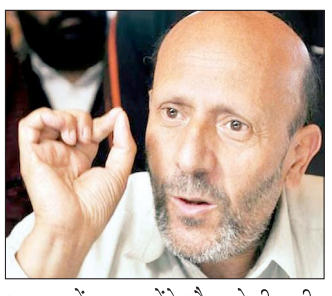

राशिद ने बुधवार को यहां शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में अब्दुल्ला के मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण समारोह के मौके पर राशिद ने संवाददाताओं से कहा कि जम्मू-कश्मीर के मुद्दे हमारे राजनीतिक एजेंडे से बड़े हैं। हमें उम्मीद है कि अब्दुल्ला

अपना एजेंडा पूरा करेंगे और मुझे भी उम्मीद है कि मोदी सरकार उन्हें पूरा समर्थन देगी। उन्होंने हालांकि यह भी कहा कि अब्दुल्ला को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए कुछ दिन इंतजार करना चाहिए था और केंद्र सरकार से पहले जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए कहना चाहिए था। उन्होंने कहा कि वह जो भी करेंगे , मैं उनके साथ खड़ा रहूंगा और जहां भी मुझे लगेगा कि वह लोगों की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर रहे हैं उनका विरोध भी करूंगा। उमर साहब को केंद्र शासित प्रदेश का पहला मुख्यमंत्री बनने का सम्मान मिला है। मैंने उनसे अनुरोध किया था कि वह कुछ दिन और इंतजार करें और अपना पूरा प्रयास करें तथा पहले जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए केंद्र सरकार को राजी करें। मुझे नहीं पता कि उनकी क्या मजबूरियां हैं। कांग्रेस की ओर से नयी सरकार को बाहर से समर्थन दिए जाने के बारे में पूछे जाने पर राशिद ने कहा कि कांग्रेस पाखंडियों और भ्रमित लोगों की पार्टी है। जिसने अब कहा है कि जब तक जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल नहीं हो जाता, वे मंत्रिमंडल में शपथ नहीं लेंगे। यह सरासर झूठ है। उन्होंने आरोप लगाया कि नयी सरकार में कौन मंत्री बनेगा, इस पर कांग्रेस में अंदरूनी कलह है।

बुधवार को अल्जीरिया से मॉरिटानिया के लिए रवाना से होने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ।

■ छाया : एजेंसी

अब 'अंधा' नहीं होगा कानून !

न्याय की देवी की आंखों से पट्टी उतरी, हाथ में थामा संविधान

● नई दिल्ली,

कानून को 'अंधा' भी कह दिया जाता है। क्योंकि, न्याय की देवी की आंखों में पट्टी बंधी होती है. लेकिन अब कानून 'अंधा' नहीं होगा। कानून की देवी की आंखों में बंधी पट्टी हट गई है। बता दें, सुप्रीम कोर्ट में न्याय की देवी की नई मूर्ति लगाई गई है। जिनकी आंखों में पट्टी नहीं है साथ ही उन्होंने अपने हाथ में तलवार की जगह संविधान थामा हुआ है यह मूर्ति सुप्रीम कोर्ट के जजों की लाइब्रेरी में लगाई गई है इस मूर्ति की सबसे बड़ी खासियत है कि उनकी आंखों में पट्टी नहीं है और हाथों में तलवार की जगह संविधान है जबकि न्याय की देवी की परंपरागत मूर्ति में एक हाथ में तराजू तो दूसरे हाथ में तलवार होती है वहीं, नई मूर्ति से यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि देश में कानून अंधा नहीं है और न ही ये सजा का प्रतीक है इस मूर्ति को सुप्रीम कोर्ट के चीफ

जस्टिस, जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने लगवाया है

सुप्रीम कोर्ट के जजों की लाइब्रेरी में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के आदेश पर इस नई प्रतिमा को लगाया गया है इस मूर्ति में दो अहम बदलाव हैं पहला न्याय की देवी की आंखों में पट्टी नहीं लगी है और दूसरा उनके हाथों में तलवार की जगह संविधान है इसका अर्थ है कि संविधान ने नियमों के तहत न्याय होगा । बता दें, कानून की देवी की आंखों में जो पट्टी बंधी होती है उसका एक खास मतलब है आंखों पर बंधी पट्टी कानून के सामने समानता को दर्शाती है इसका मतलब है कि कानून की नजर में सभी बराबर हैं इसमे न पैसे वाले का महत्व, न रुतबा, ताकत और हैसियत को महत्व दिया जाता है अदालतें अपने सामने आने वालों के धन, ताकत और हैसियत को नहीं देखती जबकि उनके हाथ में तलवार का महत्व है कि दोषियों को दंडित करने की शक्ति भी कानून के पास है। जजों की लाइब्रेरी में जो नई मूर्ति लगी है वो सफेद रंग की है उन्होंने भारतीय परिधान- साड़ी पहनी हुई है उनके सिर एक एक मुकुट भी है जिस तरह पौराणिक कथाओं में देवियों के सिर पर मुकुट होने का वर्णन किया जाता है उनके माथे पर बिंदी लगी है उन्होंने आभूषण भी धारण किए हैं उनके एक हाथ में पहले की तरह तराजू है, लेकिन दूसरे हाथ में तलवार की जगह संविधान है।

बुधवार को नई दिल्ली में पहले सक्रिय सदस्य के रूप में अपनी सदस्यता का नवीनीकरण कर रहे हैं और 'सक्रिय सदस्यता अभियान' की शुरुआत करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ।

संपादकीय

इंसाफ अब अंधा नहीं

पता नहीं किसने न्याय की देवी पर पट्टी बांधी होगी। इसका मतलब यही निकाला गया होगा कि न्याय की देवी यह नहीं देखती कि सामने कौन है? इसका मकसद निष्पक्ष न्याय देने का संदेश रहा होगा। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट में न्याय की देवी की जो नई मूर्ति लगाई गई है, इसकी आंखों पर पट्टी नहीं बंधी है। परंपरागत मूर्ति की तरह इसके एक हाथ में तराजू तो है, पर दूसरे हाथ में तलवार की जगह भारत का संविधान है। सांकेतिक रूप से देखा जाए तो कुछ महीने पहले लगी न्याय की देवी की नई मूर्ति साफ संदेश दे रही है कि न्याय अंधा नहीं है। वह संविधान के आधार पर काम करता है। ऐसा बताया जा रहा है कि यह मूर्ति चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की पहल पर लगाई गई है। हालांकि, फिलहाल यह साफ नहीं कि नई मूर्ति पुरानी मूर्ति की जगह स्थाई रूप से लेगी? नई मूर्ति की आंखों पर पट्टी नहीं बंधी है, तो इसका संदेश यही लगता है कि न्याय की देवी सब कुछ देख रही है। देख और सोच समझ कर न्याय होगा। न्याय की देवी के हाथ में तलवार की जगह संविधान बताता है कि तलवार हिंसा की याद दिलाती है, संविधान लोगों को न्याय के प्रति आश्वस्त करता है। लेकिन क्या प्रतीकों के बदलने से न्याय आसानी से सुलभ होने लगेगा? भारत में न्याय आज भी इतना महंगा है कि उसे हर कोई सहन नहीं कर सकता। सवाल यह भी है कि क्या प्रतीकों के बदलने से उन जजों की मानसिकता भी बदलेगी, जो ऐसे फैसले देते हैं, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट को पलटना पड़ता है। होना तो यह चाहिए कि कानून इतना सस्ता हो, जिससे आम आदमी भी उसका फायदा ले सके, लेकिन ऐसा होता नहीं है। वकीलों की कमी के कारण देशभर की जिला अदालतों में 66,59,565 मामले लंबित हैं। इनमें 5.1 लाख से अधिक आपराधिक मामले हैं। राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड ने 14 सितंबर, 2024 तक जिला अदालतों में लंबित मामलों को लेकर यह जानकारी दी। वकीलों की कमी के अलावा बार-बार अपील, डिक्री के निष्पादन, केस रेकॉर्ड की अनुपलब्धता के कारण भी कई मामले लंबित हैं। मुकदमों में देरी के कारण कई बार पक्षकार भी परेशान हो जाते हैं। पक्षकारों की रुचि नहीं होने के कारण आठ लाख से ज्यादा मामले लंबित हैं। अदालतों में 99,038 मामले तीस साल से अधिक समय से चल रहे हैं। एनजेडीजी जिला अदालतों में लंबित मामलों का कारण जानने का प्रयास करता है। ऐसे में सिर्फ न्याय की देवी की आंखों से पट्टी हटा देने और उसके हाथ में तलवार की जगह संविधान देने से काम नहीं चलेगा।

सिर्फ न्याय की देवी की आंखों से पट्टी हटा देने और उसके हाथ में तलवार की जगह संविधान देने से काम नहीं चलेगा। न्याय सस्ता और त्वरित भी होना चाहिए।

पाठकवाणी

कांग्रेस जनता के सबक को समझे

हरियाणा और जम्मू कश्मीर के चुनाव परिणाम राजनीतिक चिंतन का मुद्दा है। आमतौर पर पार्टियां अपनी हार/जीत के बाद उस पर मनन अवश्य करती है ताकि भविष्य में कुछ और अच्छा प्रदर्शन किया जा सके। दोनों राज्यों में कांग्रेस भाजपा के अलावा क्षेत्रीय दल पूरी तरह नकार दिए गए हैं, लेकिन बावजूद इसके कांग्रेस की स्थिति और बदतर हुई है, क्योंकि हरियाणा का भरोसा उसे ले डूबा तो कश्मीर में भी वह एक बहुत छोटे से ओहदे पर सिमट गई है। राष्ट्रीय दल के लिए इससे बड़ी शर्मनाक स्थिति और क्या हो सकती है? हरियाणा में भाजपा ने हैट्रिक लगाकर अपने विकासवादी एजेंडे को मजबूत किया है। पार्टी के कुनबे में अंतर्कलह और कई बड़े नामी नेताओं द्वारा पार्टी छोड़कर चुनाव लड़ने के बावजूद बहुमत के साथ सत्ता पर काबिज होना पार्टी प्रबंधन की कुशलता है। इसके विपरीत कांग्रेस लगातार खाई में गिरती जा रही है। हरियाणा में मतदाताओं द्वारा नकारे जाने के बाद जम्मू कश्मीर में भी सरकार में उसकी एक सहयोगी दल की भूमिका में होना पार्टी नेताओं के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। बड़बोले बोल, बदजुबानी और अकल्पनीय रोजगार देने के वादे कांग्रेस की लुटिया डुबोने के लिए जिम्मेदार रहे हैं। वैसे कांग्रेस नेता 'अपने पास था ही क्या जो खोया' का चिंतन करके आत्म संतुष्ट हो सकते हैं।

-अमृतलाल मारू 'रवि', इंदौर

कुछ खास

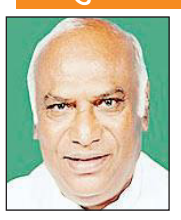

हमें खुशी है कि जम्मू कश्मीर में हमारे गठबंधन से कोई सीएम बना है। यहां लंबे समय के बाद लोकतंत्र स्थापित हुआ है। ये लोकतंत्र को जिंदा रखने और संविधान के तहत सरकार चलाने का मौका है। हम जम्मू-कश्मीर को स्टेटहुड दिलाकर रहेंगे।

-**मल्लिकार्जुन खरगे**, कांग्रेस अध्यक्ष

आज का ट्वीट

''संविधान सिखाने वाले क्या उनको भी सिखाएंगे जो मस्जिदों के बाहर नारे लगाते है जो हिन्दू राष्ट्र की मांग करते हैं? पूर्व पत्रकार वर्तमान के विधायक जल्द ही पूर्व विधायक कहलाएंगे।''

-आदिल आजमी

साइबरवर्ल्ड

डर का पर्याय नफरत है

उन्हें खुद नही मालूम कि ये नफरत कर किससे रहे हैं? उनके पास बैकअप है और उन्हें महज एंडवेंचर चाहिए। देर रात में किसी अनजान और सुनसान सड़क पर आप गुजर रहे हों,आपकी गाड़ी खराब हो जाए या फिर आप पैदल ही चल रहे हैं। आप बेशक इस बात से इनकार कर दो, लेकिन आपको डर लग रहा है। वो डर किसी जानवर, किसी रूह, किसी डकैत, किसी का भी हो सकता है। आपको खुद नहीं मालूम कि वाकई जिस सड़क पर आप अकेले चल रहे हैं, वहां वाकई कोई रूह, जानवर या डकैत है भी या नहीं। लेकिन आपको डर लग रहा है, क्योंकि आपने इस डर की कहानियां सुन रखी हैं। अपने जेहन में बसा रखी हैं। आप जब कभी भी किसी समान परिस्थिति पर खुद को अकेले पाओगे यही कहानियां याद आएंगी। आप डरते रहोगे। कट्टरतावादी संगठन में उनसे जुड़े लोगों को ऐसे ही एक डर के सहारे सदस्य बनाया जाता है। ये डर है मुसलमानों की हिंसा का, जो मुगलिया कहानियों को सुना-सुना के इनके जेहन में बसाया गया है। आपने अक्सर कुछ बातें सुनी होंगी जो आपको प्रासंगिक ही मिल जाएगी। मेरा भी मुसलमान दोस्त है। लेकिन वो बाकी मुसलमानों के जैसा नहीं है। ऐसा ही हर कट्टर हिंदू कहते आपको मिल जाएगा। हमारे यहां तो फिर भी शांति है। आप फलाने जगह की मुसलमानों की बस्ती से अकेले गुजर भी नहीं सकते। गुजर गए तो जिंदा बाहर नहीं निकलोगे। ये वही डर है, जिसका कोई ओर छोर नहीं है, लेकिन मासूम हिंदू डर गया है। सारा काम धंधा छोड़कर खुद को जबरन का इकट्ठा कर रहा है। डर का दूसरा पर्याय नफरत है। आप रूह से, जानवर से, डकैतों से अगर डर रहे हैं, तो आप उससे नफरत कर रहे हैं। आप इन्हें अकेले अपने नजदीक कभी भी देखना नहीं चाहेंगे। लेकिन आप अगर संगठन में हैं तो इन सभी डर का सामना जरूर करना चाहेंगे, क्योंकि यह आपके लिए एडवेंचर होगा। झुंड हर डर को खत्म करता है और एंडवेंचर देता है। ये एंडवेंचर वही मीठा इमोशन है जो नशे में धुत्त इंसान को मिलता है। जिसको बार बार इंसान लेने की लत लगा बैठता है।

-**हर्षितेश्वर** की फेसबुक वॉल से

यूपी में 'गुजरात मॉडल'?

सामयिक

शाहीन सबा

सोमवार 14 अक्टूबर की शाम एक न्यूज चैनल की महिला एंकर यूपी के बहराइच में हुई सांप्रदायिक हिंसा के बहाने चर्चा में शामिल बीजेपी प्रवक्ता और और 'आरएसएस के बुद्धिजीवी' को 'इस्लामोफोबिया' फैलाने का भरपूर मौका देने में जुटी थी। उसने अपनी बात को और प्रामाणिक बताने के लिए महाराजगंज कस्बे में हुई झड़प के पहले का वीडियो दिखाने का ऐलान किया। वीडियो में दिखा कि प्रतिमा विसर्जन का जुलूस एक जगह रुका है और डीजे पर जोर-जोर से गाना बज रहा है- 'चाहे जितना जोर लगा लो...चाहे जितना शोर मचा लो...जीतेगी बीजेपी, यूपी में तो जीत के आएंगे फिर योगी जी...!' जाहिर है एंकर झेंप गई। दुर्गा पूजा से जुड़े किसी शास्त्र में ऐसा श्लोक या भजन नहीं है जिसमें बीजेपी की जीत की कामना की गयी हो। स्पष्ट हुआ कि महाराजगंज में प्रतिमा विसर्जन के बहाने बीजेपी और आरएसएस के लोग सीधे अपना शक्ति-प्रदर्शन कर रहे थे और राजनीतिक विरोधियों को ललकार रहे थे। इसका धर्म के किसी आयाम से कोई लेना-देना नहीं था। यह सीधे-सीधे धर्म और त्योहारों के राजनीतिक इस्तेमाल का मामला था। नतीजे में एक नौजवान को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा, दर्जनों जेल में हैं और बड़ी तादाद में घर और दुकानें यहां तक अस्पताल तक फूंक डाले गए हैं। बहराइच में जो क्षति हुई वह समाज की, प्रदेश की और देश की है। लेकिन इससे राजनीतिक लाभ की शर्मनाक कोशिश कौन कर रहा है, यह भी स्पष्ट है।

रणनीति बहुत स्पष्ट है। धार्मिक जुलूस में शामिल बीजेपी और आरएसएस के कार्यकर्ता किसी मस्जिद के सामने जुलूस रोक देते हैं। वहां जमकर आपत्तिजनक नारे लगाये जाते हैं। डीजे से जोर-जोर से बीजेपी के प्रचार गाने बजाये जाते हैं। अल्पसंख्यकों का धार्मिक झंडा उखाड़ दिया जाता है या फिर मस्जिद की मीनार पर भगवा फहराया जाता है।

सिर्फ कल्पना की जा सकती है कि इस घटना में जान गंवाने वाले नौजवान रामगोपाल मिश्र की पत्नी और मां-बाप परक्या बीत रही होगी। रामगोपाल की छह महीने पहले ही शादी हुई थी। उसकी हत्या की जितनी निंदा की जाये कम है और हत्यारों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। यह सवाल भी है कि जब रामगोपाल हरा झंडा उखाड़ कर भगवा झंडा फहरा रहा था तो पुलिस हाथ पर हाथ धरे क्यों बैठी हुई थी? जिन वीडियो में यह दिखायी दे रहा है कि रामगोपाल झंडा उखाड़ने की कोशिश में छत की रेलिंग तोड़ रहा है, उसमें पुलिस का कोई जवान क्यों नहीं है? क्या पुलिस ऐसा चाहती थी कि झंडा उखाड़ा जाए, फिर उसकी प्रतिक्रिया हो? न पुलिस ने छत पर चढ़ने से रामगोपाल को रोका और न झंडा उखाड़ने से। अगर उसे रोक लिया जाता या बाद में ही पुलिस पकड़ लेती तो शायद हत्यारों को गोली मारने का मौका नहीं मिलता।

ऐसी घटना वहीं हो सकती है जहां सरकार या तो अनुपस्थित हो, या फिर वह ऐसा होने देना चाहती हो। चूंकि यूपी में योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री पद पर आसीन हैं और कानून व्यवस्था पर उनके 'लौह नियंत्रण' के 'विज्ञापन' हर तरफ छाये हुए हैं तो यही माना जाना चाहिए कि जो कुछ हुआ योगी सरकार की मर्जी से हुआ। दुर्गा प्रतिमा के विसर्जन का जुलूस 13 अक्टूबर की शाम को निकला था जब झगड़ा हुआ, लेकिन प्रशासन 14 अक्टूबर को भी हाथ पर हाथ धरे बैठा रहा जब लाठी-डंडों और हथियारों के साथ निकाले गए जुलूस ने अल्पसंख्यकों से जुड़ी संपत्ति और प्रतिष्ठानों पर जगह-जगह तोड़फोड़ और आगजनी की। कई शोरूम यहां तक कि अस्पताल तक जला दिया गया। कई घरों पर हमले हुए। क्या प्रशासन के मुस्तैद रहते ऐसा संभव हो सकता था? जाहिर है नहीं। प्रशासन का पहला काम होता है कि वह तनाव की स्थिति में भीड़ न इकट्ठा होने दे। इसी तर्क पर 2020 में हाथरस में सामूहिक बलात्कार का शिकार हुई दलित लड़की की लाश को योगी प्रशासन ने पेट्रोल डालकर जला दिया था। अंतिम संस्कार के लिए लाश मांग रहे परिजनों को पुलिस ने घर में कैद कर दिया था। बहराइच में ऐसी मुस्तैदी नहीं दिखायी गयी। हिंसा को ग्रामीण क्षेत्रों में फैलने दिया गया जबकि इसे आसानी से रोका जा सकता था जैसा कि एक दिन बाद रोका गया। ऐसे में एक ही नतीजा निकलता है कि सत्ता संरक्षण में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हमले को संगठित करके वोट बटोरने का टेस्टेड 'गुजरात मॉडल' यूपी में दोहराने की कोशिश की जा रही है। योगी आदित्यनाथ ने बीते दिनो 'बंटोगे तो कटोगे' जैसा जहरीला नारा देकर जो परिदृश्य खींचा था, बहराइच की आग से उसमें रंग भरने की कोशिश की गयी है।

दुर्गा पूजा के जुलूस बीजेपी सरकारों के आने से पहले भी निकलते रहे हैं। यूपी जिस गंगा-जमुनी तहजीब पर गर्व करता रहा है उसमें कोई दुर्गा प्रतिमा पर पत्थर फेंकने की कल्पना भी नहीं कर सकता है। उल्टा दुर्गा प्रतिमा के निर्माण से लेकर साज-सज्जा की चीजें बनाने तक में मुस्लिम समुदाय शामिल रहता आया है। रामलीलाओं में मुस्लिमों की भूमिका बड़े पैमाने पर होती रही है। राजधानी लखनऊ से सटे हुए बख्शी का तालाब इलाके की मशहूर रामलीला आज भी एक मुस्लिम परिवार आयोजित करता है। यही नहीं, लखनऊ के अलीगंज का मशहूर हनुमान मंदिर भी अवध के आखिरी बादशाह वाजिद अली शाह की दादी आलिया बेगम का बनवाया हुआ है और अयोध्या की हनुमानगढ़ी के प्रसिद्ध मंदिर का निर्माण नवाब शुजाउद्दौला ने कराया था और इसके संचालन के लिए 52 बीघा जमीन भी दान दी थी।

ऐसे उत्तर प्रदेश में धार्मिक जुलूसों पर हमले या पत्थरबाजी सहज नहीं है। आखिर रामगोपाल मिश्र के मन में ये विचार किसी ने तो भरे होंगे कि वह मकान की छत पर जाकर हरा झंडा उखाड़कर भगवा फहरा दे। क्या ये हिम्मत किसी के अंदर बिना सत्ता के संरक्षण के आ सकती है? बीजेपी से लेकर आरएसएस तक और योगी आदित्यनाथ से लेकर पीएम मोदी तक, इस समय एक ही आख्यान गढ़ने में जुटे हैं कि हिंदू खतरे में है। यह अलग बात है कि वे ऐसा कहकर अपने दस साल के शासन पर ही टिप्पणी कर रहे हैं जिसके रहते हिंदू खतरे में है। जिस देश में पीएम से लेकर सीएम तक और डीएमसे लेकर चपरासी तक के पदों पर हिंदू बैठे हुए हैं, सेना और पुलिस में भी हिंदुओं का ही बोलबाला है, वहां हिंदू खतरे में है कहना या तो हीनभावना की उपज है या फिर कोई षड्यंत्र।

रणनीति बहुत स्पष्ट है। धार्मिक जुलूस में शामिल बीजेपी और आरएसएस के कार्यकर्ता किसी मस्जिद के सामने जुलूस रोक देते हैं। वहां जमकर आपत्तिजनक नारे लगाये जाते हैं। डीजे से जोर-जोर से बीजेपी के प्रचार गाने बजाये जाते हैं। अल्पसंख्यकों का धार्मिक झंडा उखाड़ दिया जाता है या फिर मस्जिद की मीनार पर भगवा फहराया जाता है। यह सब पुलिस के सामने होता है जो बहुत आसानी से ऐसी घटनाएं रोक सकती हैं। रूट तय करते समय से ही सतर्कता बरत सकती है।

लोकसभा चुनाव में बहुमत पाने में नाकाम रहने और यूपी में तगड़ा झटका खाने के बाद बीजेपी और आरएसएस समाज को सांप्रदायिक विद्वेष में झोंककर सत्ता पर ढीली हुई पकड़ को फिर से मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। यूपी में दस सीटों पर होने जा रहे विधानसभा उपचुनाव को हर हाल में जीतना है। राहुल गांधी की जाति जनगणना की मांग और अखिलेश यादव के पीडीए के नारे का उनके पास कोई सकारात्मक काट नहीं है। उन्हें हर हाल में मालिक बनना है, चाहे पूरा देश मलबा हो जाये। अब जनता को सोचना है कि वह अपने प्यारे देश को मलबा बनने देगी या नहीं।

अमृतवाणी

खुशी और संतुष्टि

एक राजा का जन्म दिन था। सुबह जब वह घूमने निकला तो उसने तय किया कि वह रास्ते में मिलने वाले सबसे पहले व्यक्ति को आज पूरी तरह से खुश व सन्तुष्ट करेगाउसे एक भिखारी मिला। भिखारी ने राजा सें भीख मांगी तो राजा ने भिखारी की तरफ एक तांबे का सिक्का उछाल दिया। सिक्का भिखारी के हाथ सें छूट कर नाली में जा गिरा। भिखारी नाली में हाथ डालकर तांबे का सिक्का ढूंढने लगा। राजा ने उसे बुलाकर दूसरा तांबे का सिक्का दे दिया। भिखारी ने खुश होकर वह सिक्का अपनी जेब में रख लिया और वापिस जाकर नाली में गिरा सिक्का ढूंढने लगा राजा को लगा कि भिखारी बहुत गरीब है। उसने भिखारी को फिर बुलाया और चांदी का एक सिक्का दिया। भिखारी ने राजा की जय-जयकार करते हुये चांदी का सिक्का रख लिया और फिर नाली में तांबे वाला सिक्का ढूंढने लगा राजा ने उसे फिर बुलाया और अब भिखारी को एक सोने का सिक्का दिया। भिखारी खुशी से झूम उठा और वापिस भागकर अपना हाथ नाली की तरफ बढाने लगा। राजा को बहुत बुरा लगा। उसे खुद से तय की गयी बात याद आ गयी कि पहले मिलने वाले व्यक्ति को आज खुश एवं सन्तुष्ट करना है। उसने भिखारी को फिर से बुलाया और कहा कि मैं तुम्हें अपना आधा राज-पाट देता हूं। अब तो खुश व सन्तुष्ट हो जाओ। भिखारी बोला, सरकार! मैं तो खुश और संतुष्ट तभी हो सकूंगा, जब नाली में गिरा हुआ तांबे का सिक्का भी मुझे मिल जाएगा। हमारा हाल कैसा है? हमें परमात्मा ने मानव रूपी अनमोल खजाना दिया है और हम उसे भूलकर संसार रूपी नाली में तांबे के सिक्के निकालने के लिए जीवन गंवाते जा रहे हैं। इस अनमोल मानव जीवन का हम सही इस्तेमाल करें, हमारा जीवन धन्य हो जाएगा।

तीखी नजर

टमाटर के नखरे दिखाने के दिन

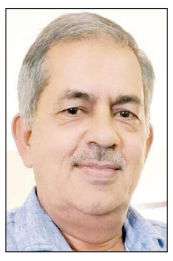

सुधाकर आशावादी

बाजार का नियम है, कि जब डिमांड अधिक हो, और माल कम तब वस्तुओं के दाम बढ़ जाते हैं और प्रतिकूल स्थिति में जब माल अधिक हो और डिमांड कम, तो वस्तुओं के दाम कम हो जाते हैं। मांग और पूर्ति के नियम से ही वस्तुओं के दाम बढ़ते रहते हैं। शेयर बाजार का भी यही खेल है। न जाने कब कोई शेयर आसमान छूने लगे और कौन धड़ाम हो जाए। बहरहाल आम आदमी की प्रारंभिक जरूरत की चर्चा कर लेते हैं। लगभग आधा दशक पहले रोटी, कपड़ा और मकान को लेकर एक फिल्म आई थी, जिसमें महंगाई का विश्लेषण करते हुए बताया गया था कि पहले मुट्ठी में पैसे लेकर थैला भर चीजें लाते थे, अब थैले मेंपैसे जाते हैं, मुट्ठी में चीजें लाते हैं। आज भी स्थिति बिलकुल वैसी ही है। पैसे का मूल्य घटता है और वस्तुओं का मूल्य बढ़ता का रहा है।

एक सुबह मैं सब्जी मंडी में गया। तो पाया कि अधिकांश सब्जियां अपने अहंकार में चूर हैं। एक दूसरे को नीचा दिखाने पर तुली हैं। मैं सबसे पहले आलू के पास गया। वह अपनी ही अकड़ में था। मैंने पूछा-भाव क्या है? वह बोला-दस रुपये का ढाई सौ ग्राम। मैंने कहा कि तुम्हें ढाई सौ ग्राम कौन खरीदता है, पांच किलो का भाव बताओ? वह बोला - दो सौ रुपये का पांच किलो। मैंने कहा-इतना महंगा? वह बोला-नर्सिंग होम यानी शीत गृह से आया हूं, रखरखाव में पैसा खर्च करके आया हूं, सो खर्चा तो वसूल करूंगा ही।

आगे बढ़ा। रसोई की शान प्याज से मुलाकात करनी थी। नासिक से बाजार में बिकने आई प्याज से मैंने पूछा-कैसी हो ? वह बोली-मैं तो पहले जैसी ही हूं, न सावन सूखी, न भादो हरी। मैंने कहा-तुम्हारे भी भाव आजकल बहुत बढ़े हुए हैं? प्याज बोली-सर मेरे ही भाव बढ़े हुए या सबके भाव बढ़े हुए हैं, यदि कड़वा करेला अपने भाव बढ़ा सकता है, लौकी, तोरई, भिंडी, गोभी अपने भाव बढ़ा सकते हैं, तो मैं क्यों नहीं?

अब टमाटर की बारी थी। मैंने कहा-टमाटर जी, तुम गरीब की थाली से दूर हो चुके हो, कुछ तो रहम करो, गरीब की थाली पर भी ध्यान धरो। टमाटर जी ने हिकारत से मुझे घूरा और कहने लगे-तुम्हें मेरे अच्छे दिन अच्छे नहीं लगते। तुम्हें मैं दस रुपये किलो के भाव में बिकता हुआ ही अच्छा लगता हूं। जब तुम मेरी बेकदरी करते हो, मेरी उपयोगिता नकार कर मुझे सड़कों पर फिकवाते हो। मुझे किसी भी भाव पर मुंह नहीं लगाते हो। पूरे बरस मैं कितना कुछ सहता हूं, कभी कूड़े पर,कभी फर्श पर तो कभी अर्श पर रहता हूं। अब यदि अर्श पर हूं तो तुम्हें अखरता हूं। वैसे मेरे बिना तुम्हें भोजन में स्वाद नहीं मिलता, फिर भी तुम मुझे उचित सम्मान देने में संकोच करते हो ? टमाटर जी उत्साह से लबरेज थे। उनकी बात मेरी समझ में आ गई। कभी उन्हें दस रुपये किलो खरीदने से पहले भी सौ बार सोचता था, मगर अब तीस रुपये में ढाई सौ ग्राम खरीद कर ही मुझे संतोष करना पड़ा। लौटते समय मन को समझा रहा था कि सबके सब दिन एक से नहीं रहते, अच्छे दिनों पर सबका अधिकार है, चाहे कोई भी हो।

नजरिया

उमर अब्दुल्ला की राहें नहीं आसान

दिलीप कुमार पाठक

धारा 370 खत्म होने के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है, उमर अब्दुल्ला केंद्र शासित बने जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री होंगे। हालांकि, उमर अब्दुल्ला के लिए राह उतनी आसान नहीं होगी, क्योंकि अनुच्छेद 370 हटने और केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू-कश्मीर का 'पावर' गेम बहुत बदल गया है और जम्मू-कश्मीर की राजनीति के लिए यह सबसे अहम पहलू है। जब उमर अब्दुल्ला मुख्यमंत्री हुआ करते थे तब जम्मू-कश्मीर पूर्ण राज्य हुआ करता था और अब ये केंद्र शासित प्रदेश है। तब जम्मू-कश्मीर विधानसभा का कार्यकाल 6 साल का था, अब बाकी राज्यों की तरह ही 5 साल होगा। तब राज्य से जुड़े फैसले लेने की सारी शक्तियां विधानसभा और मुख्यमंत्री के पास होती थीं, सारे के सारे कानून बनाने की शक्तियां सीएम के पास होती थीं, लेकिन अब काफी हद तक सारा कंट्रोल उपराज्यपाल के हाथ में होगा। मोदी सरकार का स्वभाव वैसे भी राज्यों में दखल देने का रहा है। जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का वायदा करने वाली मोदी सरकार ने आजतक बहाल नहीं किया है, जबकि यह निर्णय केंद्र सरकार के अधीन होता है। देखना दिलचस्प होने वाला है कि मोदी सरकार पूर्ण राज्य का दर्जा देती है या लटकाए रहती है, क्योंकि जम्मू - कश्मीर में हालात कैसे रहेंगे इस नव गठित सरकार के हाथ में भी रहने वाला है।

सरकार को भले ही पुलिस और कानून व्यवस्था को छोड़कर बाकी मामलों में कानून बनाने का अधिकार है, लेकिन उसके लिए उपराज्यपाल की मंजूरी जरूरी होगी। इतना ही नहीं, उपराज्यपाल का नौकरशाही और एंटी-करप्शन ब्यूरो पर भी नियंत्रण होगा।

2019 के बाद जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक संरचना भी पूरी तरह से बदल गई है और अब वहां सरकार से ज्यादा बड़ी भूमिका उपराज्यपाल की हो गई है। 2019 का कानून कहता है कि पुलिस और कानून व्यवस्था को छोड़कर जम्मू-कश्मीर विधानसभा बाकी सभी मामलों पर कानून बना सकती है। लेकिन एक पेच भी है। अगर राज्य सरकार राज्य सूची में शामिल किसी विषय पर कानून बनाती है तो उसे इस बात का ध्यान रखना होगा कि इससे केंद्रीय कानून पर कोई असर न पड़े। इसके अलावा, इस कानून में ये भी प्रावधान किया गया है कि कोई भी बिल या संशोधन विधानसभा में तब तक पेश नहीं किया जाएगा, जब तक उपराज्यपाल ने उसे मंजूरी न दे दी हो। अब जम्मू-कश्मीर में उपराज्यपाल ही एक तरह से सब कुछ है। सरकार को भले ही पुलिस और कानून व्यवस्था को छोड़कर बाकी मामलों में कानून बनाने का अधिकार है, लेकिन उसके लिए उपराज्यपाल की मंजूरी जरूरी होगी। इतना ही नहीं, उपराज्यपाल का नौकरशाही और एंटी-करप्शन ब्यूरो पर भी नियंत्रण होगा। इसका मतलब हुआ कि उपराज्यपाल सरकारी अफसरों का ट्रांसफर और पोस्टिंग उपराज्यपाल की मंजूरी से होगा। इसके अलावा,

उपराज्यपाल के किसी भी काम की वैधता पर इस आधार पर सवाल नहीं उठाया जा सकता कि उन्हें ऐसा करते वक्त अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए था या उन्होंने विवेक का इस्तेमाल नहीं किया था। उनके किसी फैसले को अदालत में इस आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती कि उन्होंने फैसला लेते वक्त मंत्री परिषद की सलाह ली थी या नहीं ली थी।

कांग्रेस की राजनीतिक चाल ने कश्मीर की नई सरकार के लिए चिंता की लकीरें खींच दी हैं। कांग्रेस ने उमर अब्दुल्ला सरकार को समर्थन तो दिया है लेकिन समर्थन बाहर से दिया है, बाहर से समर्थन देने का मतलब है कि कांग्रेस मंत्रिमण्डल में शामिल नहीं होगी। जम्मू कश्मीर में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने के बावजूद कांग्रेस उमर अब्दुल्ला की सरकार में शामिल नहीं हुई है। कांग्रेस की तरफ से अब्दुल्ला कैबिनेट में कोई भी मंत्री नहीं बना है। वो भी तब, जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी खुद श्रीनगर जाकर सरकार के शपथग्रहण में शामिल हुए हैं। कांग्रेस के इस फैसले की अब चर्चा हो रही है कि आखिर पार्टी ने उमर कैबिनेट में अपने कोटे से मंत्री क्यों नहीं दिए? कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक इसकी 4 बड़ी वजहें हैं-जम्मू कश्मीर के चुनावी इतिहास में पहली बार कांग्रेस का प्रदर्शन काफी खराब है। पार्टी 6 सीटों पर सिमट गई है। ऐसे में कहा जा रहा है कि कांग्रेस हाईकमान ने पार्टी के किसी विधायक को कैबिनेट में न शामिल कर स्थानीय नेताओं को जमीन पर मेहनत करने का संदेश दिया है। जम्मू कश्मीर में कांग्रेस कोटे से एक भी हिंदू विधायक नहीं जीता है। ऐसे में पार्टी के सियासी समीकरण सध नहीं रहे थे। कश्मीर का मुस्लिम वोट बैंक पीडीपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के पक्ष में रहा है। उमर अब्दुल्लाह और उनकी पार्टी 370 को वापस लाने के पक्ष में है। कांग्रेस स्टेटहूड की सिर्फ मांग कर रही है। सरकार में पार्टी अगर शामिल होती तो अन्य राज्यों में उसके लिए सियासी बैकफायर कर जाता, इसलिए भी पार्टी ने सरकार में शामिल न होने का फैसला किया है

कांग्रेस के दिल्ली में बैठे नेता साकेतिक भागीदारी नहीं चाहते थे। 6 विधायक जीते, इनमें 3 दिग्गज कांग्रेस की तरफ से इस बार जम्मू कश्मीर में 6 विधायकों ने जीत हासिल की है। इनमें पीरजादा मोहम्मद सईद, तारिक हामिद कर्रा, गुलाम अहमद मीर जैसे दिग्गज का नाम शामिल हैं। कर्रा घाटी में कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। कांग्रेस ने गुलाम अहमद मीर को कांग्रेस विधायक दल का नेता चुना है। कांग्रेस ने घाटी में 37 उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन जम्मू और चिनाब रीजन में पार्टी पूरी तरह साफ हो गई। अतः कांग्रेस रणनीति है कि इतना औसत प्रदर्शन के बावजूद नेताओं को मंत्री पद मिलना मतलब जमीन से दूर कर सकता है, इंडिया गठबंधन का धर्म निभाने के नाम पर कांग्रेस उमर अब्दुल्ला को समर्थन तो दे रही है, लेकिन सरकार में शामिल नहीं होना चाहती यह हैरान करने वाला है...बदल चुके जम्मू-कश्मीर के नए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की राहें आसान नहीं रहने वाली हैं।

सार संक्षेप

साय ने किया सूर्य कुमार यादव को सम्मानित

रायपुर : छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बुधवार को राजधानी रायपुर में आयोजित 27वें वन खेलकूद महोत्सव में विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे। इस अवसर पर साय ने भारतीय टी-20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्य कुमार यादव को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने यादव को छत्तीसगढ़ की पारंपरिक शॉल और श्रीफल भेंट कर उनका अभिनंदन किया और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सूर्य कुमार यादव जैसे खिलाड़ी युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं और उनके खेल कौशल ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का मान बढ़ाया है। उन्होंने यादव की खेल भावना और उनकी उपलब्धियों की भी सराहना की। इस मौके पर सूर्य कुमार यादव ने छत्तीसगढ़ के खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों की सराहना करते हुए राज्य में खेल के क्षेत्र में प्रगति की प्रशंसा की।

महाम्ब्रे बने मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी कोच

मुंबई : टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज और गेंदबाजी कोच पारस महाम्ब्रे को मुंबई इंडियंस (एमआई) का नया गेंदबाजी कोच बनाया गया है। महाम्ब्रे इससे पहले भी एमआई के सहायक कोच रह चुके हैं। वह मौजूदा गेंदबाजी कोच लसिथ मलिंगा और प्रमुख कोच महेला जयवर्धने के साथ काम करेंगे। महाम्ब्रे 2021 से लेकर इस साल अगस्त तक भारत के गेंदबाजी कोच थे। उन्होंने कोच राहुल द्रविड़ के साथ काम किया और टी-20 विश्वकप विजेता दल का हिस्सा रहे थे। वह चैंपियंस लीग 2011 व 2013 और आईपीएल 2013 की खिताबी जीत में भी एमआई का हिस्सा थे। उन्हें भारतीय घरेलू क्रिकेट में भी कोचिंग का अनुभव है। भारत से पहले वह इंडिया ए टीम के गेंदबाजी कोच थे। 2005-06 और 2006-07 में बंगाल को लगातार रणजी ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचाने में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। महाम्ब्रे ने 1996 और 1998 के बीच भारत के लिए दो टेस्ट और तीन एकदिवसीय मैच खेले हैं। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में मुंबई का प्रतिनिधित्व किया और 91 प्रथम श्रेणी मैचों में 284 विकेट और 83 लिस्ट ए मैचों में 111 विकेट लिए थे।

रंग बिरंगी रोशनी में हुआ खो-खो विश्वकप के लोगो का अनावरण

नई दिल्ली : उत्साह, उमंग और रंग बिरंगी रोशनी के बीच बुधवार को केन्द्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्यमंत्री रक्षा निखिल खडसे, भारतीय खो-खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल और इंडिया टीवी के एडिटर इन चीफ रजत शर्मा ने बुधवार को खो-खो विश्वकप 2025 के लोगो का अनावरण किया। यहां त्यागराज स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वकप लोगो और टैगलाइन 'द वर्ल्ड गोज खो' का अनावरण किया गया। समारोह के दौरान महाराष्ट्र और शेष भारत की टीम के बीच एक शानदार प्रदर्शनी मैच खेला गया जिसे महाराष्ट्र ने 26-24 से जीता। दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में 13 से 19 जनवरी 2025 तक खो-खो विश्वकप खेला जाएगा। इस खो-खो विश्व कप में महिला और पुरुष वर्ग के मुकाबलों के लिए 24 देशों की 32 टीमें हिस्सा लेंगी। इस अवसर पर केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा कि खो खो हमारे देश की मिट्टी का खेल है। इसलिए हमें इस खेल को मंच पर लाने पर बहुत गर्व है। महासंघ को बहुत-बहुत धन्यवाद जिसने यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की है कि खो-खो एक अंतरराष्ट्रीय खेल बन जाए। हमने सबसे पहले इस खेल को अल्टीमेट खो-खो लीग के माध्यम से इसके प्रशंसकों तक पहुंचाया और अब पहले खो खो विश्वकप के साथ चीजों को अगले चरण में ले जाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि हम खो-खो को ओलंपिक खेलों में शामिल करने के लिए प्रयासरत है।

मोदी 20 अक्टूबर को करेंगे डॉ. संपूर्णानंद सिगरा स्पोर्ट्स स्टेडियम का उद्घाटन

वाराणसी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र में पूर्वांचल के खेल प्रेमियों को दीपावली से पहले बड़ी सौगात देंगे। 20 अक्टूबर को उनके वाराणसी के दौरे में सिगरा स्थित डॉ. संपूर्णानंद स्टेडियम में नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्टेडियम के फेज-2 व फेज-3 का उद्घाटन प्रस्तावित है। मोदी 2023 में फेज-1 का उद्घाटन कर चुके हैं। स्टेडियम निर्माण से 20 से अधिक खेलों के खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्म पर प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। डॉ. संपूर्णानंद सिगरा स्पोर्ट्स स्टेडियम का पुनर्विकास 325.65 करोड़ की लागत से हुआ है। स्टेडियम की इमारत ग्रिहा के मानक के अनुसार बनाई गई है। इस स्टेडियम के निर्माण से पूर्वांचल की मिट्टी से अब और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी निकलेंगे। काशी में मल्टी स्पोर्ट्स, मल्टी लेवल आधुनिक इनडोर स्टेडियम का निर्माण कराया गया है। स्मार्ट सिटी के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. डी वासुदेवन ने बताया कि तीन फेज में डॉ. संपूर्णानंद सिगरा स्पोर्ट्स स्टेडियम का पुनर्विकास 325.65 करोड़ से अधिक की लागत से हुआ है। स्टेडियम में इनडोर और आउटडोर दोनों सुविधा रहेगी। पूर्वांचल के खिलाड़ियों को अब वाराणसी में ही अंतरराष्ट्रीय मैच देखने को मिलेंगे। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जिम, स्पा, योगा सेंटर, पूल बिलियर्ड्स और कैफेटेरिया के साथ बैंक्वेट हॉल की भी सुविधा है। मल्टी स्पोर्ट्स, मल्टी लेवल आधुनिक इनडोर स्टेडियम में मानकों को भी ध्यान में रखकर बनाया गया है। यहां पैरा स्पोर्ट्स प्रतियोगिताएं भी हो सकेंगी। प्रथम चरण का निर्माण लगभग 109.36 करोड़ से हुआ था। दूसरे और तीसरे चरण का निर्माण लगभग 216.29 करोड़ में हुआ।

सीनियर महिला टी-20 ट्रॉफी आज से

नई दिल्ली : देश के छह शहरों में 17 अक्टूबर से 12 नवंबर तक सीनियर महिला टी-20 ट्रॉफी 2024 का आयोजन किया जाएगा। घरेलू टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिताओं में से एक इस लीग के मैच छह शहरों सूरत, वडोदरा, मुंबई, कोलकाता, तिरुवनंतपुरम और लखनऊ में खेले जाएंगे। इस लीग का यह 16वां संस्करण है और इसमें 37 टीमें शिरकत करेंगी। जेमिमा रोड्रिग्स की कप्तानी में मुंबई ने पिछले वर्ष फाइनल में उत्तराखंड को हराया था। मौजूदा चैंपियन मुंबई को आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा, गोवा, गुजरात, जम्मू-कश्मीर और मिजोरम के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। इस टूर्नामेंट में टीमों को पांच ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए और बी में आठ टीमें शामिल हैं जबकि ग्रुप सी, डी और ई में प्रत्येक में सात टीमें शामिल हैं। प्रत्येक टीम सिंगल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में ग्रुप में अन्य टीमों के खिलाफ खेलेगी। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें नॉकआउट स्टेज के लिए क्वालीफाई करेंगी। अंक और नेट रन रेट के आधार पर ग्रुप से सर्वश्रेष्ठ स्थान पर रहने वाली दूसरी टीम के साथ पांच टेबल टॉपर क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगे। ग्रुप से दूसरे स्थान पर रहने वाली बाकी चार टीमें प्री-क्वार्टरफाइनल खेलेंगी। लीग के सेमीफाइनल और फाइनल मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाएंगे।

यूपी ने सौराष्ट्र को हराया

चौथे दिन के शुरुआती सत्र में ही सौराष्ट्र के बल्लेबाजों को पेवलियन भेजकर यूपी के गेंदबाजों ने लगाई जीत पर मुहर, दोनों पारियों में नहीं दिखा समीर रिजवी का जलवा

मेरठ

भामाशाह पार्क के क्रिकेट मैदान पर कर्नल सीके नायडू अंडर-23 ट्राफी के लिये खेले गये यूपी बनाम सौराष्ट्र के मैच के चौथे दिन के शुरुआत में ही यूपी गेंदबाजों ने सौराष्ट्र को बढ़ी बढ़त लेने से रोकते हुए जीत की मुहर लगा दी। इसके बाद शेष औपचारिकता बल्लेबाजों ने निभाते हुए दो विकेट के नुकसान पर 67 रनों का आसान सा लक्ष्य हासिल कर लिया।

चौथे दिन 7 विकेट पर 78 रनों के कुल योग के साथ 31 रनों की बढ़त के साथ पिच पर पहुंचे सौराष्ट्र के नॉट आउट बैट्समैन विकेट कीपर धरम ए चांगला और नील पांडया ने लीड में अधिक से अधिक रन जोड़ने का प्रयास शुरू किये। लेकिन इधर रणनीति के अनुसार गेंदबाजी कर रहे यूपी के गेंदबाज कुनाल त्यागी ने 72.4 ओवर में नील पांडया (8) क्लीन बोल्ड कर जबरदस्त झटका दिया। धरम ए चांगला का साथ देने उतरे नौवे नंबर के बैट्समैन डी गोहिल ने धीरे-धीरे रक्षात्मक खेल जारी रखा, जिसका अंत 79.4 ओवर में यशोवर्द्धन सिंह ने उन्हे आदर्श सिंह के हाथों कैच कराकर किया। वह 8 रन बनाकर आउट हुए। इस वक्त टीम का कुल स्कोर 210 रन था। अंतिम बल्लेबाज राठौड़ चंद्र राज (01) रन प्रशांतवीर की गेंद पर शुभम मिश्रा के हाथों कैच आउट हुए। सौराष्ट्र की पूरी टीम 83.3 ओवरों में 213 रनों पर आउट हुई। दूसरी पारी के लिए उतरे यूपी के बल्लेबाजों के सामने सौराष्ट्र ने 67 रनों का बेहद आसान लक्ष्या रखा। जिसे समीर रिजवी (8) और शोएब सिद्दीकी (2) रनों की कीमत पर यूपी ने 18.4 ओवरों में आसानी से हासिल कर लिया। पहली पारी में शतक से तीन रन से चूके आदर्श सिंह ने एक बार फिर से बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए 42 रनों की नाबाद मैच विनिंग पारी खेली। उनके साथ ऋतुराज शर्मा ने नाबाद रहते हुए 15 रनों का योगदान दिया। गेंदबाजी में शुभम मिश्रा ने पहली पारी में 5 और दूसरी पारी में 4 कुल कुल नौ विकेट चटकाने के साथ ही एक शानदार कैच भी लपका, जबकि दूसरे छोर से शानदार गेंदबाजी करते हुए यशोवर्द्धन सिंह और प्रशांतवीर ने दो-दो विकेट हासिल किए। कुनाल त्यागी को एक विकेट मिला। सौराष्ट्र की ओर से दूसरी पारी में राठौड़ चंद्र राज और गुज्जर समर ने एक-एक विकेट लिया। इस जीत के साथ यूपी की टीम को 14 अंक, जबकि सौराष्ट्र की टीम को 4 अंक हासिल हुए।

स्कोर बोर्ड

सौराष्ट्र पहली पारी: 234 रन

उत्तर प्रदेश पहली पारी: 381 रन

सौराष्ट्र दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
स्मित का आदर्श बो शुभम	07	20	01	00
प्रशम राजदेव रन आउट शोएब	44	46	07	00
रक्षित मेहता पगबाधा बो शुभम	08	19	02	00
एचएस कोटक बो यशोवर्द्धन	14	46	01	00
गुज्जर पगबाधा बो प्रशांतवीर	45	124	04	00
अंश गोसाई का अराध्य बो शुभम	32	89	03	01
धरम ए चांगेला नाबाद	34	75	04	00
आदित्य का एंड बो शुभम	00	02	00	00
नील पंड्या बो कुणाल त्यागी	08	40	00	01
गोहिल का आदर्श बो यशोवर्द्धन	08	30	01	00
राठौड़ का शुभम बो प्रशांत	01	11	00	00
कुल : 83.3 ओवर में 213 रन पर ऑलआउट				
अतिरिक्त : 12 रन				

विकेट पतन 1 - 39, 2 - 61, 3 - 63,4 - 98, 5 - 145, 6-168, 7-168 8 -178, 9-210, 10-213

गेंदबाजी	ओवर	मेडन	रन	विकेट
कुणाल त्यागी	08	02	28	01
अजय कुमार	04	00	19	00
शुभम मिश्रा	29	06	72	04
रोहित द्विवेदी	02	00	11	00
प्रशांतवीर	28.3	09	54	02
यशोवर्द्धन सिंह	11	03	17	02
ऋतुराज शर्मा	01	00	01	00

उत्तर प्रदेश दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
आदर्श सिंह नाबाद	42	58	07	00
समीर रिजवी स्टंप धरम बो राठौड़	08	08	00	01
शोएब बो गुज्जर	02	16	00	00
रितुराज शर्मा नाबाद	15	30	01	01
कुल: 18.4 ओवर में दो विकेट पर 67 रन				
अतिरिक्त: 00 रन				
विकेट पतन 1- 18, 2 -29				

गेंदबाजी	ओवर	मेडन	रन	विकेट
नील पांड्या	02	00	10	00
राठौड़ चंद्र राज	09	02	27	01
डी गोहिल	01	00	06	00
गुज्जर समर	05	02	15	01

बारिश के कारण टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल रद

बेंगलुरु, : भारत और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार को शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल बारिश के कारण मैदान गीला होने पर रद कर दिया गया है।अपराह्न अंपायर्स और रेफरी के मैदान का निरीक्षण करने के बाद पहले दिन का खेल रद करने का फैसला किया गया। भारी बारिश के कारण पहले टेस्ट के पहले दिन का खेल में टॉस तक नहीं हो सका। आज गुरुवार को मैच के दूसरे पहला सत्र 9.15 पर शुरू होगा। टॉस का समय 8.45 है और आज 98 ओवर के मैच प्रयास होगा।

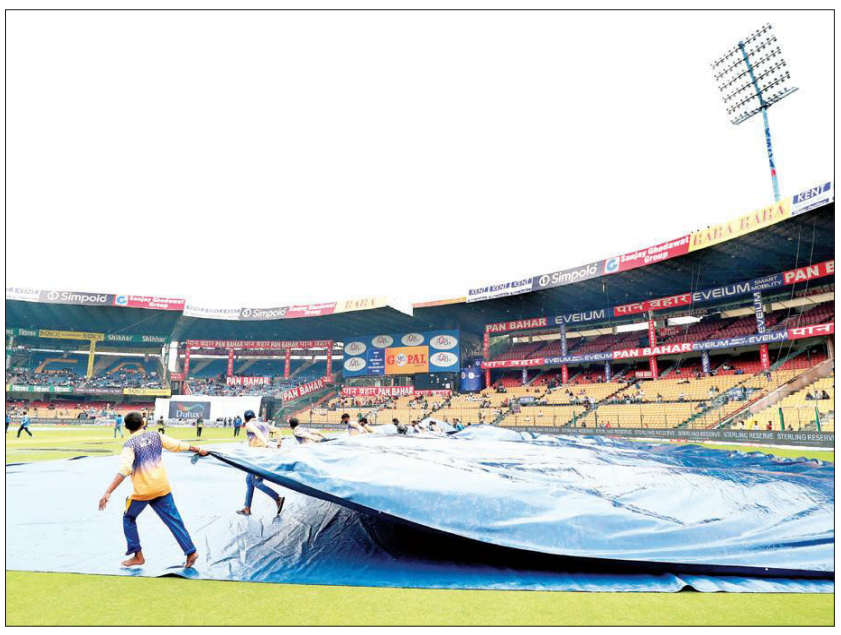

भारत के बिना चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन कोई विकल्प नहीं

● लंदन,

ईसीबी के मुख्य कार्यकारी और अध्यक्ष रिचर्ड गोल्ड और रिचर्ड थॉम्पसन ने बुधवार को कहा कि भारत की भागीदारी के बिना चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन कोई विकल्प नहीं है। थॉम्पसन ने कहा कि भारत का चैंपियंस ट्रॉफी में न खेलना क्रिकेट के हित में नहीं होगा। यह देखना दिलचस्प है कि बीसीसीआई के पूर्व सचिव और अब आईसीसी के प्रमुख जय शाह का इसमें बड़ा रोल रहने वाला है। वहां जमीनी राजनीति है और फिर क्रिकेट संबंधी जमीनी राजनीति है। मुझे लगता है कि वे कोई रास्ता निकाल लेंगे। उन्हें कोई रास्ता ढूंढना होगा। उन्होंने कहा कि जब ये दोनों देश एक-दूसरे के साथ खेलते हैं तो दुनिया के इस हिस्से में हमेशा सुरक्षा संबंधी चिंताएं बनी रहती हैं। संभवतः यही महत्वपूर्ण निर्णयों को संचालित करेगा। लेकिन मुझे पता है कि दोनों देशों के बीच रिश्ते इस समय उतने ही सौहार्दपूर्ण हैं। हमने इसे न्यूयॉर्क में पुरुष टी-20 विश्वकप में देखा था। गोल्ड और थॉम्पसन दुबई में आगामी आईसीसी बैठकों से पहले पाकिस्तान में हैं और इंग्लैंड के दूसरे टेस्ट मैच के दौरान मुल्तान में पीसीबी के अधिकारियों से मुलाकात कर रहे हैं। गोल्ड ने कहा कि राजस्व स्रोत के रूप में प्रसारण अधिकारों पर क्रिकेट की निर्भरता ने सुनिश्चित किया कि भारत और पाकिस्तान दोनों इसमें शामिल होंगे।

अगले वर्ष ऐशेज टेस्ट सीरीज का ब्रिस्बेन में होगा दिन-रात्रि मैच

● सिडनी,

अगले वर्ष नवंबर-दिसंबर होने वाली ऐशेज 2025-26 टेस्ट सीरीज का पहला मैच 21 से 25 नवंबर को पर्थ में तथा ब्रिस्बेन में चार से आठ दिसंबर के बीच होने वाला मैच दिन-रात्रि का होगा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने ऐशेज 2025-26 के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। घोषणा के अनुसार सीरीज का तीसरा मैच ऐडिलेड में 17 से 21 दिसंबर के बीच खेला जाएगा, जबकि मेलबर्न में 26 से 30 दिसंबर के बीच पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट होगा। सीरीज का अंतिम टेस्ट मैच चार से आठ जनवरी के बीच न्यू ईयर टेस्ट के रूप में सिडनी में आयोजित होगा। 1982-83 के बाद यह पहला मौका होगा जब

टेस्ट सीरीज का पहला मैच 21 से 25 नवंबर को पर्थ में होगा

ऐशेज का पहला मैच ब्रिस्बेन की बजाय पर्थ में खेला जाएगा। गाबा, ब्रिस्बेन ने इससे पहले भी तीन डे-नाईट टेस्ट आयोजित किए हैं और इस साल की शुरुआत में वेस्टइंडीज के खिलाफ भी एक दिन-रात्रि टेस्ट मैच हुआ था। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों का तब मानना था कि पिंक-बॉल टेस्ट गाबा की बजाय ऐडिलेड ओवल में ही आयोजित होने चाहिए, जहां की पिच पिंक बॉल के लिए अधिक मुफीद है। पहले गई बार गाबा में ऐसा हुआ है कि पिंक बॉल अधिक नरम हो गया हो, जिससे मैच का परिणाम भी प्रभावित हुआ।

ऑस्ट्रेलिया को उसके घर पर हराना बड़ी बात

● मुंबई,

भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का मानना है कि आस्ट्रेलिया को उसके घर में हराने के अहसास से बड़ा कुछ नहीं हो सकता।

स्टार स्पोर्टस से बात करते हुए पंत ने कहा कि जब आप ऑस्ट्रेलिया जाते हैं, तो आपको उछाल और शॉर्ट पिच गेंदों से निपटने पर अधिक काम करना होता है क्योंकि वहां विकेट और माहौल अलग होते हैं। वे नहीं चाहते कि आप जीतें, जिससे ऑस्ट्रेलिया जाने और उन्हें उनके घर में हराने से बड़ा कोई एहसास नहीं है। उन्होने कहा कि आम तौर पर ऑस्ट्रेलिया एक टीम के रूप में खेलता है। वे आपको कुछ भी आसानी से नहीं देते हैं। वे

आक्रामक क्रिकेट खेलते हैं। इसलिए उनके खिलाफ आक्रामक मानसिकता की ही जरुरत होती है, मतलब मैं पहला मुक्का नहीं मारूंगा, लेकिन अगर कोई मुझ पर पहला मुक्का मारता है, तो मैं पीछे नहीं हटूंगा। अपने पिछले आस्ट्रेलिया दौरे के दौरान गाबा टेस्ट में अपनी पारी की याद करते हुए उन्होने कहा कि मैं नहीं जानता कि इसके बारे में क्या कहूं। लेकिन मैं हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहा हूं। कभी-कभी, ऐसे प्रदर्शन होते हैं जिन्हें आप जीवन भर याद रखते हैं, और मेरे लिए उनमें से एक गाबा टेस्ट है। उस समय, मुझे एहसास नहीं हुआ कि यह कितना महत्वपूर्ण था, रोहित भाई वहां थे, और उन्होंने मुझसे कहा कि तुम्हें पता नहीं है कि तुमने क्या किया है। मैं ऐसा कह रहा था, मैंने क्या किया है। मेरा लक्ष्य सिर्फ मैच जीतना था। रोहित भाई ने कहा, बाद में तुम्हें समझ आएगा कि तुमने क्या किया है। अब, जब भी मैं लोगों को उस गाबा मैच के बारे में बात करते हुए सुनता हूं, तो मैं समझता हूं कि उनका क्या मतलब था और यह कितना महत्वपूर्ण था।

पाकिस्तान ने मुल्तान टेस्ट पर बनाई पकड़

बेन डकेट ने जड़ा शतक, पाकिस्तान ने इंग्लैंड के 239 रन पर चटकाए छह विकेट

● मुल्तान,

पाकिस्तान ने साजिद खान (चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन बुधवार को इंग्लैंड के 239 रन पर छह विकेट गिराकर मैच पर अपनी पकड़ बना ली हैं।

पाकिस्तान के 366 के स्कोर के जवाब में इंग्लैंड ने सलामी बल्लेबाज बेन डकेट (114) के शानदार शतक की मदद से छह विकेट पर 239 बना लिए। इंग्लैंड अभी भी पाकिस्तान से 127 रन पीछे हैं। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों के पहले विकेट के लिए 73 रनों की साझेदारी कर अच्छी शुरुआत की। 13वें ओवर में नौमन अली में जैक क्रॉली को रिजवान के हाथों कैच आउट कराकर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। क्रॉली ने 27 रन बनाए। नये बल्लेबाज ऑली पोप को साजिद खान ने बोल्ड आउट कर पाकिस्तान को दूसरी सफलता दिलाई। उस समय इंग्लैंड का स्कोर 125 रन था। पोप ने 29 रन बनाए। इसके बाद तीसरे विकेट के लिए बेन डकेट और जो रुट ने धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी करते हुए टीम के स्कोर

को 211 रनों तक पहुंचाया जहां साजिद ने रुट (34) को बोल्ड कर टीम को तीसरी सफलता दिलाई। स्कोर बोर्ड पर अभी 13 रन और जुडे ही थे कि डकेट (114) को साजिद ने सलमान के हाथों कैच आउट कराकर टीम को चौथी सफलता दिलाई। इसी ओवर की आखिरी गेंद पर साजिद ने पहले टेस्ट में मुल्तान के नए सुल्तान बने हैरी ब्रूक (09) रन पर बोल्ड आउट कर इंग्लैंड को पांचवा झटका दे दिया। नौमन अली ने अगले ही ओवर में कप्तान बेन स्टोक्स को शफीक के हाथों कैच आउट करा इंग्लैंड को संकट में डाल दिया। स्टोक्स (01) रन बनाया। दिन का खेल समाप्ति के समय जेमी स्मिथ नाबाद (12) तथा ब्राइडन कार्स दो रन पर नाबाद रहे। पाकिस्तान की तरफ से साजिद खान ने चार तथा नौमन अली ने दो विकेट लिए। इससे पहले पाकिस्तान मंगलवार के पांच विकेट पर 259 के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। पाकिस्तान की पूरी टीम कल के स्कोर में 107 जोड़कर 366 पर सिमट गई। आज दिन का पहला विकेट मोहम्मद रिजवान (41) के रूप में गिरा। उन्हें ब्राइडन कार्स ने आउट किया। आगा सलमान (31), साजिद खान (दो), आमेर जमाल (37), नौमन अली (32) रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले पाकिस्तान के लिए अपना डेब्यू टेस्ट खेल रहे कामरान गुलाम ने शतक लगाया। उन्होंने 224 गेंद पर 118 रन की पारी खेली। उनके अलावा सईम अयूब ने 77 रन बनाए। लंच के बाद इंग्लैंड के गेंदबाजों ने पाकिस्तान की टीम को 366 के स्कोर पर समेट दिया था।

फ्रेंड्स का उलटफेर सीआईएसएफ की आकर्षक जीत

नई दिल्ली, : तीसरी डीएसए प्रीमियर लीग में बुधवार को फ्रेंड्स यूनाइटेड ने पिछली उपविजेता रॉयल रेंजर्स को 2-1 से हरा कर लीग का सबसे बड़ा उलटफेर कर दिया। वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में सीआईएसएफ ने कांटे की टक्कर में वाटिका को परास्त किया। यहां अंबेडकर स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में फ्रेंडस यूनाइटेड ने दो गोल की मजबूत बढ़त लेने के बाद प्रतिद्वंद्वी की किलेबंदी की रणनीति अपनाई और कामयाबी पाई। 31वें और 48वें मिनट में क्रमशः अक्षय और राहुल ने गोल किए। हालांकि 55वें मिनट में शिखर ने गोल जमा कर रॉयल रेंजर्स को वापसी का मौका दिया लेकिन अगले चालीस मिनट में फ्रेंडस ने यूनिटी के साथ प्रतिद्वंद्वी के तमाम हमलों को नाकाम कर दिखाया। विजेता टीम ने बचाव की रणनीति अपनाकर लीग का सबसे बड़ा धमाका कर दिखाया। विजेता टीम के लिए अक्षय राज और राहुल तालेकर ने गोल जमाए। रॉयल रेंजर्स का गोल शिखर के नाम रहा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।

संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593

जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।

नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)